RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-12 अंक:17 ता. 10 जूलाई 2023, सोमवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

भाजपा ने 18 जुलाई को बुलाई एनडीए की बैठक, कौन-कौन सी पार्टी होगी शामिल

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव की तैयारी में जुट गई है। भगवा पार्टी की अगुवाई में 18 जुलाई को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन बैठक बुलाई गई है। इस बैठक में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अजित पवार साथ-साथ महाराष्ट्र में शिवसेना और सरकार की कमान संभाल रहे एकनाथ शिंदे के भी शामिल होने की संभावना है। इसके अलावा लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के चिराग पासवान के भी शामिल होने की पूर्ण संभावना है।

भाजपा नेतृत्व ने सैद्धांतिक रूप से जनता दल (एस), ओम प्रकाश राजभर के सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी और बिहार में मुकेश सहनी की विकासशील इंसान पार्टी को भी एनडीएम शामिल होने की सहमति दे दी है। हालांकि, अभी तक किसी भी दल ने अपने पत्ते नहीं खोले हैं। इसके अलावा उपेंद्र कुशवाहा के भी इस बैठक में शामिल होने की संभावना है।

महाराष्ट्र में मजबूत दिख रही एनडीए की स्थिति

अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी की

तरफ से राज्यसभा सांसद प्रफुल्ल पटेल इस बैठक में शामिल हो सकते हैं। शरद पवार ने अपनी बेटी सुप्रिया सुले के साथ उन्हें भी एनसीपी का कार्यकारी अध्यक्ष बनाया था। पहले शिवसेना और अब एनसीपी में हुई टूट के कारण महाराष्ट्र की 48 लोकसभा सीटों पर 2024 के लोकसभा चुनाव में एनडीए की स्थिति मजबूत दिखने लगी है।

पशुपति पारस की बढ़ेंगी मुश्किलें

भारतीय जनता पार्टी ने चिराग पासवान को वापस लेने का भी फैसला किया है। इस बात की संभावना है कि उनके चाचा पशुपति कुमार पारस

भाजपा नेतृत्व ने सैद्धांतिक रूप से जनता दल (एस), ओम प्रकाश राजभर के सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी और बिहार में मुकेश सहनी की विकासशील इंसान पार्टी को भी एनडीएम शामिल होने की सहमति दे दी है। हालांकि, अभी तक किसी भी दल ने अपने पत्ते नहीं खोले हैं। इसके अलावा उपेंद्र कुशवाहा के भी इस बैठक में शामिल होने की संभावना है।

को केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण मंत्रालय में अपनी जगह गंवानी पड़ सकती है। आपको बता दें कि चिराग पासवान अपने दिवंगत पिता और दलित नेता राम विलास पासवान के एकमात्र उत्तराधिकारी हैं। लोजपा बिहार में दुसाधों/पासवानों की पार्टी मानी जाती है। बिहार में इनकी आबादी करीब 4.5 प्रतिशत है।

बिहार में महागठबंधन को टक्कर देने की तैयारी

चिराग पासवान से पहले बिहार में एक और दलित नेता जीतनराम मांझी की हाल ही में एनडीए में एंट्री हुई थी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की जेडीयू के द्वारा हिंदुस्तान आवाम मोर्चा के विलय की जिद के विरोध में वह एनडीए में शामिल हो गए थे। बीजेपी बिहार में सवर्णों, गैर-यादव और गैर-कुर्मी ओबीसी और दलितों का एक इंद्रधनुषी गठबंधन तैयार करने की कोशिश कर रही है।

पीएम मोदी की पहल पर बढ़ रहा NDA का कुनबा

इसके अलावा भाजपा अपने दो पूर्व सहयोगियों (तेलुगु देशम पार्टी और शिरोमणि अकाली दल) के साथ भी चर्चा कर रही है। बीजेपी को यह भी लगता है कि जब विपक्षी दलों का मोर्चा बनाने का प्रयास विफल होता दिख रहा है, एनडीए के विस्तार से धारणा की लड़ाई में पार्टी की छवि में सुधार होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खुद ही मई के आखिरी हफ्ते में एनडीए को मजबूत और विस्तारित करने की जरूरत पर जोर दिया था।

अब सफेद नहीं भगवा दिखेगी वंदे भारत ट्रेन, रेल मंत्री ने बताए कारण; कहा- कुल 25 तरह के हुए बदलाव

चेन्नई। भारत में ही निर्मित वंदे भारत ट्रेन की रंग अब सफेद नहीं बल्कि भगवा होगा। रेलवे के अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी है। अधिकारियों ने बताया कि भारत में निर्मित सेमी-हाई-स्पीड वंदे भारत एक्सप्रेस की 28वीं रैक का रंग भगवा होगा। हालांकि, नई भगवा वंदे भारत एक्सप्रेस अभी तक चालू नहीं हुई है और फिलहाल चेन्नई की इंटीग्रल कोच फैक्ट्री में ही खड़ी है, जहां वंदे भारत ट्रेनों का निर्माण किया जाता है। अधिकारियों के मुताबिक, वंदे भारत एक्सप्रेस के कुल 25 रेक देशभर के अलग-अलग रूट्स पर चल रहे हैं और दो रेक को रिजर्व्ड रखा गया है। अधिकारियों ने ANI को बताया, हालांकि इस 28वें रेक का रंग परीक्षण के तौर पर बदला जा रहा है और उसे भगवा रंग दिया गया है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को चेन्नई स्थित इंटीग्रल कोच फैक्ट्री का निरीक्षण किया था और वंदे भारत एक्सप्रेस में सुधार समेत दक्षिणी रेलवे में सुरक्षा उपायों की समीक्षा की। निरीक्षण करने के बाद, केंद्रीय मंत्री ने कहा कि स्वदेशी ट्रेन की 28वीं रेक का नया रंग ÷भारतीय तिरंगे से प्रेरित÷ है। उन्होंने कहा कि वंदे भारत ट्रेनों में कुल 25 तरह के सुधार किए गए हैं। अश्विनी वैष्णव ने प्रेस वार्ता में सुधारों पर कहा, यह मेक इन इंडिया की एक अवधारणा है, जिसका अर्थ है कि यह भारत में हमारे अपने इंजीनियरों और तकनीशियनों द्वारा डिजाइन किया गया है। इसलिए वंदे भारत ट्रेन के संचालन के दौरान एसी, शौचालय आदि के संबंध में हमें फील्ड इकाइयों से जो भी फीडबैक मिल रहा है, उनके मुताबिक डिज़ाइन में बदलाव किया जा रहा है। उन्होंने कहा, एक नई सुरक्षा सुविधा, एंटी क्लाइंबर्स या एंटी-क्लाइंबिंग डिवाइस, जिस पर हम काम कर रहे हैं, की भी आज समीक्षा की गई। ये सभी वंदे भारत और अन्य ट्रेनों में मानक सुविधाएं होंगी।

तीर्थयात्रियों से भरा वाहन गंगा में गिरा, छह यात्री लापता, रेस्क्यू जारी

देहरादून। उत्तराखंड में चारधाम यात्रा पर आए विभिन्न राज्यों के तीर्थयात्रियों से भरा एक वाहन रविवार सुबह गंगा नदी में गिर गया। हादसे के बाद पांच लोगों को बाहर निकाल लिया गया, जबकि छह यात्री अभी लापता हैं, जिनकी तलाश की जा रही है।

पुलिस अधीक्षक टिहरी गढ़वाल, नवनीत सिंह भुल्लर ने यूनीवार्ता को बताया कि आज तड़के 03ः00 बजे चौकी ब्यासी, थाना मुनि की रेती पर सूचना प्राप्त हुई कि एक वाहन जो सोनप्रयाग से ऋषिकेश आ रहा थी, मालाकुंती पुल से होटल आनंद काशी के बीच में राष्ट्रीय राजमार्ग से नीचे गहरी खाई में गिर गया है। उन्होंने बताया कि सूचना मिलने के बाद तत्काल थाना पुलिस और एसडीआरएफ द्वारा मौके पर पहुंचकर, गंगा नदी से पांच व्यक्तियों को बाहर निकाला है। उन्होंने बताया कि वाहन में चालक सहित कुल ग्यारह यात्री सवार थे। भुल्लर ने बताया कि बिजेंदर पुत्र जगदीश पांडे (46), निवासी बदरपुर, दिल्ली, आकाश (22) पुत्र तेज सिंह, प्रदीप कुमार (27)पुत्र महेंद्र सिंह, निवासी शाहपुर, पंजाब, रोशन कुमार (25) पुत्र सुबोध, निवासी नालंदा, बिहार, और हरियाणवी पत्नी रवि सिंह (25), निवासी हैदराबाद को सकुशल निकाल लिया गया है। सभी को एंबुलेंस के माध्यम से तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया है।

पुलिस अधीक्षक के अनुसार, चालक सहित अन्य छह लोगो की तलाश जारी है। जिनका नाम, पता रेस्क्यू किए गए यात्रियों द्वारा अभिजीत त्यागी, निवासी भोजपुर, भजन गढ़, दिल्ली, अतुल सिंह पुत्र विनोद, निवासी शिवपुरी, बिहार, अक्षय कुमार पुत्र मनोज सिंह, निवासी बिहार, सौरभ कुमार, रवि पुत्र अज्ञात हैदराबाद और मैक्स वाहन चालक नाम, पता अज्ञात अभी लापता हैं। इनकी तलाश लगातार जारी है।

रेस्क्यू किए गए यात्रियों द्वारा बताया गया कि वे सभी लोग अलग-अलग स्थानों के रहने वाले है। आठ जुलाई को वे सभी सोनप्रयाग से समय रात्रि 8ः00 बजे एक मैक्स गाड़ी में बैठे थे एवम आज तड़के तीन बजे के करीब मालाकुंठी पुल से आगे गुलर की तरफ पहाड़ से बारिश में अचानक पत्थर गिरने के कारण गाड़ी अनियंत्रित हो गई और गाड़ी सीधे नदी में जा गिरी।

नीतीश कुमार फिर मिलाएंगे भाजपा से हाथ? सर्वे में सामने आए चौंकाने वाला परिणाम

नई दिल्ली। बिहार की राजनीति में इन दिनों कयासों का बाजार गर्म है। सियासी हलकों में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उनकी पार्टी जेडीयू को लेकर अटकलें लगाई जा रही हैं। अटकलें इस बात की है कि वह फिर एकबार भारतीय जनता पार्टी से हाथ मिला सकते हैं। इस मुद्दे पर सी वोटर ने एक सर्वे किया है, जिसमें चौंकाने वाले परिणाम सामने आए हैं। लोगों से पूछ गया था कि क्या नीतीश कुमार फिर से भाजपा से हाथ मिला सकते हैं? लोगों ने हां, नहीं और पता नहीं में जवाब दिए हैं। एबीपी सी वोटर के सर्वे में शामिल 34 प्रतिशत लोगों का मानना है कि नीतीश कुमार फिर बीजेपी से हाथ मिला सकते हैं। वहीं, 48 प्रतिशत लोग

अटकलें इस बात की है कि वह फिर एकबार भारतीय जनता पार्टी से हाथ मिला सकते हैं। इस मुद्दे पर सी वोटर ने एक सर्वे किया है, जिसमें चौंकाने वाले परिणाम सामने आए हैं। लोगों से पूछ गया था कि क्या नीतीश कुमार फिर से भाजपा से हाथ मिला सकते हैं?

ऐसा नहीं मानते हैं। उन्हें लगता है कि बिहार में आरजेडी और जेडीयू का गठबंधन जारी रहेगा। साथ ही 18 प्रतिशत लोगों के पास इस विषय पर कोई जवाब नहीं था। आपको बता दें कि सी वोटर के इस सर्वे में 2575 लोग शामिल हुए। यह सर्वे बीते गुरुवार और शुक्रवार को किया गया। वहीं, बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी के जेडीयू और नीतीश कुमार को लेकर किए गए दावे पर भी एक सर्वे किया गया। लोगों से पूछा गया कि मांझी ने दावा किया है कि जेडीयू टूट जाएगी। नीतीश कुमार के साथ सिर्फ 4-5 विधआयक ही बच जाएंगे। उनके दावे से आप सहमत हैं?

सर्वे के परिणाम के मुताबिक, 38 प्रतिशत लोगों ने मांझी के दावे का समर्थन किया है। वहीं, 51 प्रतिशत लोगों का मानना है कि नीतीश कुमार की पार्टी नहीं टूटेगी। इसके अलावा 11 प्रतिशत लोगों के पास इसका कोई जवाब नहीं था।

गठबंधन को लेकर बेचैनी? अखिलेश के सामने बीजेपी से पहले सहयोगियों ने खड़ी की ये नई चुनौती

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के लिए अपने सहयोगियों को भाजपा के प्रभाव में आने से रोकने की चुनौती बढ़ रही है। नए पुराने, छोटे बड़े दल सपा से दामन छुड़ाने और भाजपा का दामन थामने की कोशिश करते दिख रहे हैं। बात रालोद मुखिया जयंत चौधरी के ढके छुपे बयानों की हो, या फिर ओम प्रकाश राजभर के रोज आते नए नए बयानों की हो। सपा खेमे में चिंता बढ़ना स्वाभाविक है। क्या वास्तव में जयंत चौधरी सहयोगी सपा का साथ छोड़कर भाजपा के साथ चुनावी गठजोड़ करेंगे। अगर ऐसा होता है तो कोई हैरत की बात नहीं होगी। भाजपा पूरी कोशिश में है कि रालोद सपा का साथ छोड़कर उनके साथ आ जाए। इससे पश्चिमी यूपी में भाजपा के लिए अपना सामाजिक समीकरण सही तरह से बिठाना आसान हो जाएगा। हालांकि जयंत चौधरी भाजपा की ओर जाने से अभी तक इंकार करते रहे हैं। एक ओर रालोद चाहता है कि सपा के साथ कांग्रेस का गठजोड़ हो तो दूसरी ओर कांग्रेस के एक खेमे में सपा कांग्रेस के संभावित गठजोड़ को लेकर बेचैनी है और वह चाहता है कि पार्टी अकेले चुनाव लड़े। सपा के पुराने सहयोगी महान दल पहले ही बसपा के साथ जाने का ऐलान कर चुका है। इस समय केवल अपना दल कमेरावादी की नेता पल्लवी पटेल ही सपा के साथ हैं। वह सपा से विधायक भी हैं। भीम आर्मी चीफ चंद्रशेखर रावण यूं तो सपा के साथ हैं और पश्चिम में सपा रालोद के साथ चंद्रशेखर की ताकत लगने से भाजपा के लिए चुनाव चुनौती पूर्ण होने के आसार हैं। लेकिन चुनाव आते आते कौन दल गठबंधन की राह में आगे बढ़ते हुए किस राह से बायें दायें घूम जाए इसके लिए लोकसभा चुनाव की आहट तक इंतजार करना होगा।

दिल्ली में बारिश ने तोड़ दिया 21 साल का रिकॉर्ड, आगे क्या है बादलों का इरादा; मौसम से रहें अलर्ट

नई दिल्ली। दिल्ली में शनिवार को हुई मॉनसून की पहली भारी मूसलाधार बारिश ने जहां 20 सालों का रिकॉर्ड तोड़ दिया, वहीं, रविवार सुबह से एक बार फिर भारी बारिश का सिलसिला जारी है। बारिश के चलते निचले इलाकों और कई सड़कों पर भारी जलभराव हो गया है। मौसम विभाग (आईएमडी) ने रविवार के लिए %ऑरेंज अलर्ट% जारी किया है। भारी बारिश के कारण शनिवार को राजधानी के कई इलाकों में जलभराव, पेड़ उखड़ने, वाहनों के खराब होने और ट्रैफिक जाम जैसी समस्याएं देखने को मिलीं।

मौसम विभाग ने रविवार को मुख्य तौर पर बादल छाए रहने और मध्यम से भारी स्तर की बारिश होने का अनुमान जताया है। अधिकतम तापमान 30 डिग्री जबकि

न्यूनतम तापमान 24 डिग्री के आसपास रहने का अनुमान है। शनिवार को दिल्ली में अधिकतम तापमान 28.7 डिग्री सेल्सियस रहा, जो मौसम के औसत तापमान से आठ डिग्री सेल्सियस कम है। अधिकतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस रहा, जो मौसम के औसत तापमान से तीन डिग्री कम है।

1958 में हुई थी सबसे ज्यादा बारिश

मौसम विभाग (आईएमडी) के अनुसार, शनिवार को दिल्ली में 24 घंटे के भीतर 126.1 मिलीमीटर (एमएम) बारिश दर्ज की गई जो बीते दो दशक में किसी भी एक दिन में हुई सबसे ज्यादा बारिश है। इससे पूर्व 10 जुलाई 2003 को 133.44 एमएम बारिश हुई थी। इसके बाद 21 जुलाई 2013 को दिल्ली में 123.4 एमएम और वर्ष 2022 में एक जुलाई को 117 एमएम बारिश हुई थी। दिल्ली में एक दिन में सबसे अधिक 266.2 मिलीमीटर बारिश 21 जुलाई, 1958 को हुई थी।

बता दें कि, मौसम विभाग ने शनिवार को बारिश की संभावना जताते हुए येलो अलर्ट जारी किया था, लेकिन, सुबह शुरू हुई बारिश ने इतना जोर पकड़ा कि विभाग को पहले ऑरेंज और बाद में रेड अलर्ट तक जारी करना पड़ा।

ऑरेंज अलर्ट जारी : शनिवार को हुई बारिश के बाद मौसम विभाग ने रविवार के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। पहले येलो अलर्ट जारी किया गया था। रविवार को भी मध्यम श्रेणी की बारिश होने के आसार है।

एक महिला की मौत: राजधानी के विभिन्न इलाकों में भारी बारिश से कई मकान भी गिर गए। वहीं, करोल बाग स्थित देशबंधु गुप्ता रोड इलाके में तिब्बिया कॉलेज सोसाइटी के एक फ्लैट की छत भी ढह गई, जिसके मलबे में दबकर 58 वर्षीय एक महिला की मौत हो गई।

दिग्विजय सिंह के खिलाफ नफरत फैलाने का एक और केस, गुरु गोलवलकर को लेकर किया था पर विवादित ट्वीट

इंदौर। कांग्रेस के सीनियर नेता और मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के खिलाफ नफरत फैलाने के आरोप में एक और एफआईआर दर्ज की गई है। दिग्विजय सिंह ने राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ (आरएसएस) के द्वितीय सरसंघचालक माधव सदाशिव गोलवलकर के लेकर शनिवार को एक विवादित ट्वीट किया था। इसमें दावा किया गया था कि गोलवलकर दलित और मुसलमानों को बराबरी का आधिकार देने के खिलाफ थे। इसके बाद शनिवार देर रात इंदौर के तुकोगंज थाने में दिग्विजय सिंह के खिलाफ आईपीसी की धारा 153 ए, 469, 500 और 505 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

क्या है दिग्विजय के ट्वीट में?

कांग्रेस नेता ने जो ट्वीट शेयर किया था, उसमें ऊपर लिखा है, गुरु गोलवलकर जी के दलितों पिछड़ों और मुसलमानों के लिए व राष्ट्रीय जल, जंगल और जमीन पर अधिकार पर क्या विचार थे अवश्य जानिए। इसके साथ ही इसमें एक तस्वीर शेयर की गई है और उसपर कुछ विवादित टेक्स्ट लिखे गए हैं। इस तस्वीर में दावा किया गया है कि ये गोलवलकर की किताब वी ऐंड आवर नेशनहुड आईटेंडिफाइड से कोट किए गए हैं।

तस्वीर पर क्या लिखा है?

तस्वीर पर जो टेक्स्ट लिखा है उसके मुताबिक सदाशिव गोलवलकर ने अपनी पुस्तक में लिखा है कि जब भी सत्ता हाथ लगे तो सबसे पहले सरकार की धन संपत्ति, राज्यों की जमीन और जंगल पर अपने दो-तीन विश्वसनीय धनी लोगों को सौंप दें। 95त्न जनता को भिखारी बना दें, उसके बाद सात जन्मों तक सत्ता हाथ से नहीं जाएगी। आगे गोलवलकर को कोट करते हुए लिखा गया है कि उन्होंने 1940 में कहा था, मैं सारी जिंदगी अंग्रेजों की गुलामी करने के लिए तैयार हूं, लेकिन जो दलित पिछड़ों और मुसलमानों को बराबरी का अधिकार देती है, ऐसी आजादी मुझे नहीं चाहिए।

ड्डराष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े लोगों का कहना है कि दिग्विजय सिंह झूठी बातों के जरिए समाज में नफरत फैलाने का काम करे हैं।आरएसएस नेता सुनील आंबेकर ने ट्वीट कर कहा, गोलवलकर गुरुजी के संदर्भ में यह ट्वीट तथ्यहीन है और सामाजिक विद्वेष उत्पन्न करने वाला है। संघ की छवि धूमिल करने के उद्देश्य से यह झूठा फोटोशॉप्ड पोस्टर बनाया गया हैं। गुरुजी ने कभी भी ऐसे नहीं कहा और उनका पूरा जीवन सामाजिक भेदभाव को खत्म करने में लगा रहा।

पहले भी हो चुकी है FIR

दिग्विजय सिंह के विवादास्पद ट्वीट पर उनके खिलाफ इंदौर में हाई कोर्ट के वकील राजेश जोशी ने तुकोगंज थाने में इसी आरोप में शिकयत दर्ज कराई है। राजेश जोशी आरएसएस के कार्यकर्ता भी बताए जा रहे हैं। अपने खिलाफ केस दर्ज होने पर फिलहाल दिग्विजय सिंह की प्रतिक्रिया नही आई हैं। हालांकि, यह पहली बार नहीं है जब विवादित ट्वीट को लेकर कांग्रेस नेता के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई है। पिछले साल अप्रैल में भी उनपर एक ट्वीट को लेकर धार्मिक उन्माद फैलाने और अन्य धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी। हालांकि, कुछ समय बाद दिग्विजय सिंह ने ट्वीट को डिलीट कर दिया था।

पूंछ में उफनती नदी पार करते दो जवान बह गए, सेना ने दी श्रद्धांजली

जम्मू । जम्मू कश्मीर के पूंछ इलाके में जोरदार बारिश ने सेना के दो जवानों की जान ले ली। यहां दो सैनिक पुंछ इलाके में पेट्रोलिंग करने के दौरान उफनती नदी पार कर रहे थे। उसी दौरान दोनों पानी के तेज बहाव की चपेट में आ गए और पानी में बह गए है। बहने वाले सैनिकों में से एक की पहचान नायब सूबेदार कुलदीप सिंह के रूप में हुई है जबकि दूसरे की जानकारी नहीं मिल सकी है। अधिकारियों से ये जानकारी मिली है। वहीं इस घटना के बाद भारतीय सेना के 16 कॉर्प्स ने जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की है। 16 कॉर्प्स ने बह गए जवानों के लिए ट्विट करते हुए लिखा कि व्हाइट नाइट कॉर्प्स के कमांडर और रैंक के अधिकारी नायब सूबेदार कुलदीप सिंह के सर्वोच्च बलिदान को सलाम करते है। जानकारी के मुताबिक पुंछ के सुरानकोटे के पोशाना में सैनिक नाला पार कर रहे थे और तभी अचानक तेज बहाव की चपेट में आ गए और ये हादसा हो गया। हालांकि सेना, स्थानीय पुलिस के साथ मिलकर रेस्क्यू ऑपरेशन चल रहा है। पुलिस ने नागरिकों को भी सलाह दी है कि भारी बारिश के कारण नदी और नालों से दूर रहें। इधर जम्मू-कश्मीर में रविवार को लगातार तीसरे दिन मूसलाधार बारिश के कारण कठुआ और सांबा जिलों के साथ ही निचले जलग्रहण क्षेत्रों के लिए 'रेड अलर्ट' जारी किया गया। मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने रविवार सुबह विभिन्न इलाकों से नदियों और झरनों में जलस्तर के खतरे के निशान को पार कर जाने की खबरें आने के बाद यह अलर्ट जारी किया। विभाग के एक प्रवक्ता ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के कठुआ, सांबा और निचले जलग्रहण क्षेत्रों के लिए रेड अलर्ट जारी किया गया है, क्योंकि बाढ़ या अचानक बाढ़ आने का खतरा बढ़ गया है। सभी संबंधित लोगों को अगले 24 घंटे के दौरान सतर्क रहने की सलाह दी गई है। उन्होंने बताया कि कठुआ, सांबा, रामबन, डोडा और उधमपुर जिलों के कुछ इलाकों में शनिवार को रातभर बारिश हुई। हालां?कि यहां 10 जुलाई के बाद से स्थिति में सुधार होने की उम्मीद है।

ठग सुकेश चन्द्रशेखर की मां और वकील को मिले धमकी भरे फोन

नई दिल्ली । कथित ठग सुकेश चन्द्रशेखर की मां और उनके वकील को धमकी भरे फोन मिलने की शिकायत की गई है। सुकेश चंद्रशेखर ने उपराज्यपाल को एक ताजा पत्र लिखकर आरोप लगाया है कि उनके वकील अनंत मलिक को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने धमकी दी है, साथ ही पूर्व मंत्री सत्येन्द्र जैन की पत्नी ने उनकी मां को धमकाया है। ठग सुकेश चन्द्रशेखर ने उपराज्यपाल को लिखे पत्र में कहा है कि उनके वकील अनंत मलिक को एक जुलाई को धमकी भरी काल आई थी। ठग सुकेश का दावा है कि उनके वकील के पास कॉल की रिकॉर्डिंग है। फोन करने वाले ने मलिक को धमकी दी कि वह चंद्रशेखर पर आम आदमी पार्टी (आप) नेताओं के खिलाफ दिए गए सभी बयान वापस लेने के लिए दबाव डालें। पत्र में कहा गया है कि मैं तत्काल आपके ध्यान में लाना चाहता हूं कि एक जुलाई को मेरे वकील अनंत मलिक को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उनके सहयोगी सत्येन्द्र जैन का सहयोगी होने का दावा करने वाले एक व्यक्ति से धमकी भरा फोन आया। फोन करने वाले ने धमकी देते हुए कहा कि अगर मैंने आप नेताओं और अरविंद केजरीवाल के खिलाफ अपने बयान और शिकायतें वापस नहीं लीं तो मुझे जेल के खाने में जहर दे दिया जाएगा। राज्यपाल को लिखे पत्र में चन्द्रशेखर ने आगे आरोप लगाया कि उनकी मां को सत्येन्द्र जैन की पत्नी पूनम जैन से भी कई धमकी भरे फोन आए। फ़ोन कॉल के अलावा चन्द्रशेखर का दावा है कि मंडोली जेल के अधिकारियों ने उन्हें केजरीवाल के खिलाफ न बोलने की धमकी भी दी। उन्होंने कहा कि यह मेरे और मेरी पत्नी के लिए पूरी तरह से असुरक्षित है, क्योंकि मैं केजरीवाल और कैलाश गहलोत के खिलाफ गवाही दे रहा हूं। अब देखना यह है कि पत्र पर कोई कार्रवाई होती या नहीं होती है।

महिला दुकानदार को पहले पीटा ?फिर लूटे 4 किलो टमाटर

प्रयागराज । यूपी के प्रयागराज में टमाटर लूटने की घटना सामने आई है। यहां कुछ लोगों ने एक महिला सब्जी दुकानदार के साथ मारपीट कर 4 किलो टमाटर लूट ?लिए। इसके साथ ही आरोप है कि लूट के दौरान विरोध करने पर महिला दुकानदार व उसके परिवार वालों के साथ मारपीट भी की गई है। ?मिली जानकारी के अनुसार झूंसी थाना क्षेत्र के कुसमीपुर गांव का यह मामला है। फिलहाल, पुलिस जांच कर रही है। दरअसल दो दिन पहले महिला दुकानदार संतोष देवी की दुकान पर गांव का ही एक युवक टमाटर लेने आया। इस समय 120 रुपये किलो का रेट चल रहा है और ऐसे में युवक ने 10 रुपये के टमाटर मांगे तो उन्होंने इंकार कर दिया। बस इसी बात पर युवक भड़क गया और गाली गलौज करने लगा। विवाद होने पर कुछ देर बाद वह कई अन्य लोगों के साथ युवक पहुंचा। बाद में महिला दुकानदार संतोष देवी और उसके परिवार वालों के साथ मारपीट की। हमलावर इस दौरान दुकान पर रखा हुआ 4 किलो टमाटर जबरन लूट कर भी ले गए। इतना ही नहीं, इसके बाद आरोपी अगले दिन फिर महिला की दुकान पर पहुंचे और पुलिस में शिकायत नहीं करने की धमकी दी। इधर पुलिस ने धमकी देने और टमाटर लूटने वाले एक युवक को हिरासत में ले लिया है। हालांकि अभी इस मामले में कोई केस दर्ज नहीं किया गया है। झूंसी थाना क्षेत्र के कुसमीपुर गांव में टमाटर लूट की यह घटना सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही है।

जैन मुनि की बेरहमी से हत्या, टुकड़ों में मिला शव

बेलगावी। कर्नाटक में अपहरण के बाद जैन मुनि कामकुमार नंदी महाराज की बेरहमी से हत्या कर दी गई है। बेलगावी जिले में दो आरोपियों को हिरासत में लिया गया। पूछताछ में आरोपियों ने उनकी हत्या करने की बात कबूल कर ली है। सूत्रों के अनुसार, चिक्कोडी के आचार्य श्री 108 कामकिमारा नंदी महाराज गुरुवार को होरेकोडी में नंदी पर्वत पर जैन बसादी से लापता हो गए थे। जैन बसादी से संबंधित संपत्ति के दस्तावेज भी गायब हैं। फ़िलहाल इस घटना से बेलगाम जिले में हड़कंप मचा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक जैन मुनि कामकुमार नंदी महाराज की हत्या कर उनके शव के टुकड़े इधर-उधर फेंक दिया। यह भयानक घटना चिक्कोडी इलाके में हुई, जहां जैन मुनि 108 कामकुमार नंदी जी महाराज पिछले 15 वर्षों से नंदी पर्वत आश्रम में रह रहे थे। वह आचार्य कामकुमार नंदी चैरिटेबल ट्रस्ट के प्रमुख भी थे। गुरुवार को उनके अचानक गायब होने से उनके शिष्यों में चिंता बढ़ गई, जिसके बाद उनकी तलाश की गई, लेकिन उनका पता नहीं चला तो आचार्य कामकुमार नंदी चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष भीमप्पा उदारे ने उसी दिन पुलिस में उनकी गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई। जांच के दौरान शक जैन मुनि के एक परिचित पर गया, जिसे बाद उसे हिरासत में लिया गया और पूछताछ की गई। संदिग्ध आरोपी ने जैन मुनि की हत्या की बात कबूल कर ली। इस जघन्य कृत्य के पीछे का मकसद आर्थिक विवाद से जुड़ा बताया जा रहा है, क्योंकि आरोपी ने साधु से पैसे उधार लिए थे और उसे चुकाने में असफल रहा। कथित तौर पर जैन मुनि द्वारा धन वापस करने के बढ़ते दबाव के कारण आरोपी ने इस वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने कहा कि जांच पूरी होने के बाद ही सही कारण पता चल सकेगा।

यूपी में भी दलित पर दबंगाई, लाइनमैन ने चटवायी चप्पल, लात-घुसों से की पिटाई

सोनभद्र । उत्तर प्रदेश में भी एक दलित युवक पर दबंगाई की घटना सामने आई है। जहां एक लाइनमैन ने दलित से चप्पल चटवा कर लात-घूसों से जमकर पीटा गया। गौरतलब है कि पिछले दिनों मध्य प्रदेश के सीधी में पेशाब कांड हुआ था, इसके बाद अब उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले में एक दलित युवक के साथ अमानवीय व्यवहार का वीडियो वायरल हुआ है। सोनभद्र के शाहगंज थाना क्षेत्र में एक दबंग युवक द्वारा दूसरे युवक को पीटने व उससे अपने चप्पल चटवाने का विडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वायरल विडियो में दबंग लाइनमैन युवक को जमकर मारने पीटने के बाद अपने पैर पर गिरवाकर जीभ से चप्पल चटवाता नजर आ रहा है। इतना ही नहीं दबंग लाइनमैन पीड़ित को कान पकड़ कर उठक बैठक भी करवाता नजर आ रहा है। हालांकि यह विडियो वायरल होने के तुरंत बाद हरकत में आई पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है और आगे की कार्रवाई में जुट गई है। याह वायरल वीडियो शाहगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत बालडीह गांव का बताया जा रहा है। इस वायरल वीडियो में साफ दिख रहा है कि संविदा लाइनमैन अपने चप्पल को एक दलित युवक से चटवा रहा है। बता दें कि इस वायरल वीडियो की पुलिस ने जांच की है, यह घटना 6 जुलाई की है। इस घटना पर सीओ घोरावल अमित कुमार ने बताया कि सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में शाहगंज सब स्टेशन पर तैनात संविदा लाइनमैन तेजबली सिंह है। वह शाहगंज थाना क्षेत्र के ओडहथा गांव का निवासी है। पीड़ित शाहगंज थाना क्षेत्र के बालडीह गांव में अपने मामा के घर आया हुआ था।

ममता सरकार ने जानबूझकर नहीं दी संवेदनशील बूथों की जानकारी

- हिंसा को लेकर बीएसएफ डीआईजी का खुलासा, राज्य चुनाव आयोग भी जिम्मेदार

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाला में चुनाव के दौरान हुई हिंसा के लिए ममता सरकार व चुनाव आयोग को जिम्मेदर ठहराया गया है। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के डीआईजी एसएस गुलेरिया ने रविवार को चुनावों के दौरान राज्य में हुई हिंसा पर खुलासा किया है। उन्होंने इसके लिए सीधे तौर पर ममता बनर्जी सरकार और राज्य चुनाव आयोग को जिम्मेदार ठहराया। जानकारी के मुताबिक, उन्होंने कहा कि हमने संवेदनशील मतदान केंद्रों की जानकारी के संबंध में पश्चिम बंगाल राज्य चुनाव आयोग को कई पत्र लिखे थे, लेकिन 7 जून को पश्चिम बंगाल सरकार ने केवल संवेदनशील मतदान केंद्रों की संख्या बताई और उसके स्थान या अन्य विवरण प्रदान नहीं किए। सीएपीएफ के 59,000 जवानों और 25 राज्यों के राज्य सशस्त्र पुलिस का सुरक्षा के लिए पर्याप्त इस्तेमाल नहीं किया गया।' डीआइजी गुलेरिया ने कहा कि राज्य ने केवल 4834 संवेदनशील बूथ घोषित किए हैं, जिन पर केवल सीएपीएफ तैनात हैं, लेकिन संवेदनशील मतदान केंद्रों की वास्तविक संख्या इससे कहीं अधिक थी। गौरतलब है ?कि पश्चिम बंगाल में पंचायत चुनाव के लिए मतदान के दौरान हुई हिंसा में करीब 13 लोगों की मौत हो गई। इसके अलावा मतपेटियों में तोड़फोड़ की गई और कई गांवों में प्रतिद्वंद्वी गुटों ने एक दूसरे पर बम फेंके।

पंचायत चुनाव के दौरान हुई हिंसा में मारे गए 12 लोगों में सत्तारूढ़ दल तृणमूल कांग्रेस के आठ सदस्य, भारतीय जनता पार्टी, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा), कांग्रेस और इंडियन सेक्युलर फ्रंट (आईएसएफ) के एक-एक कार्यकर्ता शामिल हैं। बीएसएफ मु?खिया ने बताया कि राज्य चुनाव आयोग ने शनिवार को पश्चिम बंगाल राज्य में 3317 ग्राम पंचायतों, 341 पंचायत समितियों और 20 जिला परिषदों के लिए चुनाव कराने के लिए कुल 61,636 मतदान केंद्र स्थापित किए थे। चुनावों के सुरक्षित संचालन के लिए, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) और अन्य राज्य पुलिस बलों के 59,000 कर्मियों को राज्य भर में मतदान केंद्रों की सुरक्षा की जिम्मेदारी दी गई थी, जिसमें 4834 संवेदनशील बूथ भी शामिल थे, जिन पर केवल सीएपीएफ तैनात थे। सभी मतपेटियों को राज्य भर के 339 स्ट्रांग रूम में सुरक्षित रखा गया और स्ट्रांग रूम की सुरक्षा की जिम्मेदारी केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) को दी गई है।

इधर चुनाव संबंधी मौतों के लिए राज्य निर्वाचन आयुक्त राजीव सिन्हा को दोषी ठहराते हुए भाजपा ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को एक पत्र लिखकर राज्य में लोकतंत्र बहाल करने में उनके 'हस्तक्षेप' की मांग की और आरोप लगाया कि राज्य में 'सत्तारूढ़ दल द्वारा लोकतंत्र की हत्या' कर दी गई, क्योंकि सुरक्षा बल मूकदर्शक बने रहे। चुनावी हिंसा में अपने आठ समर्थकों को खोने वाली सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने हिंसा के लिए विपक्षी दलों पर आरोप लगाया और मतदाताओं की रक्षा करने में विफलता के लिए केंद्रीय बलों की आलोचना की। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सुकांत मजूमदार द्वारा हस्ताक्षरित पत्र में सभी जिलों में बूथ पर कब्जा किए जाने, धांधली और फर्जी मतदान का जिक्र करते हुए दावा किया गया कि 'मतदान के दिन ही राजनीतिक हिंसा में 15 मौतें हुईं।' राज्य विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने मांग की कि राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाया जाए या अनुच्छेद 355 का इस्तेमाल किया जाए।

मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए सरकार ने फैंकी यूसीसी की गुगली : पायलट

नई दिल्ली । कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सचिन पायलट ने कहा है कि मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए सरकार ने यूसीसी की गुगली फेंकी है। उन्होंने कहा कि बिना किसी ठोस प्रस्ताव के इस पर बात करना 'हवा में तीर चलाने' जैसा है। सचिन पायलट ने मीडिया को दिए साक्षात्कार में यह आरोप भी लगाया कि सरकार यूसीसी को लेकर अब तक कोई प्रस्ताव या खाका लेकर सामने नहीं आई है, लेकिन वह इसका राजनीतिक टूल के रूप में इस्तेमाल कर रही है। उन्होंने कहा कि समान नागरिक संहिता क्या है, क्या कोई विधेयक आया है, क्या कोई प्रस्ताव आया है, क्या कोई खाका तैयार किया गया है, पता ही नहीं है। गौरतलब है कि इस समय देश में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को लेकर बहस छिड़ी हुई है। यूसीसी के नाम पर अलग-अलग लोग, अलग-अलग दल, अलग-अलग धर्मगुरु अपनी राय दे रहे हैं।

राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री ने सवाल किया, सरकार का प्रस्ताव क्या है, संसद की स्थाई समिति क्या बोल रही है, क्या संसद में कोई विधेयक आया है, यूसीसी की परिक्या है? सचिन पायलट ने कहा कि बिना किसी ठोस प्रस्ताव के यूसीसी पर बात करना 'हवा में तीर चलाने' जैसा है। सचिन पायलट ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार जानबूझकर ध्यान भटकाने का काम करती है, ताकि महंगाई और जनता से जुड़े अन्य मुद्दों पर चर्चा नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा, मैं समझता हूं कि अगर किसी वंचित, चाहे वह पुरुष हो या महिला, को अधिकार देना है या मान-सम्मान देना है, संपति का अधिकार देना है, सशक्त बनाना है, तो फिर किसे आपत्ति हो सकती है, लेकिन इसे लेकर कोई खाका ही नहीं है, सिर्फ राजनीतिक टूल का इस्तेमाल किया गया है।

नए रंग, रूप में पटरियों पर दौड़ेगी वंदे भारत ट्रेन, किए 10 बदलाव

-दिव्यांगों के लिए व्हील चेयर फिक्सिंग पाइंट, सीटों को बनाया और आरामदेह

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई वंदे भारत ट्रेन नए रंग रुप तथा बदलावों के साथ अगले साल से पटरियों पर दौड़ेगी। हालांकि इसके लिए अभी ट्रायल चल रहा है, यदि रेलवे ने अनुमति दे दी तो नई वंदे भारत नारंगी व स्लेटी रंग में दिखेगी। हालांकि केंद्रीय मंत्री अश्विणी वैष्णव ने शनिवार को नई वंदे भारत की तस्वीरें शेयर कीं। इसमें वंदे भारत का रंग बदला हुआ दिख रहा है। अभी तक वंदे भारत नीले और सफेद रंग के मिश्रण के साथ आती थी लेकिन अब नई वंदे भारत को नारंगी और स्लेटी (ग्रे) रंग में बनाया जा रहा है। इस वंदे भारत का निर्माण उसकी जन्मस्थली इंटीग्रल कोच फैक्ट्री (आईसीएफ) चेन्नई में ही हो रहा है। आईसीएफ के वरिष्ठ पीआरओ वेंकेटेश जीवी ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया है कि इस रंग को ट्रायल के तौर पर पेश किया गया है और एक रेल बोर्ड की अनुमति के बाद ही इसे फाइनल किया जाएगा। नई वंदे भारत अगले साल तक पटरियों पर आने की उम्मीद है। हालांकि, इसमें केवल रंग ही नहीं बदला जा रहा है। बल्कि नई वंदे भारत में कई बदलाव किये जा रहे हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, नई वंदे भारत में 10 बड़े बदलाव किये जा रहे हैं। इसमें बेहतर सीट से लेकर दिव्यांगों के लिए उन्नत सुविधाएं आदि शामिल हैं।

जरुरत के हिसाब से नई वंदे भारत में सीट का डिक्लाइनिंग एंगल बढ़ा दिया गया है। यानी इसे और पीछे की ओर झुकाया जा सकेगा जिससे कि लोगों को अगर नींद आए भी तो वे चेयरकार में भी आसानी से सो सकें। सीटों को और गद्देदार बनाया गया है, ताकि लंबे सफर में ज्यादा परेशानी न हो।

मोबाइल चार्जिंग पॉइंट तक पहुंच को और आसान कर दिया गया है। एग्जीक्यूटिव चेयरकार में फुट रेस्ट एरिया को और बढ़ा दिया गया है। साफ-सफाई को ध्यान में रखते हुए वॉश बेसिन की गहराई बढ़ा दी गई है ताकि पानी के छींटे बाहर न आएं। इसके अलावा टॉयलेट्स में रोशनी बढ़ाने के लिए और बेहतर लाइट्स लगा दी गई हैं।

इन सभी बदलाव के साथ ही नई वंदे भारत में एक नई सुविधा जोड़ी गई है। दिव्यांगों की व्हीलचेयर के लिए कोच के अंदर फिक्सिंग पॉइंट्स दिए जाएंगे। वहीं रीडिंग लैंप टच को को रेजिस्टिव टच से कैपिसिटिव टच में बदल दिया गया है। ताकि इस्तेमाल करना काफी आसान होगा। खिड़कियों के पर्दों को बेहतर कर दिया गया है। एंटी क्लाइम्बिंग डिवाइस भी लगाई गई है ताकि ट्रेन को अधिक सुरक्षित बनाया जा सके। इन सारे बदलावों के साथ नई वंदे भारत ट्रेन अगले साल तक बनकर आ जाएगी।

डिफेंस समेत कई मुद्दों पर चर्चा करने राजनाथ सिंह मलेशिया रवाना

नयी दिल्ली। (एजेंसी)। डिफेंस सहित अनेक मुद्दों पर चर्चा करने के लिए केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह मलेशिया की यात्रा पर रवाना हुए है। गौरतलब है कि यह यात्रा दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग को मजबूत बनाने के लिए की जा रही है। दो दिवसीय इस यात्रा से पहले रक्षा मंत्री ने ट्वीट कर इस संबंध मे जानकारी भी साझा की है। उन्होंने ट्वीट किया कि मैं आज नौ जुलाई को तीन दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर मलेशिया के कुआलालंपुर पहुंचूंगा। इस दौरे के दौरान राजनाथ सिंह अपने समकक्ष दातो सेरी मोहम्मद हसम के साथ मुलाका करेंगे। दोनों नेताओं के बीच द्विपक्षीय वार्ता होनी है। दोनों नेता देशों के बीच रक्षा सहयोग को बढ़ावा देने के मुद्दे पर अहम चर्चा करेंगे। राजनाथ सिंह और दातो सेरी मोहम्मद हसन साझा हित के लिए क्षेत्रीय और वैश्विक मामलों पर विस्तार से चर्चा करेंगे। इस यात्रा के संबंध में रक्षा मंत्रालय ने भी जानकारी दी है। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक इस यात्रा के दौरान राजनाथ सिंह अपने मलेशियाई समकक्ष दातो सेरी मोहम्मद हसन के साथ व्यापक बातचीत के अलावा प्रधानमंत्री वाईबी दातो सेरी अनवर बिन इब्राहिम से भी मुलाकात करेंगे।

यहां यह गौरतलब है कि मलेशिया उन देशों में से एक है, जो भारत के स्वदेशी तौर पर विकसित तेजस विमान को खरीदने में गहरी दिलचस्पी दिखा रहा है। स्वदेश निर्मित तेजस विमान सिंगल इंजन वाला बहुउद्देश्यीय लड़ाकू विमान है, जो उच्च खतरे वाले हवाई वातावरण में काम करने में सक्षम है। मंत्रालय ने कहा कि सिंह 10 और 11 जुलाई को मलेशिया की आधिकारिक यात्रा पर जाएंगे और उनका उद्देश्य द्विपक्षीय रक्षा सहयोग को मजबूत करने एवं रणनीतिक साझेदारी को बढ़ाने पर होगा। इसने एक बयान में कहा, रक्षा मंत्री मलेशिया के रक्षा मंत्री दातो सेरी मोहम्मद हसन के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। इस दौरान दोनों मंत्री दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग की समीक्षा करेंगे तथा संबंधों को और मजबूत करने के लिए नयी पहल की संभावना तलाशेंगे।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले के दायरे में ही याचिकाओं पर निर्णय होना चाहिए : उद्धव ठाकरे

-पूर्व सीएम ने शिंदे गुट पर साधा निशाना, भाजपा व अजित पवार को भी लिया घेरे में

यवतमाल (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने शिंदे गुट पर निशाना साधते हुए कहा है कि महाराष्ट्र में ऐसी राजनीति हो गई है कि अब पार्टी ही भाग रही है। जबकि पहले पार्टी बंटती थी, टूटती थी। उन्होंने रविवार को कहा कि विधानसभा अध्यक्ष को सुप्रीम कोर्ट के फैसले के दायरे में रहकर ही शिवसेना के दोनों गुटों के विधायकों के खिलाफ दायर याचिकाओं पर निर्णय लेना चाहिए। अगर ऐसा नहीं होता है, तो वे शीर्ष न्यायालय से न्याय की मांग करेंगे। ठाकरे ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने जो निर्देश दिए हैं, स्पीकर उसके खिलाफ जाकर कुछ करेंगे ऐसा लगता नहीं है। दरअसल, महाराष्ट्र विधानसभा के अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने 8 जुलाई को बताया कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के 40 विधायकों और उद्धव ठाकरे गुट के 14 विधायकों को नोटिस जारी कर उनके खिलाफ दायर अयोग्यता याचिकाओं पर उनसे जवाब मांगा गया है। ठाकरे इसी से जुड़े एक सवाल पर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे थे। उद्धव ठाकरे ने यवतमाल में एक कॉन्फ्रेंस के दौरान भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और अजित पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के साथ ही वरिष्ठ नेता छगन भुजबल पर भी हमला बोला। उन्होंने कहा कि एनसीपी बाजार को वैसे ही देखती है जैसी वह है। ठाकरे ने कहा कि पहले राजनीति में पार्टी बंटती थी, अब पार्टी भाग रही है। पार्टी भले ही भाग जाए, लेकिन लोगों में जोश है। आज मेरा स्वागत हुआ है। मातोश्री में अधिकारी रोज मुझसे मिलने आते हैं, लेकिन अब बारिश हो रही है तो मैंने सोचा कि बैठक करने की बजाय मुझे क्षेत्र में जाकर कार्यकर्ताओं से मिलना चाहिए।

यूसीसी को अंतिम रूप देने के लिए आम सहमति बनाने पर दिया जा रहा जोर

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में यूसीसी को लागू करने के लिए आम सहमति बनाने के प्रयास सरकार द्वारा किए जा रहे हैं। गौरतलब है कि जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 को हटाना, अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण और देश में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करना भाजपा का मुख्य एजेंडा रहा है, जिनमें से दो उसने पूरे कर लिया है जबकि यूसीसी मसौदे को अंतिम रूप देने के प्रयास जारी हैं। हालांकि सरकार और भाजपा यूसीसी मुद्दे पर जल्दबाजी नहीं कर रही है क्योंकि इसका असर मुसलमानों के साथ-साथ ईसाइयों और सिखों सहित अन्य समुदायों पर भी पड़ेगा। यहां तक कि हिन्दू भी इससे प्रभावित होंगे, विशेषकर अनुसूचित जनजातियों के साथ-साथ विभिन्न रीति-रिवाजों और परंपराओं को मानने वाले दलितों पर इसका व्यापक प्रभाव पड़ेगा। कई दशकों के लगातार प्रयासों के बाद अब भाजपा पूर्वोत्तर के कई राज्यों में सरकार चला रही है और अगर यूसीसी को पूरे देश में लागू किया जाता है तो निस्संदेह आदिवासी बहुल पूर्वोत्तर पर इसका बड़ा असर होगा। यही वजह है कि भाजपा इस मुद्दे पर ज्यादा से ज्यादा चर्चा को बढ़ावा दे रही है ताकि सभी वर्ग के लोगों की राय सामने आ सके।

गौरतलब है कि यूसीसी पर चल रहे विवाद के बीच यह भी स्पष्ट करने की कोशिश की जा रही है कि इसका मकसद सभी पर एक जैसा कानून या नियम थोपना नहीं है। दावा किया जा रहा है कि यूसीसी में सभी की आस्था का पूरा सम्मान किया जाएगा। हाल ही में भाजपा के राज्यसभा सांसद और यूसीसी मुद्दे पर संसदीय स्थायी समिति के अध्यक्ष सुशील मोदी ने भी प्रस्तावित यूसीसी से आदिवासियों और उत्तर-पूर्व को बाहर रखने की वकालत की थी। यह भी साफ दिख रहा है कि सरकार सभी पक्षों को ध्यान में रखकर ही यूसीसी पर आगे बढ़ना चाहती है। हाल ही में यूसीसी से संबंधित सभी महत्वपूर्ण पहलुओं पर चर्चा के लिए केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू की अध्यक्षता में अनौपचारिक रूप से गठित मंत्रियों के समूह को यूसीसी पर विभिन्न वर्गों के साथ परामर्श करने की जिम्मेदारी भी दी गई है। मंत्री समूह में रिजिजू आदिवासियों से संबंधित मुद्दों पर परामर्श करेंगे, जबकि केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी, जी. किशन रेड्डी और अर्जुन राम मेघवाल क्रमशः महिलाओं के अधिकारों, पूर्वोत्?तर और कानूनी पहलुओं से संबंधित मुद्दों पर गौर करेंगे।

साथ ही भाजपा यूसीसी के बारे में फैलाई जा रही गलतफहमियों को लेकर भी काफी सतर्क है। विधि आयोग द्वारा यूसीसी पर लोगों से सुझाव और राय मांगने के साथ ही देश भर में एक राष्ट्रीय बहस शुरू हो गई है। इधर भाजपा के अलावा आरएसएस से जुड़े मुस्लिम राष्ट्रीय मंच और विश्व हिंदू परिषद जैसे अन्य संगठन भी देश के विभिन्न हिस्सों में यूसीसी के बारे में लगातार चर्चा और संवाद कर रहे हैं ताकि मुसलमानों सहित समाज का हर वर्ग खुलकर अपने सुझाव और विचार सामने रख सके। जनता और उसके आधार पर सरकार अपनी आगे की रणनीति तय कर सकती है।

चाचा के स्टाइल में भतीजे अजित पवार ने किया शरद पवार का राजनीतिक एनकाउंटर

- शरद पवार ने 45 साल पहले वसंतदादा पाटिल की सरकार गिराई थी

- 1999 में सोनिया गांधी के विदेशी मूल के मुद्दे पर एनसीपी बनाई

मुंबई (एजेंसी)। जिस तरह कुर्सी के लिए एनसीपी के अजित पवार ने चाचा शरद पवार का साथ छोड़ा, वैसा ही शरद पवार ने 45 साल पहले वसंतदादा पाटिल के साथ किया था. शरद पवार ने 40 विधायकों के साथ मिलकर महाराष्ट्र में वसंतदादा पाटिल की सरकार गिरा दी थी. 1999 में शरद पवार ने सोनिया गांधी के विदेशी मूल के मुद्दे पर कांग्रेस से राहें जुदा कर एनसीपी बनाई. 25 बरस तक शरद पवार ने पार्टी को अपने खून पसीने से सींचा. एनसीपी की महाराष्ट्र में वो हस्ती बनाई कि उसके बगैर सरकार बनाना मुमकिन नहीं था, लेकिन वही शरद पवार 2 जुलाई को भतीजे की बगावत के बाद इतने मजबूर हो गए कि उन्हें हाथ उठाकर कहना पड़ा कि मैं ही एनसीपी हूं. भतीजे की बगावत के बाद आलम ये है कि राजनीति के चाणक्य कहलाने वाले शरद पवार दरबदर हैं. एनसीपी के 53 विधायकों में 30 से अधिक अजित पवार के साथ हैं और करीब 16 उनके. 6 दशकों से अधिक की राजनीतिक तपस्या के बाद महाराष्ट्र में साहेब कहलाने वाले शरद पवार ने जिस राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी को फर्श से अर्श तक पहुंचाया था वो अब उनकी है या नहीं- इसी पर सस्पेंस है. नियति का फेर और सियासत की कड़वी हकीकत देखिए कि जो मुंबई सीनियर पवार की राजनीति का सेंटर थी उसी मुंबई को छोड़कर उन्हें राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक के लिए दिल्ली कूच करना पड़ा. आज की तारीख में सच्चाई तो यही है कि न पार्टी का नाम उनके पास है और न निशान. अब सवाल है कि क्या भतीजे को मुख्यमंत्री बनना था, इसलिए एनसीपी में बगावत हुई, क्या भतीजे अजित पवार को एनसीपी की कमान चाहिए थी, इसलिए बगावत हुई? ये सवाल राजनीति के सिक्के का एक पहलू है. ऐसा नहीं है कि अजित पवार ने बागी तेवर एकदम से अख्तियार किए हों. दरअसल एनसीपी में उनके साथ पिछले 3-4 साल में जो कुछ हो रहा था उसे वो सीने में दबाए बैठे थे. याद कीजिए साल 2019. महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव नतीजों के बाद सरकार बनाने लायक आंकड़े किसी दल के पास नहीं थे. शिवसेना और बीजेपी के बीच मुख्यमंत्री की कुर्सी को लेकर खींचतान थी. ऐसे वक्त, जब सरकार पर सस्पेंस कायम था अचानक अजित पवार उपमुख्यमंत्री और देवेंद्र फडणवीस ने मुख्यमंत्री की शपथ ले ली. उस समय भी कहा गया कि भतीजे ने सीनियर पवार से बगावत कर बीजेपी से हाथ मिला लिया है, लेकिन तब शरद पवार बाजीगर थे. उन्होंने 80 घंटे के भीतर खेल बदल दिया. फडणवीस सरकार धड़ाम हो गई. महाराष्ट्र में महाविकास अघाड़ी अस्तित्व में आया. शिवसेना के उद्धव ठाकरे के नेतृत्व में अघाड़ी सरकार बनी. अजित पवार चौथी बार उप मुख्यमंत्री बने. पवार परिवार में सब सामान्य था, लेकिन जानकार कहते हैं कि तब भी अजित पवार के मन में मुख्यमंत्री न बन पाने की कसक थी. सूत्र कहते हैं कि 2019 में अजित पवार का बीजेपी के साथ सरकार बनाना शरद पवार की स्क्रिप्टेड कहानी थी. कयास तो ऐसे भी लगे कि इस दफा भी परदे के पीछे शरद पवार ही खेल कर रहे हैं. इसके लिए दलीलें भी दी गई हैं.

एंट ग्रुप पर चीनी सरकार की बड़ी कार्रवाई, एक अरब डॉलर का लगाया जुर्माना

बीजिंग । चीनी सरकार ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए फाइनेंसियल टेक्नोलॉजी कंपनी एंट ग्रुप पर 98.5 करोड़ डॉलर का जुर्माना लगा दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ये जुर्माना एंट और उसकी सब्सिडयरी कंपनियों पर लगाया गया है। साथ ही कंपनी को अपने क्राउडफंडिंग प्लेटफॉर्म झियांगुबाओ को बंद करने का आदेश भी दिया गया है। इस कार्रवाई के बाद एंट ग्रुप की ओर से कहा गया कि 2020 से वे लगातार अपने कारोबार में सुधार कर रहे हैं और पूरी गंभीरता और ईमानदारी के साथ सभी नियमों का पालन करेगा। चीनी अधिकारियों ने बताया कि अब वे टेक कंपनियों पर कंट्रोल में छूट देने की तैयारी कर रहे हैं। 2020 में चीन सरकार द्वारा एंट ग्रुप की कार्रवाई शुरू की गई थी, जिसमें इसकी सहयोगी कंपनी अलीबाबा पर 2.8 अरब डॉलर की एंटी ट्रस्ट पेनल्टी लगाई गई है। इसी तरह दीदी, जो कि एक राइड हैंडलिंग ऐप है। उस पर भी 1.2 अरब डॉलर का जुर्माना लग चुका है। गौरतलब है कि एंट दुनिया की सबसे बड़ी फाइनेंसियल टेक कंपनी है। इसकी स्थापना 2014 में हुई थी। चीनी रेगुलेटर की ओर से नवंबर 2020 में एंट के आईपीओ को रोक दिया गया था। यह दुनिया का सबसे बड़ा आईपीओ था, जो कि हांगकांग और शंघाई के बाजारों से करीब 34 अरब डॉलर निवेशकों से जुटाने वाला था। एंट ग्रुप के संस्थापक जैक मा ने 2020 में चीनी नियामकों की आलोचना की थी। इसके बाद से उनकी कंपनियों पर लगातार चीन सरकार की ओर से कार्रवाई की जा रही है।

श्रीलंका जलसीमा में प्रवेश कर मछली पकड़ने के आरोप में 15 भारतीय मछुआरे गिरफ्तार

श्रीलंका। श्रीलंका की जलसीमा में प्रवेश कर कथित रूप से मछली पकड़ने के आरोप में श्रीलंकाई नौसेना ने मछली पकड़ने वाले दो जहाजों पर सवार 15 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया है। एक आधिकारिक बयान में रविवार को इसकी जानकारी दी गई। श्रीलंका की नौसेना ने एक बयान में कहा, नौसेना और तट रक्षक बल ने आठ जुलाई की रात को श्रीलंका में अवैध रूप से मछली पकड़ने में लगे भारतीय जहाजों को खदेड़ने के लिए एक विशेष अभियान चलाया। बयान में कहा गया है कि जाफना में डेल्फ्ट द्वीप पर चलाए गए अभियान में 15 भारतीय नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है। इसमें कहा गया है कि मछुआरों को गिरफ्तार कर उनके पास से जब्त किए गए मछली पकड़ने वाले जहाजों को कांकेसंथुराई बंदरगाह लाया गया है और आगे की कानूनी कार्यवाही के लिए मैलाडी मत्स्य निरीक्षक को सौंप दिया गया। श्रीलंकाई नौसेना ने पिछले महीने अवैध रूप से मछली पकड़ने के आरोप में तमिलनाडु के 22 मछुआरों को गिरफ्तार किया था। बयान में कहा गया है कि 2023 में अब तक, श्रीलंकाई नौसेना ने मछली पकड़ने में इस्तेमाल किए जाने वाले 12 भारतीय जहाज जब्त किए हैं और इस साल वहां के जलसीमा से 74 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया। सभी मछुआरों को कानूनी कार्रवाई के लिए श्रीलंकाई अधिकारियों को सौंप दिया गया। भारत और श्रीलंका के बीच कई उच्च-स्तरीय वार्ताओं के बावजूद भारतीय मछुआरों द्वारा श्रीलंकाई जलक्षेत्र में अवैध रूप से मछली पकड़ने की समस्या लगातार रही है।

ब्राजील में एक जीर्ण-शीर्ण इमारत इमारत ढहने से 14 लोगों की मौत

पेरनामबुको। ब्राजील के पूर्वोत्तर राज्य पेरनामबुको में एक जीर्ण-शीर्ण इमारत के ढहने से छह बच्चों समेत 14 लोगों की मौत हो गई। इस इमारत में बेघर लोगों ने आश्रय लिया था और एक दशक से भी अधिक समय से वे उसमें रह रहे थे। दमकल कर्मियों ने यह जानकारी दी। रेसिफ के पॉलिस्ता उपनगर में जीर्ण-शीर्ण इमारत शुक्रवार तड़के ढह गई, जिसके बाद इसमें रह रहे लोगों की तलाश तेज कर दी गई।दमकल कर्मियों ने शनिवार को बताया कि बचावकर्ताओं ने खोजी कुत्तों की मदद से मलबे में तलाश की और 15 साल की दो लड़कियों तथा 65 साल की महिला को जीवित बाहर निकाला गया, साथ ही हादसे में घायल 18 वर्षीय युवक को भी निकाला गया, लेकिन बाद में उसने दम तोड़ दिया। दमकल विभाग ने कहा, ''खोज अभियान अब मवेशियों को हटाने पर केंद्रित है।'' एक बयान में कहा गया कि इमारत पर बेघर लोगों का कब्जा था, हालांकि 2010 से वहां रहना प्रतिबंधित था। समाचार पत्र 'फोल्हा डे साओ पाउलो' ने बताया कि शहर के अधिकारियों ने राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा की हालिया यात्रा के दौरान इस मुद्दे को उठाया था।

चीन में भारी बारिश के कारण बाढ़ और भूस्खलन, नौ लोग लापता

बीजिंग। मध्य चीन में भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन के बाद नौ लोग लापता हैं। भारी बारिश के कारण इलाके में बाढ़ भी आ गई है और देश के अधिकतर हिस्सों में तापमान बढ़ा है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। हुबेई प्रांत में एक राजमार्ग निर्माणस्थल पर मलबे के नीचे दबे पांच लोगों को बचाया गया, जहां रविवार को भूस्खलन की घटना हुई थी। बचावकर्मी अब भी मलबे में दबे लोगों की तलाश कर रहे हैं। चीन के उत्तरी, मध्य और दक्षिणपूर्व क्षेत्र में बाढ़ की वजह से हजारों लोगों ने आश्रय स्थलों में शरण ली है। चीन में बाढ़ की घटनाएं आम हैं लेकिन इस साल जलस्तर बढ़ने के साथ साथ तापमान भी बढ़ा है। चीन इस वर्ष गर्मी, लू, बाढ़ और सूखे की घटनाओं से प्रभावित रहा। इस सप्ताह से पहले बीजिंग में लगातार नौ दिन तापमान 35 डिग्री सेल्सियस से अधिक रहा, जो 1961 के बाद पहली बार देखा गया है। अधिकारियों ने राजधानी और अन्य जगहों पर स्वास्थ्य संबंधी चेतावनी जारी की हैं और आवश्यक कार्यों को छोड़कर घरों से बाहर निकलने पर रोक लगाई है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि बीजिंग में लू लगने से अब तक दो लोगों की मौत हुई है। पिछले महीने भी बीजिंग में एक महिला की लू लगने से मौत हो गई थी।

धरती पर पानी कैसे आया.....इसकी जानकारी में वैज्ञानिक एक कदम बढ़े

वाशिंगटन । वैज्ञानिकों के सामने हमारी पृथ्वी पर पानी की मौजूदगी का सवाल काफी लंबे समय से है। पृथ्वी की सतह पर 71 फीसदी हिस्सा पानी से ढका होने के बावजूद इसकी उत्पत्ति एक रहस्य का विषय है। पिछले कुछ वर्षों में वैज्ञानिक सिद्धांतों के मुताबिक पानी एस्टेरॉयड से आया है या फिर पृथ्वी ने अपना पानी खुद बनाया है। अब शोधकर्ताओं ने इस रहस्य के खुलासे में एक और कदम बढ़ाया है। वैज्ञानिकों के मुताबिक पृथ्वी का निर्माण शुरुआत में सूखी और चट्टानी सामग्रियों से हुआ था, जो दिखाता है कि ग्रह पर पानी बाद में आया होगा।

शोधकर्ताओं का प्रस्ताव है कि पृथ्वी के निर्माण के अंतिम 15 फीसदी के दौरान ही इसमें पर्याप्त मात्रा में पानी और जीवन के लिए आवश्यक पदार्थ शामिल हो गए थे। अनुमान के मुताबिक पृथ्वी 4.5 अरब वर्ष पुरानी है और वैज्ञानिक अभी भी यह जानने में लगे हैं कि आखिर इसका निर्माण कैसे हुआ। इस प्रक्रिया का अध्ययन का एक तरीका पृथ्वी के आंतरिक भाग में गर्म मैग्मा की जांच करना है। हालांकि हम सीधे तौर पर पृथ्वी की गहराई तक नहीं पहुंच सकते बल्कि मैग्मा लावा के रूप में सतह तक आता है।

शोधकर्ताओं ने बताया कि मैग्मा पृथ्वी की अलग-अलग गहराई में होते हैं। जैसे ऊपरी मेंटल 15 किमी गहराई से शुरू होता है और लगभग 680 किमी तक फैला होता है। निचला मेंटल 680 किमी से 2900 किमी कोर मेंटल की सीमा तक फैला होता है। विभिन्न गहराई से मैग्मा का अध्ययन करके वैज्ञानिक पृथ्वी की परतों और संरचना और हर परत में मौजूद रसायनों के बारे में जानकारी पा सकते हैं। पृथ्वी का निर्माण तुरंत नहीं हुआ बल्कि समय के साथ अलग-अलग सामग्रियों के आपस में मिलने से इसका विकास हुआ। इसका अर्थ है कि निचला मेंटल और ऊपरी मेंटल पृथ्वी के निर्माण से जुड़ी जानकारी दे सकते हैं।

सियोल में जापानी प्रधानमंत्री के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए लोग, ये लोग फुकूशिमा संयंत्र के पानी को समुद्र में बहाने का विरोध करते हुए।

अमेरिका प्रौद्योगिकी निर्यात पर सुरक्षा संबंधी पाबंदियों के बारे में चीन की शिकायतें सुनेगा -येलेन

बीजिंग। अमेरिका की वित्त मंत्री जेनेट येलेन ने संबंधों में तनाव खत्म करने के उद्देश्य से की चीन की यात्रा समाप्त करते हुए रविवार को कहा कि उनका देश अमेरिकी प्रौद्योगिकी निर्यात पर सुरक्षा संबंधी पाबंदियों के बारे में चीन की शिकायतों को सुनेगा। येलेन ने व्यापार पर ''लक्षित उपायों'' का बचाव किया। चीन की नेताओं की शिकायत है कि इन प्रतिबंधों का उद्देश्य नवोदित प्रौद्योगिकी उद्योगों को क्षति पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन का प्रशासन ''अनावश्यक दुष्परिणामों से बचना'' चाहता है लेकिन उन्होंने संभावित बदलावों का कोई संकेत नहीं दिया। प्रौद्योगिकी, सुरक्षा एवं ताइवान और अन्य मुद्दों पर विवाद के कारण अमेरिका और चीन के संबंध दशकों बाद अपने सबसे निचले स्तर पर है। चीन की एक बड़ी शिकायत सुरक्षा आधार पर प्रोसेसर चिप और अन्य अमेरिकी प्रौद्योगिकी तक पहुंच से जुड़ी है जिससे सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी के स्मार्टफोन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और अन्य उद्योगों के विकास को नुकसान पहुंचने का खतरा है। येलेन ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''हम संवाद के माध्यम शुरू करेंगे ताकि वे हमारे कदमों को लेकर चिंताओं को व्यक्त कर सकें और हम अपने कदमों के अनापेक्षित परिणामों पर प्रतिक्रिया दे सकें।'' उन्होंने 10 घंटे चली बैठकों में चीन की सत्तारूढ़ पार्टी में दूसरे शीर्ष नेता प्रधानमंत्री ली क्विंग तथा अन्य अधिकारियों से बातचीत की। उन्होंने शनिवार को चीन के अपने समकक्ष एवं उप प्रधानमंत्री ली लिफेंग से बातचीत की।

दशकों में पहली बार बढ़े तपेदिक के मामले, कोविड-19 महामारी के कारण स्वास्थ्य पहल प्रभावित हुईं

वॉशिंगटन (एजेंसी)। कोविड-19 वैश्विक महामारी का कारण बने सार्स-कोव-2 वायरस के 2020 में फैलने से पहले दुनियाभर में किसी भी अन्य संक्रामक बीमारी की तुलना में तपेदिक (टीबी) से सबसे अधिक लोगों की मौत होती थी, लेकिन अमेरिका और विश्व स्तर पर जन स्वास्थ्य की बेहतरी के लिए उठाए गए कदमों के कारण, दशकों से तपेदिक के मामलों में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही थी। मैं एक संक्रामक रोग चिकित्सक हूं और दो दशक से अधिक समय से अमेरिका में वंचित समुदायों की देखभाल कर रहा हूं। वैश्विक महामारी के दौरान पहली बार ऐसा लगा कि 'फ्लू' जैसी कई अन्य सामान्य बीमारियों की तरह ही कोविड-19 की रोकथाम से जुड़े प्रयासों के जरिये तपेदिक के मामलों में भी कमी आई है। लेकिन तपेदिक के मामले फिर से वैश्विक महामारी से पहले के समान हो गए हैं।

पिछले कई दशकों में पहली बार वैश्विक स्तर पर इसके मामलों और इससे होने वाली मौत के आंकड़ों में वृद्धि देखी गई है। वैश्विक महामारी ने न केवल तपेदिक के लिए महत्वपूर्ण स्वास्थ्य पहल को बाधित किया, बल्कि इसने दुनियाभर में हाशिये पर रहने वाले लोगों के लिए सामाजिक व आर्थिक अवसरों में भी कमी लाई। ऐसा प्रतीत होता है कि इन कारणों से तपेदिक से निपटने में गंभीर बाधा उत्पन्न हुई है। कोविड-19 वैश्विक महामारी से पहले और उसके दौरान क्षय रोग -क्षय रोग या तपेदिक फेफड़ों का एक संक्रामक जीवाणु संक्रमण है, जो आमतौर पर हवा के जरिये फैलता है। तपेदिक के अधिकतर मामलों में कोई लक्षण नजर नहीं आते और यह संक्रामक भी नहीं होते। इससे संक्रमित करीब पांच से 10 प्रतिशत लोगों में ही तपेदिक के लक्षण दिखते हैं, जिनमें खांसी, बुखार, भूख में कमी और वजन कम होना शामिल है।

तपेदिक का इलाज न किया जाए, तो यह एक बेहद संक्रामक व खतरनाक बीमारी का रूप ले सकता है, जिससे मौत भी हो सकती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, दुनिया में तपेदिक से संक्रमित मरीजों की कुल अनुमानित संख्या में वर्षों से गिरावट दर्ज की जा रही थी। सबसे कम एक करोड़ एक लाख मामले वर्ष 2020 में सामने आए थे। 2021 में इसके मामलों में मामूली बढ़ोतरी देखी गई, जब एक करोड़ पांच लाख मामले सामने आए। एक दशक से अधिक समय बाद पहली बार इसके मामलों में बढ़ोतरी दर्ज की गई थी। दुनियाभर में तपेदिक से होने वाली मौत के आंकड़ों में भी ऐसा ही बदलाव देखा गया। 2019 में सबसे कम अनुमानित 14 लाख लोगों ने तपेदिक के कारण दम तोड़ा। फिर 2020 में मौत का आंकड़ा बढ़कर 15 लाख और 2021 में 16 लाख हो गया।

तपेदिक की जांच बढ़ना भी 2019 के बाद से मामले बढ़ने का एक अहम कारण है। क्षय रोग एक सामाजिक बीमारी है -प्रभावी टीकों, जांच और उपचार की बदौलत तपेदिक अब एक ऐसी बीमारी है, जिस पर काबू पाया जा सकता है। दुनियाभर में लाखों लोग अब भी इस बीमारी से पीड़ित हैं। इसकी वजह चिकित्सकीय समझ की कमी और सामाजिक असमानता है। आर्थिक अवसरों तक असमान पहुंच, सीमित स्वास्थ्य देखभाल, खराब स्वच्छता, रहन-सहन की खराब स्थिति, कुपोषण तथा मधुमेह या एचआईवी जैसी बीमारियां सभी तपेदिक के बढ़ते जोखिम से जुड़ी हैं। अमेरिका में 2021 में तपेदिक के 85 प्रतिशत से अधिक मामले नस्ली व जातीय अल्पसंख्यक समूहों में सामने आए। इनमें से 71 प्रतिशत लोग वे थे, जिनका जन्म अमेरिका के बाहर हुआ था। बढ़ती असमानता के कारण मामलों में वृद्धि -भले ही दुनिया में 2020 में पुष्ट मामलों में तेजी से गिरावट देखी गई, लेकिन विशेषज्ञ चिंतित थे कि रोकथाम व उपचार के प्रयासों के प्रभावित होने से तपेदिक से संक्रमित मरीजों की संख्या में वृद्धि हो सकती है। ये आशंकाएं सही साबित हुईं। अमेरिकी रोग नियंत्रण एंव रोकथाम केंद्र के साथ-साथ कई स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने पुष्टि की कि वैश्विक महामारी ने तपेदिक जांच व निदान तक पहुंच को प्रभावित किया है। तपेदिक नियंत्रण गतिविधियों में रुकावट के कारण कई मामलों का पता नहीं चल पाया, क्योंकि सभी कर्मचारी, कोष, संसाधन कोविड-19 के प्रसार पर लगाम लगाने के प्रयासों में जुटे हुए थे। इसके अलावा, कोरोना वायरस संक्रमण और तपेदिक के लक्षणों के बीच समानता भी निदान में चूक का कारण बनी।

चीन के इशारे पर फ्रांस ने दिया जापान को झटका

-नोटों की एशिया में पहली चौकी बनने से रोका

पेरिस (एजेंसी)। चीनी खतरे का सामना कर रहे जापान को मित्र फ्रांस से बड़ा झटका लगा है। दरअसल, जापान ने चीन से निपटने के लिए अमेरिकी नेतृत्व वाले सैन्य संगठन नाटो के साथ अपने रिश्ते मजबूत करना शुरू किया है। वहीं नाटो ने भी चीन को संतुलित करने के लिए जापान में अपने कार्यालय को खोलने पर सहमति जाहिर की थी। यह एशिया में नाटो की पहली चौकी होती। इस बीच अब इस योजना में नाटो के अहम सदस्य देश फ्रांस ने रोड़ा अटका दिया है। चीनी शिकायत के बाद फ्रांस ने जापान में नाटो के लाइजन ऑफिस को खोलने की योजना पर रोक लगा दी है।

फ्रांस ने यह कदम उस समय उठाया है, जब नाटो देशों की अगले सप्ताह बेहद अहम बैठक होने वाली है। पिछले कई महीने से नाटो के अधिकारी जापान में एक लाइजन ऑफिस खोलने के बारे में योजनाओं पर चर्चा कर रहे हैं। यह हिंद प्रशांत क्षेत्र में नाटो गठबंधन की पहली चौकी के रूप में काम करता। वह भी तब जब चीन ताइवान से लेकर जापान तक को डरा रहा है। पीएलए के जंगी जहाज और फाइटर जेट लगातार जापान और ताइवान के आसपास अभ्यास कर रहे हैं।

खबरों के मुताबिक अगले सप्ताह नाटो देशों की लिथुआनिया में वार्षिक शिखर बैठक होने जा रही है। यह सम्मेलन उस समय पर हो रहा है जब यूक्रेन और रूस में भीषण युद्ध चल रहा है। नाटो देश जहां खुलकर यूक्रेन की मदद कर रहे हैं, वहीं रूस को चीन से परोक्ष मदद मिल रही है। नाटो की इस बैठक में जापान में लाइजन ऑफिस खोलने पर फैसला हो सकता है। इस बीच नाटो के इस प्लान में फ्रांसीसी राष्ट्रपति ने अड़ंगा डाल दिया है जो पिछले दिनों बीजिंग की यात्रा पर गए थे और अब ड्रैगन के साथ रिश्ते मजबूत कर रहे हैं। राष्ट्रपति मैक्रों ने कहा कि नाटो को मूल रूप से उत्तर अटलांटिक इलाके पर फोकस करने के लिए बनाया गया था और अगर इसका भौगोलिक विस्तार होता हैं, तब इससे गठबंधन के प्रभाव क्षेत्र के कम होने का खतरा पैदा हो जाएगा।

फुकुशिमा संयंत्र का शोधित जल समुद्र में छोड़ने की योजना को लेकर आईएईए प्रमुख की आलोचना की गई

(एजेंसी)। दक्षिण कोरिया के विपक्षी सांसदों ने क्षतिग्रस्त फुकुशिमा परमाणु ऊर्जा संयंत्र से शोधित अपशिष्ट जल समुद्र में छोड़ने की जापान की योजना को मंजूरी देने को लेकर संयुक्त राष्ट्र की परमाणु निगरानी एजेंसी के प्रमुख राफेल ग्रॉसी की कड़ी निंदा की है। विपक्षी सांसदों ने ग्रॉसी से सियोल में मुलाकात की, जिस दौरान प्रदर्शनकारी बैठक स्थल के बाहर नारेबाजी कर रहे थे। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के महानिदेशक ग्रॉसी सरकारी अधिकारियों और आलोचकों के साथ बातचीत करने तथा खाद्य सुरक्षा के बारे में लोगों की चिंताओं को दूर करने के लिए सप्ताहांत में दक्षिण कोरिया पहुंचे। आईएईए ने अपशिष्ट जल समुद्र में छोड़ने की योजना पर पिछले सप्ताह अंतिम रिपोर्ट में अपना निष्कर्ष दिया था। इसमें कहा गया है कि जल को काफी हद तक शोधित करने की कोशिश की गई, लेकिन इसमें अब भी कुछ रेडियोधर्मिता है। जलअंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप है और इसका पर्यावरण तथा स्वास्थ्य पर प्रभाव नगण्य होगा। डेमोक्रेटिक पार्टी के सदस्यों के साथ अपनी बैठक में ग्रॉसी ने कहा कि जापान की योजनाओं पर आईएईए की समीक्षा ''पारदर्शी'' और ''वैज्ञानिक'' शोध पर आधारित थी। उन्होंने जापान की योजनाएं वास्तविकता में कैसे काम करेंगी इस बात को लेकर उत्पन्न चिंताओं को स्वीकार किया और कहा कि आईएईए फुकुशिमा में एक स्थायी कार्यालय स्थापित करेगा, ताकि अगले तीन दशकों तक वह अपशिष्ट जल छोड़े जाने की योजना पर करीबी नजर रख पाए। सांसदों ने आईएईए की समीक्षा की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि इसमें अपशिष्ट जल छोड़े जाने के दीर्घकालिक पर्यावरणीय व स्वास्थ्य प्रभावों की उपेक्षा की गई है। उन्होंने आगाह किया कि यह अन्य देशों को समुद्र में परमाणु अपशिष्ट का निपटारा करने के लिए प्रोत्साहित करने की एक खराब उदाहरण स्थापित कर सकता है। पार्टी ने जापान के साथ संबंध सुधारने की कोशिश में लोगों के स्वास्थ्य को खतरे में डालने के लिए दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यूं सुक येओल की सरकार की भी आलोचना की। आईएईए अधिकारियों ने 2022 की शुरुआत से जापान की कई यात्राएं की हैं, उन्होंने लगातार यह स्पष्ट किया है कि अपशिष्ट जल समुद्र में छोड़ने के बारे में कोई फैसला जापान सरकार ही लेगी।

टोरंटो में खालिस्तानी व भारतीय आमने-सामने, दूतावास पर प्रदर्शन जारी

ओटावा (एजेंसी)। कनाडा के टोरंटो में खालिस्तानी और भारतीय आमने-सामने आ गए हैं। यहां भारतीय वाणिज्यिक दूतावास के बाहर खालिस्तान समर्थक और भारतीय लोग प्रदर्शन कर रहे हैं। खालिस्तान समर्थकों ने अपने हाथ में पीला झंडा ले रखा था। वहीं भारतीय तिरंगा लहरा रहे थे। यह प्रदर्शन तब हो रहा है जब खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की कनाडा में गोली मार कर हत्या कर दी गई थी। निज्जर की हत्या का अभी तक खुलासा नहीं हो सका है। टोरंटो में भारतीय राजनयिकों को निशाना बनाने वाले धमकी भरे पोस्टर देखने को मिले हैं। एक और जानकारी यह भी है कि ब्रैंपटन में भारत माता मंदिर के बाहर युद्ध क्षेत्र शीर्षक वाला पोस्टर शुक्रवार को लगाया गया था। शनिवार को प्रदर्शन आतंकी निज्जर के नाम पर किया गया था, जो एक फ्लॉप शो रहा क्योंकि इसमें बेहद कम लोग शामिल हुए। गौरतलब है कि 18 जून को ब्रिटिश कोलंबिया के सरे में एक पार्किंग में निज्जर की हत्या कर दी गई थी। इस प्रदर्शन के पीछे प्रतिबंधित संगठन सिख फॉर जस्टिस है। एसएफजे आतंकी निज्जर की हत्या के लिए भारतीय एजेंसी को जिम्मेदार ठहरा रहा है।

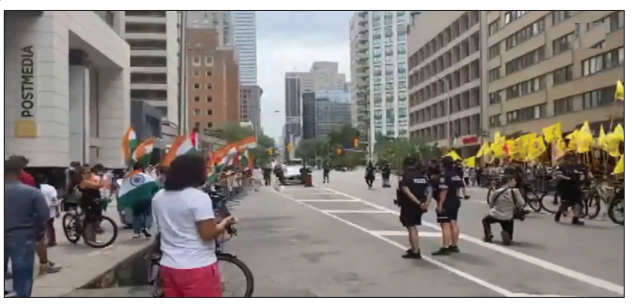

वहीं लंदन में भी भारतीय उच्चायोग के बाहर शनिवार को खालिस्तान समर्थकों के विरोध प्रदर्शन हुआ जिसमें बहुत कम लोग शामिल हुए। रैली में भारतीय उच्चायुक्त विक्रम दुरईस्वामी और बर्मिंघम में भारत के महावाणिज्य दूत डॉ. शशांक विक्रम की तस्वीरों के साथ हिंसा के लिए उकसाने वाले विवादास्पद पोस्टरों का इस्तेमाल किया गया। विरोध प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी मौजूद थे,प्रदर्शन काफी जल्द खत्म हो गया। मेट्रोपॉलिटन पुलिस के प्रवक्ता ने प्रदर्शन से पहले कहा था कि उचित पुलिस व्यवस्था की जाएगी।

ब्रिटेन यात्रा के दौरान यूक्रेन और पर्यावरण जैसे मुद्दों पर चर्चा करेंगे बाइडन

लंदन (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन अपनी आगामी ब्रिटेन यात्रा के दौरान महाराजा चार्ल्स तृतीय के साथ पर्यावरण के मुद्दे पर जबकि प्रधानमंत्री ऋषि सुनक के साथ प्रमुख रूप से यूक्रेन में जारी युद्ध को लेकर चर्चा करेंगे। बाइडन लिथुआनिया में उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए रविवार को रवाना होंगे। इससे पहले वह लंदन जाएंगे। बाइडन सोमवार को 10 डाउनिंग स्ट्रीट में सुनक के साथ विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करेंगे, इसके बाद वह विंडसर कैसल में पहली बार महाराजा चार्ल्स से मुलाकात करेंगे। पिछले साल सितंबर में महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के अंतिम संस्कार के बाद बाइडन और चार्ल्स तृतीय के बीच यह पहली मुलाकात होगी। बाइडन का ब्रिटेन का यह राजकीय दौरा नहीं है। लिथुआनिया के विलनियस में नाटो के शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने से पहले बाइडन और सुनक यूक्रेन को लेकर महत्वपूर्ण चर्चा करेंगे।

विमान में आग लगने से छह यात्रियों की मौत, खेत में गिरा मलबा

मुरिएटा (एजेंसी)। दक्षिण कैलिफोर्निया में एक विमान में आग लगने से उसमें सवार सभी छह लोगों की मौत हो गई है। जानकारी के अनुसार दुर्घटना लॉस एंजिलिस और सैन डिएगो के बीच कैलिफोर्निया के मुरिएटा शहर में हवाई अड्डे के निकट हुई। मीडिया में आई खबर के अनुसार विमान लास वेगास में हैरी रीड अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से रवाना हुआ था। संघीय उड्डयन प्रशासन के अनुसार यह सेसना सी550 वाणिज्यिक विमान था। रिवरसाइड काउंटी अग्निशमन विभाग के अनुसार, अधिकारियों को तड़के सवा 4 बजे के बाद जलता हुआ विमान मिला, जिसके तुरंत बाद विमान में सवार छह लोगों को घटनास्थल पर ही मृत घोषित कर दिया गया। हालांकि दुर्घटना में मारे गए लोगों की पहचान सार्वजनिक नहीं की गई है। दुर्घटना को लेकर राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड के एविएशन इन्वेस्टिगेटर इलियट सिम्पसन ने कहा कि निजी विमान छोटे हवाई अड्डे पर रनवे से 300 फीट की दूरी पर उस वक्त दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जब क्षेत्र में समुद्री मौसम की घटना के कारण लैंडिंग की कोशिश कर रहा था।

हवाईअड्डे पर लैंडिंग के लिए स्थितियाँ न्यूनतम मानकों के अनुरूप थीं। सिम्पसन ने कहा कि विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद उसके पिछले हिस्से को छोड़कर बाकी सभी जगह आग लग गई। स्थानीय मीडिया के वीडियो में हवाई क्षेत्र से सड़क के पार एक मैदान के काले हिस्से में एक छोटे विमान के आकार में जला हुआ मलबा दिखाया गया है। फ्लाइट ट्रैकिंग वेबसाइट फ्लाइटअवेयर के रडार डेटा से पता चलता है कि उस समय केवल एक बिजनेस जेट लॉस वेगास से फ्रेंच वैली के लिए यात्रा कर रहा था। उतरने से पहले उस विमान ने मैदान के पास एक बार चक्कर लगाया। दुर्घटना के बाद अधिकारियों ने एक खेत में एक विमान को पूरी तरह से आग की लपटों में घिरा हुआ पाया और उसमें सवार छह लोगों को घटनास्थल पर ही मृत घोषित कर दिया गया। अब राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड विमान दुर्घटना की जांच जारी रखेगा और कारणों का पता लगाएगा।

संपादकीय

दो उवाच

एक राहगीर आगे अपनी मंजिल की तरफ जा रहा था । अचानक से जोरदार बारिश आयी । उसने महल के छज्जों के नीचे आसरा चाहातो उसे संतरी ने भगा दिया । बारिश में वह आगे बढ़ा उसने भव्य अट्टालिका के पार्किंग प्लाट में शरण मांगी तो वंहा भी उसे डंडा दिखादिया गया । पुन: वह आगे बढ़ा तो छोटी सी कुटिया आई जो बैठे हुए पारिवारिक जनों से खचा खच भरी थी । उसने झाँका खिड़की सेतो देख वह आगे सरकने लगा । इतने में अन्दर से एक मनुहार भरी आत्मीयता भरी मधुर आवाज आई कि भाई !कहाँ जा रहे हो इतनीबरसात में ? आओ दो पल ठहरो अभी बरसात रुक जायेगी फिर आगे चले जाना । यह होती है इन्सान कि इंसानियत । किसी ने कहा हैकि झूठी शान के परिंदे ही ज्यादा फडफडाते हैं7 बाज की उडान में कभी भी आवाज नहीं आती है । कैसे नादान हैं हम दुख आता है तोअटक जाते हैं और सुख आता है भटक जाते हैं। कहीं रूढ़ियों पर प्रहार तो कहीं मानवता का श्रृंगार जीवन के विविध रंगों से रंगा सात्विकउपहार । सामाजिक,पारिवारिक,आध्यात्मिक आदि अनुभवों से सजा बेशकीमती हमारे जीवन का चिंतन दरबार शब्द -शब्द,वाक्य-वाक्य कह रहा हमें मनुष्य है तू मनुष्यता को जीवन में उतार। अपने अहं की अकड़ में यदि किसी को रुला दिया तो जीवन जीनेका क्या फायदा। इसके विपरीत रोज किसी एक भी आदमी को हमने हँसा दिया तो समझो हमने सफल जीवन का सोपान पा लिया हैं ।

प्रदीप छाजेड़
(बोरावड़)

आज का राशीफल

मेष संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। व्यावसायिक समस्याएं रहेंगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। जीविका की दिशा में प्रगति होगी। रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी।

वृषभ पारिवारिक जनों के साथ सुखद समाचार मिलेगा। जारी प्रयास सफल होंगे। खानपान में संयम रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

मिथुन व्यावसायिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कर्क बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। पराक्रम में वृद्धि होगी।

सिंह पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। आर्थिक दिशा में प्रगति होगी। वाणी की सौम्यता प्रतिष्ठा में वृद्धि करायेगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। धन लाभ के योग हैं।

कन्या जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। अनावश्यक तनाव का सामना करना पड़ सकता है। राजनैतिक दिशा में चल रहा प्रयास सफल होगा।

तुला पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। वाणी की सौम्यता व्यर्थ के विवादों से आपको बचा सकती है। स्वास्थ्य शिथिल रहने की संभावना है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे।

वृश्चिक दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। आर्थिक प्रयास फलीभूत होंगे। व्यावसायिक क्षेत्र में सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें।

धनु व्यावसायिक योजना सफल होगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

मकर बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कुम्भ पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मीन जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। वाणी की सौम्यता आपको सम्मान दिलायेगी।

मानव संचार के संदर्भ में भाषा के बाद लिपि की भूमिका सर्वोत्तम है

(लेखक - विजय गर्ग)

भारतीय संविधान की आठवीं सूची में पंजाबी भाषा को उन 22 भाषाओं में शामिल किया गया है जिन्हें भारतीय संविधान द्वारा मान्यता दी गई है, जबकि संविधान (अनुच्छेद 343) के अनुसार देश की कोई राष्ट्रीय भाषा नहीं है। कहा यह तो सभी जानते हैं कि बच्चा जो भाषा अपनी मां से सीखता है वही उसकी मातृभाषा होती है, लेकिन आजकल मां का सारा जोर अपने बच्चे को जल्द से जल्द अंग्रेजी सिखाने पर रहता है। आज मां और स्कूल के अंग्रेजी भाषा के दबाव में बच्चा न तो पूरी तरह से अंग्रेजी सीख पाता है और न ही पंजाबी। अंग्रेजी भाषा पंजाबी भाषा पर दो तरह से प्रभाव डाल रही है।

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। अस्तित्व के लिए संचार आवश्यक है। मानवता के विकास में संचार का सर्वाधिक योगदान है। संचार तो समस्त नश्वर संसार में विद्यमान है, परंतु मनुष्य की संचार क्षमता सबसे उत्कृष्ट एवं व्यापक है। मानव संचार के संदर्भ में भाषा के बाद लिपि की भूमिका सर्वोपरि है। भाषा मनुष्य का सबसे बड़ा आविष्कार है। भाषा और विचार मनुष्य को जानवरों से अलग करते हैं। भाषा के बाद लेखन मनुष्य की दूसरी महान उपलब्धि है। प्रिंटिंग प्रेस के आविष्कार के साथ संचार का दायरा और भी बढ़ गया. इसने संचार की गति में एक बड़ी क्रांति ला दी है। भाषा मानव संचार का माध्यम है। भाषा की रचना अन्य सभी मानवीय रचनाओं से श्रेष्ठ है। अन्य सभी जीवित प्राणियों की तुलना में, मानव जीभ की संरचना इस तरह से की गई है कि वह विभिन्न ध्वनियों का उच्चारण कर सकता है। इसीलिए पूरे विश्व में हजारों भाषाएँ और बोलियाँ हैं। शब्दों का आदान-प्रदान संख्या के आधार पर पंजाबी दुनिया में दसवीं सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा है। इसे 10 करोड़ से ज्यादा लोग बोलने वाले हैं. इस समय यह संशय हैऐसी आशंका जताई जा रही है कि पंजाबी भाषा लुप्त होने वाली है या अगले कुछ वर्षों में लुप्त हो जाएगी। अंग्रेजी भाषा के बढ़ते प्रयोग और पंजाबी भाषा के ह्रास से आज हर कोई चिंतित है। पहली बात तो यह कि पंजाबी भाषा के माध्यम से शब्दों को ले जाने की बात नई नहीं है बल्कि इससे पहले भी अरबी फ़ारसी जैसी भाषाओं के शब्द पंजाबी भाषा में आ चुके हैं। पंजाबी भाषा का नाम भी फ़ारसी के दो शब्दों पंज और आब से मिलकर बना है। इसका मतलब यह है कि हमारी भाषा का नाम भी अन्य भाषाओं से मिलकर बना है। इस के साथ जिस भाषा से शब्द लिये जा रहे हैं, उनका विस्तार और जिस भाषा में शब्दों का समावेश किया जा रहा है। समय-समय पर पंजाबी भाषा ने अलग-अलग भाषाओं से समान और अलग-अलग तरीकों से शब्द उधार लिए और खुद को समृद्ध किया, जबकि आज पंजाबी भाषा को अंग्रेजी और हिंदी जैसी भाषाओं से खतरा हो रहा है और पंजाबी भाषा विलुप्त होने की कगार पर है। संदेह जताया जा रहा है जबकि कोई भी भाषा पूरी तरह से लुप्त नहीं होती लेकिन जब दूसरी भाषा के शब्द हावी हो जाते हैं तो उस भाषा की शब्दावली खत्म हो जाती है। अन्य भाषाओं का प्रभाव इतिहास गवाह हैविभिन्न आक्रमणकारी पंजाब की भूमि पर आते रहे और अपने साथ अपनी संस्कृति और भाषा लेकर आये। जब मुसलमान आये तो हमने उनकी संस्कृति के साथ-साथ उनकी भाषा के शब्दों को भी अपनाया। उस समय का पंजाबी लेखन अरबी और फ़ारसी से काफी प्रभावित है क्योंकि उस समय राज्य की भाषा भी फ़ारसी थी। सिख शासन काल में भी पंजाबी राज्य की भाषा नहीं बनी, बल्कि उस समय की आधिकारिक भाषा फारसी थी। उन्होंने ईसाई मिशनरियों को अंग्रेजी साहित्य और अंग्रेजी भाषा को बढ़ावा देने की जिम्मेदारी सौंपी। वे अंग्रेजी भाषा का प्रयोग करते थे भाषा इसलिए बनाई क्योंकि उन्हें अपनी नौकरी के लिए सस्ते क्लर्क चाहिए थे। उस समय लोग अंग्रेजों के करीब रहने और काम पाने के प्रलोभन में अंग्रेजी सीखने लगे। अंग्रेजों के भारत छोड़ने के इतने समय बाद भी अंग्रेजी भाषा का बोलबाला है। इसके पीछे राजनीतिक कारण भी काम कर रहे हैं. जाते समय अंग्रेज शासन की बागडोर अपने शुभचिंतकों को सौंप गए, जिन्होंने आगे चलकर अंग्रेजी को एक परंपरा के रूप में कायम रखा। 1950 में जब भारतीय संविधान लागू हुआ तो अंग्रेजी को केवल 15 वर्षों के लिए सहायक राज्य भाषा के रूप में स्थान दिया गया।. समय के साथ अंग्रेजी भाषा का दायरा बढ़ता गया। 1997 में एक कानून के जरिये यह प्रावधान किया गया कि न्यायपालिका का सारा काम अंग्रेजी भाषा में होगा. यदि सभी राज्यों की विधान सभाओं के दो-तिहाई सदस्य यह प्रस्ताव संसद में रखते तो यह कानून ख़त्म हो सकता था, लेकिन आज तक ऐसा नहीं हो सका। भारतीय संविधान की आठवीं सूची में पंजाबी भाषा को उन 22 भाषाओं में शामिल किया गया है जिन्हें भारतीय संविधान द्वारा मान्यता दी गई है, जबकि संविधान (अनुच्छेद 343) के अनुसार देश की कोई राष्ट्रीय भाषा नहीं है। कहा यह तो सभी जानते हैं कि बच्चा जो भाषा अपनी मां से सीखता है वही उसकी मातृभाषा होती है, लेकिन आजकल मां का सारा जोर अपने बच्चे को जल्द से जल्द अंग्रेजी सिखाने पर रहता है। आज मां और स्कूल के अंग्रेजी भाषा के दबाव में बच्चा न तो पूरी तरह से अंग्रेजी सीख पाता है और न ही पंजाबी। अंग्रेजी भाषा पंजाबी भाषा पर दो तरह से प्रभाव डाल रही है। सबसे पहले, हमें उन शब्दों का उपयोग करने के लिए मजबूर किया जाता है जिनका पंजाबी में हमारे पास कोई अनुवाद नहीं है जैसे स्कूटर, मोबाइल, माइक्रोवेव, ओवन। वगैरह। क्योंकि ये हमारी संस्कृति से पैदा हुए उत्पाद नहीं हैं, बल्कि अन्य संस्कृतियों से लिए गए उत्पाद हैं। पंजाबी में हमारे पास उनका कोई संदर्भ नहीं है। दूसरा तरीका यह है कि आपकी भाषा को प्रभावी बनाने या अपना ज्ञान दिखाने के लिए शब्दावली का उपयोग किया जाता है। पंजाबी में हमारे अपने शब्द भी हैं लेकिन फिर भी हम अन्य भाषाओं के शब्दों का उपयोग करना पसंद करते हैं जैसे क्यों नहीं, क्षमा करें कृपया आदि। जैसे-जैसे संस्कृति बदलती है, वैसे-वैसे हमारी शब्दावली भी बदलती है। रसोई (झालानी) के लिए रसोई शब्द का प्रयोग कर दिया है आजकल पंजाबियों के घरों के आगे भी अंग्रेजी में नेमप्लेट लिखी मिलती हैं, लेकिन वहां सिर्फ पंजाबी ही आते हैं। कुछ सांस्कृतिक परिवर्तन भी कुछ शब्दों की अस्वीकृति में भूमिका निभाते हैं। जैसे- जैसे कुंडा, घोटना, फोहरा, नेही, मधानी आदि वस्तुओं का प्रयोग कम होता जा रहा है, ये शब्द पंजाबी भाषा से बाहर हो जायेंगे। तकनीकी समस्याएँ पंजाबी भाषा के विस्तार में कुछ समस्याएँ इसके कम्प्यूटरीकरण से भी संबंधित हैं। पंजाबी भाषा के तकनीकी कारणों से भी कई समस्याएँ जुड़ी हुई हैंरहा पंजाबी भाषा में टाइपिंग की सबसे बड़ी समस्या फॉन्ट की समस्या है। बेशक बहुत सारे फॉन्ट बनाए गए हैं लेकिन कोई भी पूरी तरह से संतोषजनक नहीं कहा जा सकता है और न ही पंजाबी भाषा के लिए अलग से कोई की-बोर्ड बनाया जा सकता है। हमें रोमन लिपि वाले कीबोर्ड पर काम करना होगा. कहीं न कहीं इसका एक कारण पंजाबी भाषा में अक्षरों की संख्या अधिक होना भी है। इसके अलावा पंजाबी भाषा के कई खंड हैं, जिनके लिए बड़े कीबोर्ड की आवश्यकता होती है, जो कठिन लगता है, जबकि कुंजियाँ रोमन लिपि में होती हैं।बोर्ड पर टाइप करना आसान है. आज जिन गानों की चर्चा हो रही है उनमें आधे से ज्यादा अंग्रेजी शब्दों का इस्तेमाल हो रहा है. एक और चलन पंजाबी लहजे में अंग्रेजी भाषा बोलने का है। जैसे किताबें, कक्षाएं, ड्रेस, बैंक, स्कूल आदि। यह न तो पंजाबी भाषा है और न ही अंग्रेजी भाषा। सच तो यह है कि हम भाषा के प्रयोग के प्रति बिल्कुल भी सचेत नहीं हैं, हमें जो समय और परिस्थिति के अनुसार उचित लगता है हम उसका प्रयोग कर लेते हैं। भाषा विज्ञान के शोधों से यह भी साबित हुआ है कि कोई भी अन्य भाषा सिख है अपनी मातृभाषा सीखना जरूरी है. ऐसा लगता है कि पंजाबी भाषा को सबसे बड़ा ख़तरा हम लोगों से है जो एक आदर्श भाषा होने के बावजूद अन्य भाषाओं का प्रयोग कर रहे हैं। निस्संदेह, पंजाबी भाषा के विकास और उज्ज्वल भविष्य के लिए कई संगठन प्रयासरत हैं। पंजाबी भाषा के बेहतर भविष्य के लिए ठोस कदम उठाना जरूरी है। सोशल मीडिया की भूमिका पंजाबी भाषा के विकास और बदलाव में सोशल मीडिया भी अपनी भूमिका निभा रहा है। जहां सोशल मीडिया और पंजाबी साहित्य को एक अलग मंच मिला है, वहीं पंजाबी भाषा भी खूब फली-फूली है लेकिन सोशल मीडिया पर इस्तेमाल होने वाले पंजाबी व्याकरण के मामले में डॉट, टिपी, ढाका को कोई खास तवज्जो नहीं दी जाती, बल्कि इन चीजों को नजरअंदाज किया जा रहा है। पंजाबी भाषा पर एक नए प्रयोग ने पंजाबी को रोमन लिपि में लिखने का चलन भी पैदा किया है। व्हाट्सएप या फेसबुक मैसेंजर पर चैट करने के लिए पंजाबी भाषा का उपयोग किया जाता है, लेकिन यह रोमन लिपि में लिखी जाती है, जबकि रोमन लिपि पंजाबी भाषा के लिए बिल्कुल भी उपयुक्त नहीं है। रोमन लिपि पंजाबी भाषा की सभी ध्वनियों को व्यक्त करने में असमर्थ है। सामाजिक मीडियाआ पर पंजाबी भाषा के कुछ भाग रोमन लिपि में लिखे जा रहे हैं।

वस्तुओं की कीमतों का निर्धारण भारतीय आर्थिक दर्शन पर आधारित होना चाहिए

(लेखक - प्रहलाद सबनानी)

- कीमतों पर नियंत्रण के लिए कृषि उत्पादों का संयमित उपयोग हो

वर्तमान में पूरे विश्व में सामान्यत: वस्तुओं की कीमतों का निर्धारण पश्चिमी आर्थिक दर्शन पर आधारित वस्तुओं की मांग एवं आपूर्ति के सिद्धांत के अनुरूप होता है। यदि किसी वस्तु की बाजार में मांग अधिक है और आपूर्ति कम है तो उस वस्तु की उत्पादन लागत कितनी भी कम क्यों न हो, परंतु उस वस्तु की बाजार में कीमत बहुत अधिक हो जाती है। वस्तु सामान्य नागरिकों के लिए कितनी भी आवश्यक क्यों न हो और चाहे उस वस्तु की आपूर्ति कई प्राकृतिक कारणों के चलते विपरीत रूप से प्रभावित क्यों न हुई हो, परंतु बाजार में तो उस वस्तु की कीमतें कुछ ही समय में आकाश को छूने लगती हैं। जैसे अभी हाल ही में भारत में देश के कुछ भागों में मौसम में आए परिवर्तन के चलते टमाटर की फसल खराब हो गई है, इसके कारण बाजार में टमाटर की आपूर्ति पर विपरीत प्रभाव दिखाई पड़ा है, देखते ही देखते खुदरा बाजार में 5 रुपए से 10 रुपए प्रति किलोग्राम बिकने वाला टमाटर 120 रुपए प्रति किलोग्राम से भी अधिक कीमत पर बिकने लगा है। पश्चिमी आर्थिक दर्शन दरअसल केवल मैं के भाव पर आधारित है अर्थात केवल मेरा लाभ होना चाहिए। समाज के अन्य वर्गों का कितना भी नुकसान क्यों न हो परंतु मेरे लाभ में कमी नहीं आना चाहिए। इसी भावना के चलते बड़े देश, छोटे देशों का शोषण करते नजर आते है। बड़ी बहुराष्ट्रीय कम्पनियां छोटी कम्पनियों को खा जाती हैं। उत्पादक, उपभोक्ताओं का शोषण करता हुआ दिखाई देता है एवं बड़े व्यापारी छोटे व्यापारियों का शोषण करते रहते है। कुल मिलाकर बड़ी मछली, छोटी मछली को निगलती हुई दिखाई दे रही है। पश्चिमी आर्थिक दर्शन में वस्तुओं की कीमतों में कमी होना मतलब आर्थिक क्षेत्र में मंदी का आना माना जाता है। वर्ष 1920 में प्रथम विश्व युद्ध की समाप्ति के पश्चात चूंकि कई देश इस विश्व युद्ध में बर्बाद हो चुके थे अत: उत्पादों को खरीदने के लिए कई देशों के नागरिकों के पास पर्याप्त पैसे ही नहीं बचे थे, जिसके कारण उत्पादों की मांग बाजार में बहुत कम हो गई और वस्तुओं के दाम एकदम बहुत अधिक गिर गए थे। उस समय पर इस स्थिति को गम्भीर मंदी की संज्ञा दी गई थी। पश्चिमी आर्थिक दर्शन में उत्पादकों की लाभप्रदता किस प्रकार अधिक से अधिक होती रहे, इस विषय पर ही विचार किया जाता है। देश के आम नागरिकों को कितनी आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, इस बात की ओर सरकारों का ध्यान नहीं जाता है। क्योंकि केवल आर्थिक विकास होना चाहिए, इस धारणा के अनुसार ही वहां की सरकारें चलती हैं। अभी हाल ही में विकसित देशों द्वारा मुद्रा स्फीति की समस्या का हल निकालने के लिए इन देशों के केंद्रीय बैंकों द्वारा ब्याज दरों में लगातार वृद्धि की जा रही है ताकि नागरिकों के हाथों में धन की उपलब्धता कम हो और वे बाजार में वस्तुओं को कम मात्रा में खरीद सकें, इससे वस्तुओं की मांग में कमी होगी और इस प्रकार मुद्रा स्फीति पर नियंत्रण स्थापित किया जा सकेगा। इस निर्णय का इन देशों के नागरिकों एवं वहां की अर्थव्यवस्थाओं पर विपरीत प्रभाव पड़ता दिखाई दे रहा है। उत्पादों की मांग को कृत्रिम तरीके से कम करने के कारण कम्पनियों ने वस्तुओं के उत्पादन को कम कर दिया है एवं इसके चलते कई कम्पनियों ने कर्मचारियों एवं मजदूरों की छँटनी प्रारम्भ कर दी है। अत: इन देशों में बेरोजगारी फैल रही है। पश्चिमी आर्थिक दर्शन की भावना के अनुरूप विकसित देशों में कई बार ऐसे अमानवीय निर्णय भी लिए जाते हैं। उक्त आर्थिक नीतियों के ठीक विपरीत भारतीय आर्थिक दर्शन में देश के समस्त नागरिकों को किस प्रकार सुख पहुंचाया जाय, इस बात का विशेष ध्यान रखा जाता है। प्राचीन भारत में उत्पादों के क्रय विक्रय के सम्बंध में उत्पादों की कीमतों के बारे में स्पष्ट नीति निर्धारित रहती थी और इसका वर्णन शास्त्रों में भी मिलता है। किसी वस्तु के उत्पादन में जो कुछ भी व्यय हुआ है, वह राशि ही उस वस्तु की वास्तविक लागत मानी जाती थी, परंतु वस्तु की उपलब्धता एवं उपयोगिता के आधार पर कभी वास्तविक मूल्य से कुछ अधिक अथवा कुछ कम राशि में वह उत्पाद बेचा एवं खरीदा जाता था। भारतीय शास्त्रों में यह भी वर्णन मिलता है कि यदि किसी वर्ष विशेष में किसी कृषि उत्पाद का उत्पादन, प्राकृतिक आपदाओं के चलते, कम होता है तो राजा द्वारा अपने अन्न के भंडार को आम नागरिकों के लिए खोल दिया जाता था। प्राचीन भारत के शास्त्रों में तो मुद्रा स्फीति का वर्णन ही नहीं मिलता है। बल्कि, भारत में वस्तुओं, विशेष रूप से खाद्य पदार्थों, की पर्याप्त उपलब्धता पर विशेष ध्यान दिया जाता था। कृषि उत्पादों की पैदावार इतनी अधिक होती थी कि इन उत्पादों के बाजार भाव सामान्यत: कम ही रहते थे, बढ़ते नहीं थे। हॉल ही में प्रकृति जन्य कारणों के चलते यदि टमाटर के उत्पादन पर विपरीत प्रभाव पड़ा है तो बाजार में टमाटर की कीमतों में अत्यधिक (10 गुना) वृद्धि, पश्चिम देशों के आर्थिक चिंतन पर तो खरी उतरती हैं परंतु भारतीय आर्थिक चिंतन के बिलकुल विपरीत है। यदि उत्पादकों एवं व्यापारियों द्वारा इस तरह की असामान्य परिस्थितियों के बीच आम नागरिकों के लिए टमाटर की उपलब्धता को प्रभावित किया जा रहा है, तो इसे उचित नहीं ठहराया जा सकता है। इन विपरीत परिस्थितियों के बीच आम नागरिकों को ही आगे आकर इस समस्या का हल निकलना होगा। यदि भारतीय उत्पादक एवं व्यापारी भारतीय आर्थिक दर्शन पर आधारित उत्पाद की लागत में कुछ लाभ जोड़कर ही बाजार मूल्य तय करने के स्थान पर पश्चिमी आर्थिक दर्शन के अनुसार वस्तुओं की कीमतों का निर्धारण मांग एवं आपूर्ति को ध्यान में रखकर करते हैं तो इस तरह की समस्या का जवाब भी भारतीय नागरिकों द्वारा इसी भाषा में दिया जाना चाहिए। अर्थात, नागरिकों द्वारा सामूहिक रूप से कुछ समय के लिए टमाटर के उपयोग को कम कर दिया जाना चाहिए उससे बाजार में टमाटर की मांग कम हो जाएगी और मांग कम होने से टमाटर की बाजार कीमत भी कम हो जाएगी। और फिर, टमाटर का अधिक समय तक भंडारण भी नहीं किया जा सकता है, यह एक शीघ्र नाश होने वाला पदार्थ है, बाजार में टमाटर की मांग कम होने से उत्पादक एवं व्यापारी मजबूर होकर में टमाटर की आपूर्ति बाजार में बढ़ा देंगे और इस प्रकार टमाटर की कीमतें नीचें आने लगेंगी। अब समय आ गया है कि वस्तुओं की कीमतों का निर्धारण पश्चिमी आर्थिक दर्शन को छोड़कर, भारतीय आर्थिक दर्शन के अनुरूप किया जाना चाहिए जिससे पूरे विश्व के नागरिकों को मुद्रा स्फीति से राहत प्राप्त हो सके।

(सेवा निवृत्त उप महाप्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक)

ईडी के निशाने पर अब 1 करोड़ कारोबारी

(लेखक - सनत जैन)

जिस ईडी को लेकर सारा विपक्ष एकजुट हो रहा है। सत्ता पक्ष के दबाव में राजनै तिक ह थियार के रुप में केन्द्र सरकार पर ईडी और सीबीआई के दुरुपयोग करने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। इसी ईडी को अब जीसटीएन में पंजीकृत 1 करोड़ 3 लाख कारोबा रियों के पीछे लगाया जा रहा है। इस तरह की कार्यवाही तो आपातकाल में भी नहीं हुई थी। केन्द्र सरकार के इस निर्णय से देश की अर्थ-व्यवस्था चरमरा सकती है।

केंद्र सरकार ने पीएमएलए 2002 में संशोधन कर दिया है। इस संशोधन में अब जीएसटीएन को ईडी के अधिकार क्षेत्र में लाया गया है। कोई भी कारोबारी, जीएसटी की पालना में कोई भी गड़बड़ी करता हुआ पाया गया तो अब जीएसटी मे हुई गड़बड़ी को मनी लांड्रिंग मानकर उसे ईडी के दायरे में लाया गया है। वित्त मंत्रालय ने इसकी अधिसूचना जारी कर दी है। इसके साथ ही जीएसटीएन नेटवर्क के पोर्टल का एक्सिस अब ईडी के पास भी रहेगा। जीएसटी की सभी सूचनाएं अब ईडी के पास होने से ईडी को जीएसटीएन कानून के अंतर्गत कारोबारियों पर केंद्रीय प्रवर्तन निदेशालय कार्यवाही कर सकेगा। इससे स्पष्ट है कि अब किसी भी कारोबारी के खिलाफ कोई भी कार्यवाही डंडी कर सकेगी। जनसंघ और भारतीय जनता पार्टी को ब्राह्मण-बनियों की पार्टी के रुप में पहचान थी। जनसंघ से लेकर भाजपा के आज तक के सफर में इस पार्टी को सबसे ज्यादा समर्थन कारोबारियों का मिलता रहा है। कारोबा रियों को भी ईडी के दायरे में लाने का काम भाजपा सरकार ने किया है। भारत के 80 फ़ीसदी कारोबारी दसवीं पास भी नहीं है। उनके पास जीएसटीएन का नंबर है। जीएसटीएन के डिजिटल पोर्टल और रिटर्न भरने के जो नियम तैयार किए गए हैं। पोर्टल में प्र विष्टि और जीएसटी के नियमों को समझना कारोबारी को नहीं आता है। मात्र 6 साल में 1500 से ज्यादा संशोधन जीएसटीएन के नियमों में हो चुके हैं। चार्टर्ड अकाउंटेंट भी बार-बार नियमों में बदलाव होने के कारण जीएसटीएन के नियम और कानूनों को लेकर हमेशा संशय में रहते हैं। केंद्र सरकार ने जीएसटीएन पोर्टल का एक्सेस ईडी को दे दिया है। ईडी को कारोबारियों पर मनीलां ड्रिंग कानून में कार्यवाही करने के अधिकार दे दिए हैं। इसकी बड़ी प्र तिक्रिया कारोबारी जगत में होना तय है। सरकार द्वारा जो नियम और कानून जीएसटी के बनाए जाते हैं, उसके प्रशिक्षण और जानका रियां इत्यादि कारोबारियों को नहीं दी जाती है। जो लोग कारोबार कर रहे हैं, वह इतने पढ़े लिखे नहीं होते हैं। जो उन नियमों को वह आसानी के साथ समझ लें। जिस तरह रोज पहनने के कपड़े बदले जाते हैं। उसी तरह से जीएसटीएन के नियम भी आए दिन बदले जा रहे हैं। जब सीए और वकील उन नियमों और कानूनों के बारे में आश्वस्त नहीं होते हैं। ऐसी स्थिति में कारोबारियों को केंद्रीय प्रवर्तन निदेशालय के दायरे में लाकर उनका उत्पीड़न किए जाने की आशंका मात्र से कारोबारी जगत में भय फैलना स्वाभा विक है। कारोबारी किसी भी देश की अर्थव्यवस्था के रीढ़ की हड्डी की तरह होते हैं। केंद्र सरकार ने इनके ऊपर एक ऐसा हमला किया है। जिसको झेल पाना शायद कारोबा रियों के लिए संभव नहीं होगा। इसका असर देश की अर्थव्यवस्था पर भी पड़ेगा। जो कारोबारी सरकार के राजनीति हितों अथवा राजनेताओं के लिए अनुकूल नहीं होगा, जो कारोबारी अ धिका रियों की मांग के अनुसार काम नहीं करेगा, उनके ऊपर कभी भी ईडी की गाज गिर सकती है। इस आशंका के चलते कारोबारी जगत मैं इसकी तीव्र प्रतिक्रिया होना तय माना जा रहा है। ऐसा लगता है कि केंद्र सरकार अपने पैर में खुद ही कुल्हाड़ी मारने की तैयारी कर रही है। 2024 में लोकसभा चुनाव है। जीएसटीएन में पंजीकृत 1 करोड़ 3 लाख कारोबारियों को ईडी के दायरे में लाने से सरकार को कारोबारियों की नाराजगी का शिकार होना तय माना जा रहा है। केंद्र सरकार को इसका खामियाजा भुगतना तय माना जा रहा है।

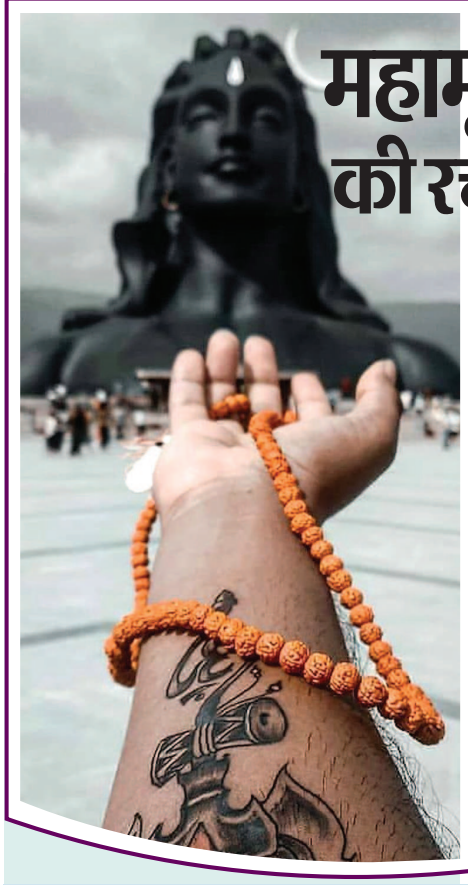

महामृत्युंजय मंत्र की रचना कैसे हुई

महामृत्युंजय मंत्र को लंबी उम्र और अच्छी सेहत का मंत्र कहते हैं। शास्त्रों में इसे महामंत्र कहा गया है। इस मंत्र के जप से व्यक्ति निरोगी रहता है। आइए जानें इस महामंत्र की उत्पत्ति कैसे हुई?

महामृत्युंजय मंत्र की उत्पत्ति के बारे में पौराणिक कथा प्रचलित है। कथा के अनुसार, शिव भक्त ऋषि मृकण्डु ने संतान प्राप्ति के लिए भगवान शिव की कठोर तपस्या की। तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने ऋषि मृकण्डु को इच्छानुसार संतान प्राप्त होने का वर तो दिया परन्तु शिव जी ने ऋषि मृकण्डु को बताया कि यह पुत्र अल्पायु होगा। यह सुनते ही ऋषि मृकण्डु विषाद से घिर गए। कुछ समय बाद ऋषि मृकण्डु को पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई। ऋषियों ने बताया कि इस संतान की उम्र केवल 16 साल ही होगी। ऋषि मृकण्डु दुखी हो गए. यह देख जब उनकी पत्नी ने दु:ख का कारण पूछा तो उन्होंने सारी बात बताई। तब उनकी पत्नी ने कहा कि यदि शिव जी की कृपा होगी, तो यह विधान भी वे टाल देंगे। ऋषि ने अपने पुत्र का नाम मार्कण्डेय रखा और उन्हें शिव मंत्र भी दिया। मार्कण्डेय शिव भक्ति में लीन रहते। जब समय निकट आया तो ऋषि मृकण्डु ने पुत्र की अल्पायु की बात पुत्र मार्कण्डेय को बताई। साथ ही उन्होंने यह दिलासा भी दी कि यदि शिवजी चाहेंगें तो इसे टाल देंगें। माता-पिता के दु:ख को दूर करने के लिए मार्कण्डेय ने शिव जी से दीर्घायु का वरदान पाने के लिए शिव जी आराधना शुरू कर दी। मार्कण्डेय जी ने दीर्घायु का वरदान की प्राप्ति हेतु शिवजी की आराधना के लिए महामृत्युंजय मंत्र की रचना की और शिव मंदिर में बैठ कर इसका अखंड जाप करने लगे।

महामृत्युंजय मंत्र : ऊँ त्र्यम्बकं स्यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम।
उर्वारुकमिव बन्धनान मृत्योर्मुक्षीय मामृतात

समय पूरा होने पर मार्कण्डेय के प्राण लेने के लिए यमदूत आए परंतु उन्हें शिव की तपस्या में लीन देखकर वे यमराज के पास वापस लौट आए.पूरी बात बताई। तब मार्कण्डेयके प्राण लेने के लिए स्वयं साक्षात यमराज आए। यमराज ने जब अपना पाश जब मार्कण्डेय पर डाला, तो बालक मार्कण्डेय शिवलिंग से लिपट गए। ऐसे में पाश गलती से शिवलिंग पर जा गिरा। यमराज की आक्रमकता पर शिव जी बहुत क्रोधित हुए और यमराज से रक्षा के लिए भगवान शिव प्रकट हुए। इस पर यमराज ने विधि के नियम की याद दिलाई। तब शिवजी ने मार्कण्डेय को दीर्घायु का वरदान देकर विधान ही बदल दिया। सा थ ही यह आशीर्वाद भी दिया कि जो कोई भी इस मंत्र का नियमित जाप करेगा वह कभी अकाल मृत्यु को प्राप्त नहीं होगा।

10 मनोकामना, 10 द्रव्य 10 सरल अभिषेक

शिवजी का अत्यंत प्रिय मास चल रहा है, इस माह में पूरे मन से शिव जी का पूजन करने से हर मनोकामना पूर्ण होती है। आइए जानते हैं किस प्रकार की मनोकामना के लिए शिव शंकर का किस द्रव्य से पूजन करना चाहिए। सभी अभिषेक द्रव्य का फल अलग-अलग है। यहां जानिए.

- गंगाजल या शुद्ध जल- सौभाग्य वृद्धि।
- दुग्ध गाय का- गृह शांति तथा लक्ष्मी प्राप्ति।
- सुगंधित तेल- भोग प्राप्ति।
- सरसों का तेल- शत्रु नाश।
- मीठा जल या दुग्ध- बुद्धि प्राप्ति।
- घी- वंश वृद्धि।
- पंचामृत- मनोवांछित प्राप्ति के लिए।
- गन्ने का रस या फलों का रस- लक्ष्मी तथा ऐश्वर्य प्राप्ति।
- छाछ- ज्वर से छुटकारा।
- शहद- ऐश्वर्य प्राप्ति।

भगवान शिवशंकर करोड़ों सूर्य के समान दीप्तिमान हैं। जिनके ललाट पर चन्द्रमा शोभायमान है। नीले कण्ठ वाले, अभिष्ट वस्तुओं को देने वाले हैं। तीन नेत्रों वाले यह शिव, काल के भी काल महाकाल हैं। कमल के समान सुन्दर नयनों वाले अक्षमाला और त्रिशूल धारण करने वाले अक्षर- पुरुष हैं। यदि क्रोधित हो जाएं तो त्रिलोक को भस्म करने के शक्ति रखते हैं और यदि किसी पर दया कर दें तो त्रिलोक का स्वामी भी बना सकते हैं। यह भयावह भव सागर पार कराने वाले समर्थ प्रभु हैं। भोले नाथ बहुत ही सरल स्वभाव, सर्वव्यापी और भक्तों से शीघ्र ही प्रसन्न होने वाले देव हैं। उनके सामने मानव क्या दानव भी वरदान मागने आये जो उसे भी मुंह मांगा वरदान देने में पीछे नही हटते हैं।

विवेक है शिव का तीसरा नेत्र

शव का अर्थ है कल्याण करने वाला पर उनका दूसरा प्रसिद्ध नाम रुद्र भी है क्योंकि वह दुष्टों को रुलाने वाले हैं। करोड़ों देवी-देवताओं में शिव ही हैं जिन्होंने 3 नेत्र धारण किए हैं। सृष्टि के सृजन, पालन और संहार का दायित्व शिव के पास है। इस प्रकार शिव का एक नेत्र ब्रह्मा अर्थात सृजनकर्ता, दूसरा विष्णु अर्थात पालनकर्ता तीसरा स्वयं रुद्र रूप अर्थात संहारकर्ता। अन्य प्रकार से देखें तो पहला नेत्र धरती, दूसरा आकाश और तीसरा नेत्र बुद्धि के देव सूर्य की ज्योति से प्राप्त ज्ञान-अग्नि का प्रतीक है। ज्ञान जब खुला तो कामदेव भस्म हुआ। अर्थात जब आप अपने ज्ञान और विवेक की आंख खोलते हैं तो कामदेव जैसी बुराई लालच, भ्रम, अंधकार आदि से स्वयं को दूर कर सकते हैं। इसके पीछे कथा भी है। एक बार पार्वती जी ने भगवान शिव के पीछे जाकर उनकी दोनों आंखें हथेलियों से बंद कर दीं। इससे समस्त संसार में अंधकार छा गया क्योंकि भगवान शिव की एक आंख सूर्य है, दूसरी चंद्रमा। अंधकार से संसार में हाहाकार मच गया तब भोले भंडारी ने तुरन्त अपने माथे से अग्नि निकाल कर पूरी दुनिया में रोशनी फैला दी। रोशनी इतनी तेज थी कि इससे हिमालय जलने लगा। इस दृश्य को देखकर पार्वती घबरा गईं तथा तुरन्त अपनी हथेलियां शिव की आंखों से हटा दीं। तब शिव जी ने मुस्कुरा कर अपनी तीसरी आंख बंद की। शिव पुराण के अनुसार पार्वती जी को इससे पूर्व ज्ञान नहीं था कि शिव त्रिनेत्रधारी हैं। इनका दायां नेत्र सूर्य के समान तेजस्वी है। जिस प्रकार सूर्य में उत्पन्न करने की विशेष ऊर्जा है और वह पृथ्वी ही नहीं, अनेक ग्रहों को भी प्रकाशमय करता है। उसी प्रकार शिव का दायां नेत्र भी सृष्टि को जीवन दायक शक्ति प्रदान करता है। स्वयं सूर्य को भी शिव के इसी नेत्र से तेज मिलता है। वैदिक ग्रंथों में शिव एवं चंद्रमा का विशेष संबंध बताया गया है। जलतत्व सोम को अमृततुल्य माना जाता है। जीवन का पोषण जल ही करता है और यही जल तत्व शिव का बायां नेत्र है। शिव का तीसरा नेत्र जो बंद ही रहता है, अग्नि रूप है। यह वही अग्नि है जो सकारात्मक रूप में तो कल्याणकारी है परन्तु यदि इस पर अंकुश न लगाया जाए तो यही विनाश का कारण भी बनती है। शिव अपनी इस शक्ति पर नियंत्रण रखते हैं और इसका इस्तेमाल केवल बुराई के नाश के लिए ही करते हैं। इस संबंध में एक कथा भी है। सृष्टि के समय जीव में रस की प्राप्ति के लिए कामदेव को जिम्मेदारी दी गई परन्तु जब कामदेव ने शिव पर ही अपनी शक्ति का परीक्षण करना चाहा तो शिव ने अपने तीसरे नेत्र की संहारक शक्ति का प्रयोग कर उसे तत्काल भस्म कर दिया। इसी प्रकार जीव को कर्म करने की स्वतंत्रता है और यदि वह अपने अंदर की बुराइयों (काम, क्रोध, लोभ, मोह व अहंकार) पर अपने तीसरे नेत्र का अंकुश रखे, तो वह सदैव सुखी रहेगा परन्तु यदि वह इन पर अंकुश नहीं रख पाता तो यही उसका विनाश कर देती है। शिव और शक्ति एक-दूसरे के पर्याय हैं। इसलिए शिव के तीनों नेत्र शिव का ही प्रतीक हैं, जो क्रमश- गौरी के रूप में जीव को मातृत्व का स्नेह देते हैं, लक्ष्मी के रूप में उसका पोषण करते हैं तथा काली के रूप में उसकी आंतरिक तथा बाहरी बुराइयों का नाश करते हैं। भगवान भोले भंडारी के ललाट पर सुशोभित तीसरा नेत्र असल में मुक्ति का द्वार है जो शिव को तो स्वत-प्राप्त है लेकिन मनुष्य अज्ञान के चलते इसे अपने मस्तक पर देख नहीं पाता। यह दोनों नेत्रों के मध्य इसलिए है क्योंकि यह स्थान पवित्र माना गया है। त्राटक के मध्य कुंडलिनी जागरण का भी विशेष महत्व है। यही स्थान सर्वाधिक ऊर्जावान है। इसी स्थान पर विशेष दबाव अपना प्रभाव दिखाता है। दूसरी ओर शिव के अधखुले नेत्र व्यक्ति के कर्म के साक्षी हैं। इसी कारण शिव को परमयोगी कहा जाता है। गृहस्थ में रह कर भी शिव सृष्टि का नियंत्रण, (सृजन, पालन तथा संहार) स्वतंत्र रूप में करते हैं। स्वयं पर नियंत्रण, अपने कर्मों का सही आकलन ही शिव के तीनों नेत्रों का रहस्य है। शिव का तीसरा नेत्र ही मुक्ति का द्वार है.,

शिवजी योगी से क्यों बने गृहस्थ

भगवान शिव एक योगी हैं, बैरागी है और संन्यासियों को गुरु हैं। वे परिवाज्रक है अर्थात जगह जगह जगह घूमते रहते हैं और जब घूमना बंद होता है तो बस समाधी में लीन रहते हैं।

- भगवान शिव महान योगी थे और वे हमेशा ही समाधी और ध्यान में ही लीन रहते थे लेकिन माता पार्वती का ये प्रेम ही था कि योगी बना एक गृहस्थ।
- गृहस्थ का योगी होना जरूरी है तभी वह एक सफल दाम्पत्य जीवन का निर्वाह कर सकता है।
- भगवान शिव के साथ उल्टी गंगा बही। कई लोग ऐसे हैं जो विवाह के बाद उम्र के एक पड़ाव पर जाकर बैरागी बनकर संन्यस्त होकर अपनी पत्नी को छोड़ चले। जैसे गौतम बुद्ध या अन्य कई ऋषि मुनि, परंतु भगवान शिव तो पहले से ही योगी, संन्यासी या कहें कि बैरागी थे।
- यह तो माता पार्वती का तप ही था जो योगी गृहस्थ बन गए। कहना तो यह चाहिए कि माता पार्वती भी तो जोगन थीं। पत्नी के साथ यदि सात जन्म के फेरे लिए हैं तो फिर कैसे इसी जन्म में संन्यास के लिए छोड़कर चले जाएं? भगवान शंकर ने यह सबसे बड़ा उदाहरण प्रस्तुत किया था।
- माता सती ने जब दूसरा जन्म हिमवान के यहां पार्वती के रूप में लिया तब उन्होंने पुन: शिव को पाने के लिए घोर तप और व्रत किया। उस दौरान तारकासुर का आतंक था। उसका वध शिवजी का पुत्र ही कर सकता था ऐसा उसे वरदान था। लेकिन शिवजी तो तपस्या में लीन थे। ऐसे में देवताओं ने शिवजी का विवाह पार्वतीजी से करने के लिए एक योजना बनाई। उसके तहत कामदेव को तपस्या भंग करने के लिए भेजा गया। कामदेव ने तपस्या तो भंग कर दी लेकिन वे खुद भस्म हो गए। बाद में शिवजी ने पार्वतीजी से विवाह किया। इस विवाह में शिवजी बरात लेकर पार्वतीजी के यहां पहुंचे। इस कथा का रोचक वर्णन पुराणों में मिलेगा। शिव को विश्वास था कि पार्वती के रूप में सती लौटेंगी तो पार्वती ने भी शिव को पाने के लिए तपस्या के रूप में समर्पण का एक आदर्श उदाहरण प्रस्तुत किया।

श्रावण में शिवजी होते हैं शीघ्र प्रसन्न

हिन्दू कैलेंडर के अनुसार चैत्र मास के शुरू होने के बाद पांचवां मास श्रावण मास का है। देवषयन का यह प्रथम चातुर्मास है। इस मास मे कथा भागवत और अनगिनत उत्सव मनाये जाते है। श्रावन मास के प्रत्येक सोमवार को श्रावन सोमवार कहा जाता है। श्रद्धालु पवित्र जल से शिवलिंग को स्नान कराते हैं। फूल, मालाओं से मूर्ति या शिवलिंग को पूजते हैं। मंदिर में 24 घंटे दीप जलते रहते हैं। उत्तर भारत के विभिन्न प्रान्तों से इस महीने शिवभक्त गंगाजल लेने.. यानी कांवड का पवित्र जल लेने हरिद्वार, ऋषिकेश, काशी और गंगासागर की यात्रा पैदल करके श्रावण कृष्ण चतुर्दशी को अपने क्षेत्र के शिवमन्दिर में शिवलिंग का अभिषेक करके पुण्य अर्जित करते हैं। कांवड लाकर रुद्राभिषेक करना बहुत ही कष्टसाध्य तप है जिसे देवगण, मानव, दानव सहित यक्ष किन्नर और साधुगण आदि काल से करते आ रहे हैं। शिव सभी के लिए वरदाता है जो जैसा मांगें उसे वैसी ही सम्पदा दे देते हैं। श्रावण मास में आशुतोष भगवान शंकर की पूजा का विशेष महत्व है। जो प्रतिदिन पूजन न कर सकें उन्हें सोमवार को शिव पूजा अवश्य करनी चाहिए और व्रत रखना चाहिए। सोमवार भगवान शंकर का प्रिय दिन है, अत: सोमवार को शिवाराधना करनी चाहिए। इसी प्रकार मासों में श्रावण मास भगवान शंकर को विशेष प्रिय है। श्रावण में पार्थिव शिवपूजा का विशेष महत्त्व है। अत: इस महीने शिव पूजा या पार्थिव शिवपूजा अवश्य करना चाहिए। इस मास में लघुरुद्र, महारुद्र अथवा अतिरुद्र पाठ कराने का भी विधान है। श्रावणमास में जितने भी सोमवार पड़ते हैं, उन सब में शिवजी का व्रत किया जाता है। इस व्रत में प्रात: गंगा स्नान अथवा किसी पवित्र नदी या सरोवर में अथवा विधिपूर्वक घर पर ही स्नान करके शिवमन्दिर में जाकर स्थापित शिवलिंग या अपने घर में पार्थिव मूर्ति बनाकर यथाविधि षोडशोपचार-पूजन किया जाता है। यथासम्भव विद्वान ब्राह्मण से रुद्राभिषेक भी कराना चाहिए। इस व्रत में श्रावणमाहात्म्य और श्रीशिवमहापुराण की कथा सुनने का विशेष महत्व है। पूजन के पश्चात् ब्राह्मण-भोजन कराकर एक बार ही भोजन करने का विधान है। भगवान शिव का यह व्रत सभी मनोकामनाओं को पूर्ण करने वाला है। मनीषियों का कहना है कि समुद्र मंथन भी श्रावन मास में ही हुआ। इस मंथन मंज 14 प्रकार के तत्व निकले। इसमें जहर को छोड़ कर सभी 13 तत्वों को देवताओं और राक्षसों में वितरित किया गया। इन सभी तत्वों में से निकले जहर को भगवान् शिव पी गये और इसे अपने कंठ में संग्रह कर लिया। इस प्रकार इनका नाम नील कंठ पड़ा। इसके बाद देवताओं ने भगवान शिव को जहर के संताप से बचाने के लिए उन्हें गंगा जल अर्पित किया। इसके बाद से ही शिव भक्त श्रावण मास में भगवान शिव का जलाभिषेक करते हैं। श्रावण मास भगवान शिव का प्रिय मास है। इसलिए भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए अपनाएं जरुरी बातें -

- श्रावन मास में रुद्राक्ष पहनना बहुत ही शुभ माना गया है। इसलिए पूरे मास रुद्राक्ष की माला धारण करें व रुद्राक्ष माला का जाप करें।
- शिव को भभूती लगावें। अपने मस्तक पर भी लगावें।
- शिव चालीसा और आरती का गायन करें।
- महामृत्युंजय मंत्र का जाप करें।
- सोमवार को श्रद्धापूर्वक व्रत धारण करें. (यदि पूरे दिन का व्रत सम्भव न हो तो सूर्यास्त तक भी व्रत धारण किया जा सकता है)
- बेलपत्र, दूध, शहद और पानी से शिवलिंग का अभिषेक करें।

श्रावण मास के अन्य व्रत

अपशकुनों से बचने के लिए नवविवाहित जोड़ों को मंगलागौरी व्रत धारण करना चाहिए। शुक्रवार को सुहागिन स्त्रियों को वरदलक्ष्मी व्रत (श्रावण शुक्रवार व्रत) धारण करना चाहिए। ओम नम: शिवाय. का जप चलते, फिरते, उठते-बैठते करते रहना चाहिए।

मनचाही उन्नति के लिए श्रावण में शिव को चढ़ाएं ये शुभ प्रसाद

हम सभी जानते हैं कि शिव को भोलेभंडारी और आशुतोष कहा जाता है। भोले यानी मासूम और आशुतोष यानी तुरंत तुष्ट या प्रसन्न होने वाले। शिव को पवित्र और सच्चे भाव से जो अर्पित किया जाता है वह ग्रहण करते हैं शिव को सामान्यत: गेंहू से बनी चीजें अर्पित की जाती हैं। ऐश्वर्य पाने के लिए शिव को मूंग का भोग लगाया जाना चाहिए। मनचाहा जीवनसाथी पाने के लिए शिव को चने की दाल का भोग लगाया जाना चाहिए। शिव को तिल चढ़ाने की भी मान्यता है। शिव को तिल चढ़ाने से पापों का नाश होता है। श्रावण में चढ़ाएं शिव जी को यह प्रसाद

●इमरती ●खीर ●मावा लड्डू ●ड्रायफ्रूट्स ●रबड़ी ●मालपुए ●खोपरापाक ●बूंदी के लड्डू ●बर्फी ●बेसन के व्यंजन ●कलाकंद ●मैसूर पाक ●रसमलाई ●पेड़ा ●घेवर ●सतू की मिठाई ●हलवा ●पेठा ●गुलाब जामुन ●जलेबी ●रसगुल्ला।

इसके अलावा नारियल बर्फी, मक्खन बड़ा, मोदक, चमचम, मिल्क केक, पुए, बूंदी आदि।

बिल्वपत्र की जड़ में होता है साक्षात लक्ष्मीजी का वास

शिवजी को बिल्वपत्र, धतूरा और आंकड़ा अर्पित करना बहुत ही शुभ माना जाता है। हिन्दू धर्म में बिल्व अथवा बेल (बिल्ला) पत्र भगवान शिव की आराधना का मुख्य अंग है। शिवजी को अर्पित करने के 12 फायदे।

- कहते हैं शिव को बिल्वपत्र चढ़ाने से लक्ष्मी की प्राप्ति होती है क्योंकि बिल्वपत्र की जड़ में साक्षात लक्ष्मीजी का वास होता है। इसीलिए इसके वृक्ष को श्रीवृक्ष भी कहते हैं। इसकी पूजा करने से धन की प्राप्ति होती है।
- इस वृक्ष की जड़ में घी, अन्न, खीर या मिष्ठान्न दान अर्पित करने से दरिद्रता का नाश होता है और कभी भी धनाभाव नहीं रहता है।
- इस वृक्ष की जड़ का विधिवत पूजन करने से सभी प्रकार के पापों से मुक्ति मिल जाती है।
- यदि संतान सुख पाना चाहते हैं तो शिवलिंग पर इसका फूल, धतूरा, गंध और स्वयं बिल्वपत्र चढ़ाने के बाद इस वृक्ष के जड़ का पूजन करना चाहिए।
- बिल्वपत्र के वृक्ष की जड़ का जल अपने माथे पर लगाने से समस्त तीर्थ यात्राओं का पुण्य प्राप्त होता है।
- बिल्वपत्र की जड़ को पानी में घिसकर फिर उबालकर औषधि के रूप में प्रयोग किया जाता है। कष्टकारी रोगों में भी यह अमृत के समान लाभकारी होती है।
- बिल्वपत्र का सेवन, त्रिदोष यानी वात (वायु), पित्त (ताप), कफ (शीत) व पाचन क्रिया के दोषों से पैदा बीमारियों से रक्षा करता है।
- बिल्वपत्र का सेवन त्वचा रोग और डायबिटीज के बुरे प्रभाव बढ़ने से भी रोकता है व तन के साथ मन को भी चुस्त-दुरुस्त रखता है।
- हिन्दू धर्म में बिल्व वृक्ष के पत्र (पत्ते) शिवलिंग पर चढ़ाए जाते हैं। भगवान शिव इसे चढ़ाने से प्रसन्न होते हैं।
- जो व्यक्ति शिव-पार्वती की पूजा बेलपत्र अर्पित कर करते हैं, उन्हें महादेव और देवी पार्वती दोनों का आशीर्वाद मिलता है।
- यह माना जाता है कि देवी महालक्ष्मी का भी बेल वृक्ष में वास है। जिस घर में एक बिल्व का वृक्ष लगा होता है उस घर में लक्ष्मी का वास बतलाया गया है।
- बिल्व पत्र को शिवजी के तीनों नेत्रों का प्रतीक भी माना जाता है। यह तीन नेत्र भूत, भविष्य और वर्तमान देखते हैं। उसी तरह महाशिवरात्रि के दिन शिवजी को बिल्व पत्र चढ़ाने से समृद्धि, शांति और शीतलता आती है।

चतुर्थी, अष्टमी, नवमी, चतुर्दशी, अमावस्या और किसी माह की संक्राति को बिल्वपत्र नहीं तोडना चाहिए।

बिल्वपत्र चढ़ाने का मंत्र

नमो बिल्मिने च कवचिने च नमो वर्म्मिणे च वरूथिने च।
नम: श्रुताय च श्रुतसेनाय च नमो दुन्दुभ्याय चा हनन्न्याय च नमो घृष्णवे।
दर्शनं बिल्वपत्रस्य स्पर्शनम पापनाशनम। अघोर पाप संहारं बिल्व पत्रं शिवार्पणम।
त्रिदलं त्रिगुणाकारं त्रिनेत्रं च त्रिधायुधम। त्रिजन्मपापसंहारं बिल्वपत्रं शिवार्पणम।
अखण्डै बिल्वपत्रैश्च पूजये शिव शंकरम। कोटिकन्या महादानं बिल्व पत्रं शिवार्पणम।
गृहाण बिल्व पत्राणि सपुश्पाणि महेश्वर। सुगन्धीनि भवानीश शिवत्वंकु सुम प्रिय।

जीएसटी में गड़बड़ी करने वालों पर अब ईडी करेगी कार्रवाई

नई दिल्ली ।
सरकार ने जीएसटी में चोरी को लेकर एक बड़ा कदम उठाया है। अब सरकार ने गुड्स एंड सर्विसेट टैक्स नेटवर्क (जीएसटीएन) को पीएमएलए के तहत लाने का फैसला किया है, जिसके लिए अधिसूचना जारी की गई है। इसका मतलब है कि अब जीएसटी से जुड़े मामलों में ईडी सीधा दखल दे सकेगी। ईडी जीएसटी चोरी करने वाली फर्म, व्यापारी या संस्था के खिलाफ सीधे कार्रवाई कर सकेगी। इनडायरेक्ट टैक्स और कस्टम टैक्स चोरी को रोकने के लिए सरकार की ओर से एक और कदम उठाया गया है। सरकार की ओर से जारी की गई अधिसूचना के अनुसार जीएसटी नेटवर्क का डाटा की पूरी सूचना ईडी को दी जाएगी। अधिसूचना पीएमएलए की धारा 66(1) **(iii)** के तहत ईडी और जीएसटीएन के बीच जानकारी साझा करने के संबंध में है। पीएमएलए को आतंकी फंडिंग और नशे के पदार्थों की तस्करी से निपटने के लिए लाया गया था। जीएसटीएन के तहत बहुत संवेदनशील जानकारी होती है, जिसके तहत जांच में सहायता हो सकती है। एक्सपर्ट ने कहा कि ईडी को इससे जांच में ज्यादा मदद मिल सकेगी। अधिसूचना अब जीएसटीएन और ईडी दोनों के बीच जानकारी या अन्य चीजों को शेयर करने की सुविधा देगी। मनी लॉन्ड्रिंग को रोकने और इसमें शामिल संपत्ति को जब्त करने के लिए प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग कानून को तैयार किया गया था। इसके तहत सरकार गैरकानूनी तरीके से कमाए गए संपत्तियों को जब्‍त करने का अधिकारी रखती है। साल 2002 में इस कानून को पारित किया गया था। हालांकि धन शोधन निवारण अधिनियम या प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट को 1 जुलाई 2005 को लागू किया गया।

एनएसडीएल ने सेबी के पास जमा किए आईपीओ के दस्तावेज

नई दिल्ली । नेशनल सिक्योरिटीज डिपोजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) की मंजूरी के लिए भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास मसौदा दस्तावेज जमा किए हैं। मसौदा दस्तावेजों के अनुसार आईपीओ के तहत मौजूदा शेयरधारकों की तरफ से 5.72 करोड़ से अधिक इक्विटी शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) की जाएगी। ओएफएस के तहत आईडीबीआई बैंक अपने 2.22 करोड़ शेयर, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) 1.80 करोड़ शेयर, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया 56.25 लाख शेयर, और भारतीय स्टेट बैंक एवं एचडीएफसी बैंक 40-40 लाख शेयरों की बिक्री की पेशकश करेंगे। इसके साथ ही यूनिट ट्रस्ट ऑफ इंडिया (एसयूयूटीआई) के निर्दिष्ट उपक्रम के प्रशासक भी 34.15 लाख शेयर बेचेंगे। एनएसडीएल सेबी के पास पंजीकृत एक बाजार ढांचागत संस्थान है जो भारत में वित्तीय और प्रतिभूति बाजारों में उत्पादों और सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला पेश करता है। मसौदा दस्तावेजों के अनुसार एनएसडीएल के शेयरों को बीएसई पर सूचीबद्ध करने का प्रस्ताव है। निर्गम का एक हिस्सा पात्र कर्मचारियों के लिए भी आरक्षित होगा और कंपनी उन्हें आईपीओ मूल्य पर छूट की पेशकश कर सकती है। एनएसडीएल का राजस्व वित्त वर्ष 2022-23 में 1,099.81 करोड़ रुपए रहा और उसका मुनाफा 234.81 करोड़ रुपए रहा, जो इससे पिछले वित्त वर्ष से ज्यादा है।

अनंत माहेश्वरी ने माइक्रोसॉफ्ट से दिया इस्तीफा

नई दिल्ली । माइक्रोसॉफ्ट इंडिया के अध्यक्ष अनंत माहेश्वरी ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। बता दें कि कंपनी ने माहेश्वरी के इस्तीफे के बाद ईरीना घोष को एमडी के पद पर प्रमोट किया है। पिछले साल घोष को पदोन्नति देकर माइक्रोसॉफ्ट इंडिया का मुख्य परिचालक अधिकारी बनाया गया था। उन्होंने शशि श्रीधरन की जगह ली है, जिन्हें एशिया में क्षेत्रीय भूमिका का निर्वहन करने के लिए भेजा गया है। बता दें कि अनंत माहेश्वरी ने माइक्रोसॉफ्ट इंडिया में करीब सात साल तक अपनी सेवाएं दी हैं। माहेश्वरी 2016 में माइक्रोसॉफ्ट से जुड़े थे। इससे पहले वह हनीवेल इंडिया के अध्यक्ष और मैकिन्से एंड कंपनी में एंगेजमेंट मैनेजर थे। 1996 में बिड़ला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से अर्थशास्त्र में मास्टर ऑफ साइंस करने वाले माहेश्वरी ने 1998 में आईआईएम अहमदाबाद से एमबीए भी किया है। उनके इस्तीफे पर प्रतिक्रिया देते हुए कंपनी के एक प्रवक्ता ने कहा कि हम पुष्टि कर सकते हैं कि अनंत ने कंपनी के बाहर भूमिका निभाने के लिए माइक्रोसॉफ्ट छोड़ने का फैसला किया है। हम भारत में हमारे व्यवसाय और संस्कृति में उनके योगदानों के लिए अनंत को धन्यवाद देना चाहते हैं और उनके भविष्य के प्रयासों में हर सफलता की कामना करते हैं। माइक्रोसॉफ्ट इंडिया में सार्वजनिक क्षेत्र के पूर्व निदेशक नवतेज बल को मुख्य परिचालन अधिकारी के रूप में प्रमोट किया गया है। वेंकट कृष्णन को सार्वजनिक क्षेत्र के व्यवसाय के कार्यकारी निदेशक के रूप में प्रमोट किया गया है।

62 साल पहले वेस्पा स्कूटर की कीमत 2243 रुपये

मुंबई । दशकों से बजाज का ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री में जलवा रहा है। इसके मॉडल्स को लोगों द्वारा काफी पसंद किया जाता है। हालांकि कि कंपनी के द्वारा कई पुराने मॉडल्स को बंद भी कर दिया गया है लेकिन आज भी ये लोगों के दिलों पर राज कर रहे हैं। हाल ही में 1961 में बिकने वाले वेस्पा स्कूटर के बिल की एक तस्वीर सामने आई है। सन 1961 में वेस्पा स्कूटर को एक्साइज ड्यूटी के बाद 2129 रुपये में बेचा जाता था, इस कीमत को देख हर कोई हैरान है। इस तस्वीर में लिखा है कि इस कीमत में ये स्कूटर नवंबर 1961 में बेचा जाता था। 2129 रुपये की कीमत के अलावा अगर कोई ग्राहक अलग से टायर, ट्यूब आदि लेता था, तब 78 रुपये का खर्च आता था और प्लेन सीट के लिए 36 रुपये चार्ज किए जाते थे। इसका मतलब आज से लगभग 62 साल पहले वेस्पा स्कूटर 2243 रुपये की कीमत में ग्राहकों को मिल जाता था।

अडानी ग्रुप रेलवे टिकट बुक करने के कारोबार में प्रवेश करेगा

– ऑनलाइन ट्रेन टिकट बुकिंग प्लेटफॉर्म ट्रेनमैन में 30 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी

नई दिल्ली । अब अडानी ग्रुप रेलवे टिकट बुक करने के कारोबार में भी प्रवेश करने जा रहा है। दरअसल अडानी ग्रुप की प्रमुख कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज ने रेलवे टिकट बुकिंग से जुड़ी कंपनी स्टार्ट एंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड (एसईपीएल) की लगभग 30 फीसदी हिस्सेदारी खरीद ली है। एसईपीएल रेलवे टिकट की ऑनलाइन बुकिंग करने वाले मंच ट्रेनमैन की संचालक कंपनी है। एसईपीएल ने वित्त वर्ष 2022-23 में 4.51 करोड़ रुपए का कारोबार किया था। अडानी एंटरप्राइजेज ने पिछले महीने एसईपीएल की समूची हिस्सेदारी खरीदने के लिए समझौता करने की घोषणा की थी। अडानी एंटरप्राइजेज ने शेयर बाजार को दी गई सूचना में कहा` कि कंपनी की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी अडानी डिजिटल लैब्स प्राइवेट लिमिटेड ने 3.56 करोड़ रुपए में 29.81 फीसदी हिस्सेदारी खरीद ली है। हालांकि अडानी एंटरप्राइजेज ने पिछले महीने एसईपीएल का जिक्र ऑनलाइन ट्रेन बुकिंग और सूचना मंच के रूप में किया था लेकिन अब उसने इसे ई-कॉमर्स और वेबसाइट विकास से संबंधित कंपनी बताया। अडानी समूह के रेल टिकट कारोबार से जुड़ने की घोषणा पर पिछले महीने कांग्रेस ने कड़ी प्रतिक्रिया दी थी। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने कहा था कि अडानी के ट्रेनमैन प्लेटफॉर्म का अधिग्रहण करने से अंततः भारतीय रेलवे की टिकटिंग यूनिट आईआरसीटीसी के अधिग्रहण का रास्ता साफ हो सकता है। भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) ने इसका खंडन करते हुए कहा था कि भारतीय रेलवे में रोजाना करीब 14.5 लाख आरक्षित टिकट बुक किए जाते हैं। इनमें से लगभग 81 फीसदी टिकटों की बुकिंग ऑनलाइन होती है और आईआरसीटीसी के जरिए ही बुक किए जाते हैं।

(मार्केट कैप) सेंसेक्स की प्रमुख 10 में छह कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 1.19 लाख करोड़ बढ़ा

- सबसे अधिक लाभ में रिलायंस इंडस्ट्रीज और आईटीसी रहीं

(एजेंसी), नई दिल्ली ।

बीते सप्ताह सेंसेक्स की प्रमुख 10 में से छह कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) 1,19,763.25 करोड़ रुपए बढ़ गया है। सबसे अधिक लाभ में रिलायंस इंडस्ट्रीज और आईटीसी रहीं। समीक्षाधीन सप्ताह में रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 57,338.56 करोड़ रुपए बढ़कर 17,83,043.16 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। सबसे अधिक लाभ में रिलायंस इंडस्ट्रीज ही रही। आईटीसी का बाजार मूल्यांकन 21,291.04 करोड़ रुपए के उछाल के साथ 5,82,602.46 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की बाजार हैसियत 18,697.06 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी के साथ 5,29,898.83 करोड़ रुपए और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसज (टीसीएस) की 9,220.81 करोड़ रुपए के उछाल के साथ 12,16,890.72 करोड़ रुपए रही। आईसीआईसीआई बैंक की बाजार हैसियत 8,998.26 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी के साथ 6,62,702.30 करोड़ रुपए पर पहुंच गई। हिंदुस्तान यूनिलीवर ने सप्ताह के दौरान 4,217.52 करोड़ रुपए जोड़े और उसकी बाजार हैसियत बढ़कर 6,33,532.04 करोड़ रुपए पर पहुंच गई।

इस रुख के विपरीत एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 22,926.37 करोड़ रुपए घटकर 9,28,657.99 करोड़ रुपए रह गया। एचडीएफसी के मूल्यांकन में 9,782.7 करोड़ रुपए की गिरावट आई और यह 5,12,585.94 करोड़ रुपए पर आ गया। भारती एयरटेल की बाजार हैसियत 5,219.66 करोड़ रुपए घटकर 4,84,844.10 करोड़ रुपए रह गई। इन्फोसिस का मूल्यांकन 1,638.41 करोड़ रुपए के नुकसान से 5,52,452.86 करोड़ रुपए पर आ गया। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही। उसके बाद क्रमशः टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, आईटीसी, इन्फोसिस, एसबीआई, एचडीएफसी और भारती एयरटेल का स्थान रहा।

एफपीआई ने जुलाई में अब तक शेयरों में 22,000 करोड़ का निवेश किया

- जून में एफपीआई का निवेश 47,148 करोड़ रुपए रहा था

(एजेंसी),नई दिल्ली ।

अनिश्चित वृहद वैश्विक परिदृश्य के बीच घरेलू अर्थव्यवस्था की मजबूती के कारण विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने इस महीने के पहले सप्ताह में भारतीय शेयर बाजारों में 22,000 करोड़ रुपए का निवेश किया है। एक मुख्य निवेश रणनीतिकार ने कहा कि अगर यह रुख जारी रहती है, तो जुलाई में एफपीआई का निवेश मई और जून से अधिक हो जाएगा। मई में एफपीआई का शेयरों में निवेश 43,838 करोड़ रुपए और जून में 47,148 करोड़ रुपए रहा था। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के मुताबिक, एफपीआई मार्च से लगातार भारतीय शेयर बाजार में लिवाल रहे हैं। इस महीने सात जुलाई तक उन्होंने शेयरों में 21,944 करोड़ रुपए डाले हैं। मार्च से पहले विदेशी निवेशकों ने जनवरी और फरवरी में शेयरों से कुल मिलाकर 34,626 करोड़ रुपए निकाले था। कोटक सिक्योरिटीज के इक्विटी शोध (खुदरा) प्रमुख श्रीकांत चौहान ने कहा कि भारत का अन्य देशों की तुलना में अधिक वृद्धि के अनुकूल बाजार के रूप में उभरना विदेशी निवेशकों का भरोसा बढ़ा रहा है। उनका कहना है` कि एफपीआई की लिवाली की मुख्य वजह यह है कि अनिश्चित वृहद वैश्विक रुख के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था जुझारू बनी हुई है। उन्होंने कहा कि वैश्विक मोर्चे पर चीन की अर्थव्यवस्था में सुस्ती के कारण भी एफपीआई भारत में अपना निवेश बढ़ा रहे हैं। एफपीआई अब भारत में खरीदो, चीन में बेचो की रणनीति अपना रहे हैं। समीक्षाधीन अवधि में एफपीआई ने शेयरों के अलावा ऋण या बांड बाजार में भी 1,557 करोड़ रुपए डाले हैं। इस साल अब तक भारतीय शेयरों में एफपीआई का निवेश 98,350 करोड़ रुपए पर और बांड बाजार में 18,230 करोड़ रुपए पर पहुंच गया है।

डिजिटल अर्थव्यवस्था के आंकार का पता लगाने एजेंसी नियुक्त करेगी सरकार

(एजेंसी), नई दिल्ली ।

सरकार डिजिटल अर्थव्यवस्था के वास्तविक आकार का पता लगाने के लिए एक एजेंसी नियुक्त करने की योजना बना रही है। एक आधिकारिक दस्तावेज से यह जानकारी मिली है। डिजिटल अर्थव्यवस्था का आकार 2025 में 1,000 अरब डॉलर रहने का अनुमान है। इस कार्य के लिए नियुक्त एजेंसी का कार्यकाल नौ माह का होगा। एजेंसी को चयन की तारीख से 32 सप्ताह के भीतर चालू वित्त वर्ष से 2029-30 तक डिजिटल अर्थव्यवस्था के आकार और अनुमान पर रिपोर्ट का मसौदा इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (मेइटी) को सौंपना होगा। दस्तावेज़ में कहा गया है` कि अनुरोध प्रस्ताव (आरएफपी) का उद्देश्य भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था का आकलन और मापन है। इसमें माप ढांचा तैयार करना, आंकड़े जुटाना और डिजिटल बदलाव की पहचान करना शामिल है। रिपोर्ट राज्यों की रैंकिंग और डिजिटल अर्थव्यवस्था में उनकी हिस्सेदारी के साथ-साथ ऐसी अर्थव्यवस्था पर ई-कॉमर्स और उभरती प्रौद्योगिकी के प्रभाव पर भी गौर करेगी। सरकारी और निजी या सामाजिक क्षेत्रों के बीच सहयोग के साथ टीम इंडिया की भावना से सामूहिक कार्रवाई की आवश्यकता है।

(शेयर बाजार समीक्षा) कंपनियों के तिमाही नतीजे, आईआईपी के आंकड़े तय करेंगे बाजार की दिशा

- वैश्विक कारक और विदेशी निवेशकों की गतिविधियां भी बाजार की दृष्टि से महत्वपूर्ण रहेंगी

(एजेंसी), मुंबई ।

कमजोर वैश्विक रुझान के बीच बीते सप्ताह के आखिरी दिन हुई मुनाफावसूली के दबाव में रिकॉर्ड ऊंचाई से फिसलने के बावजूद आधे प्रतिशत से अधिक की तेजी पर रहे घरेलू शेयर बाजारों की दिशा इस सप्ताह सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) क्षेत्र की प्रमुख कंपनियों टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) तथा विप्रो के तिमाही नतीजों के साथ घरेलू मुद्रास्फीति और औद्योगिक उत्पादन (आईआईपी) के आंकड़ों से तय होगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है।

उनका कहना है कि इसके अलावा वैश्विक कारक और विदेशी निवेशकों की गतिविधियां भी बाजार की दृष्टि से महत्वपूर्ण रहेंगी। एक अन्य विशेषज्ञ का कहना है कि अब पहली तिमाही के नतीजों का सीजन शुरू हो रहा है। इस सप्ताह एचसीएल टेक, टीसीएस और विप्रो अपने तिमाही परिणाम घोषित करेंगी। इसके अलावा 12 जुलाई को मुद्रास्फीति और आईआईपी के आंकड़े भी आने हैं। साथ ही निवेशकों की निगाह अमेरिका के वृहद आर्थिक आंकड़ों तथा कच्चे तेल की कीमतों पर रहेगी। साथ ही निवेशक शुक्रवार को आने वाले जून के थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति के आंकड़ों पर भी नजर रखेंगे। सप्ताह के दौरान फेडरल बैंक, बंधन बैंक और जेएसडब्ल्यू एनर्जी भी अपने जून तिमाही के नतीजों की घोषणा करेंगी।

इसके साथ ही चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही के नतीजों की वजह से इस सप्ताह शेयर आधारित गतिविधियां देखने को मिलेंगी। खेमका ने कहा कि टीसीएस और एचसीएल टेक के तिमाही नतीजे बुधवार को आएंगे। उसके बाद गुरुवार को विप्रो जून तिमाही के नतीजों की घोषणा करेगी। ऐसे में प्रौद्योगिकी क्षेत्र पर सभी की निगाह रहेगी।

वैश्विक और घरेलू संकेतक, भारत के मुद्रास्फीति और आईआईपी के आंकड़े, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) और घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) का रुख आगामी दिनों में बाजार की दिशा तय करेगा।

ईपीएस में ज्यादा पेंशन के लिए आवेदन करने के रह गए केवल दो दिन

- आवेदन करने की आखिरी तारीख 11 जुलाई

(एजेंसी), नई दिल्ली ।

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) की इंप्लॉइज पेंशन स्कीम (ईपीएस) के तहत ज्यादा पेंशन के लिए आवेदन करने की तारिख बहुत नजदीक आ गई है। आपके पास इस स्कीम में आवेदन करने के लिए अब केवल 2 ही दिन का समय शेष रह गया हैं। बता दें कि ईपीएस के तहत ज्यादा पेंशन के लिए आवेदन करने की आखिरी तारीख 11 जुलाई 2023 तय की गई है। कई मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, बहुत से लोग स्कीम के लिए रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया पूरी नहीं कर पा रहे थें और कई तरह के ग्लिच से जूझ रहे थें। इन समस्याओं को देखते हुए श्रम मंत्रालय और ईपीएफओ ने 26 जून को ज्यादा पेंशन के लिए आवेदन करने की डेडलाइन 11 जुलाई तक बढ़ाने का फैसला किया। जिन नियोक्ताओं को वेतन विवरण वेरिफाई करने की आवश्यकता है, उन्हें प्रक्रिया पूरी करने के लिए और तीन महीने का समय दिया गया है। ईपीएफओ की तरफ से पहले ही दो बार ज्यादा पेंशन के लिए आवेदन करने की डेडलाइन को आगे बढ़ाया गया है। ऐसे में अब तीसरी बार डेडलाइन को आगे बढ़ाने की संभावना बेहद कम नजर आ रही है।ईपीएफओ सर्कुलर में कहा गया कि जिन कर्मचारियों ने 5,000 रुपए या 6,500 रुपए की तत्कालीन वेतन सीमा से अधिक वेतन में योगदान दिया था और जिन कर्मचारियों ने ईपीएस-95 के सदस्य होने के दौरान संशोधित योजना के साथ कर्मचारी पेंशन योजना के तहत ऑप्शन चुना था, वह हायर पेंशन कवरेज के लिए पात्र हैं। वहीं एलिजिबल सब्सक्राइबर को बढ़े हुए लाभ के लिए अपने एम्प्लॉयर के साथ संयुक्त रूप से आयुक्त द्वारा निर्धारित आवेदन पत्र और अन्य सभी आवश्यक दस्तावेजों जैसे संयुक्त घोषणा आदि में आवेदन करना होगा।

टमाटर की कीमतों पर अभी नहीं लगेगी लगाम, और महंगा होगा

- खुदरा बाजार में 160 से 180 रुपए किलो तक पहुंच चुकी कीमतें

(एजेंसी), नई दिल्ली ।

पिछले करीब एक महीने से बढ़ रही टमाटर की कीमतों पर अभी ब्रेक लगता भी नजर नहीं आ रहा है। खुदरा बाजार में 160 से 180 रुपए प्रति किलोग्राम तक पहुंच चुकी कीमतों की वजह से यह बहुत से लोगों की थाली से भी गायब हो गया है। वहीं टमाटर के थोक व्‍यापारियों की मानें तो आने वाले कुछ दिनों में अभी टमाटर के दामों में उछाल जारी रहने वाला है। फिलहाल लोगों को बिना टमाटर के ही खाना बनाने की आदत डालनी होगी। बता दें कि पिछले साल भी टमाटर के दाम काफी ऊपर गए थे। हालांकि उस दौरान टमाटर फुटकर में 100 रुपए तक पहुंचा था। जून के महीने में बारिश के चलते पिछले साल टमाटर की फसल खराब हो गई थी और जुलाई तक थोक मंडियों में टमाटर के भाव 40-60 रुपए प्रति किलोग्राम जबकि फुटकर में करीब 80 से 100 रुपए प्रति किलो की दर से बेचे गए थे। हालांकि इस बार टमाटर बहुत ज्यादा महंगा हो गया है। दिल्ली की आजादपुर मंडी में टमाटर के एक थोक आढ़ती बताते हैं कि करीब छह महीने पहले से पूरे देशभर में टमाटर की कीमत सामान्य थी। एक महीने पहले तक थोक में इंदौर, गुजरात और हरियाणा से आने वाले टमाटर की कीमत 3 से 7 रुपए प्रति किलोग्राम के बीच थी जबकि किसान की लागत इससे कहीं ज्यादा आ रही थी। ऐसे में कई जगहों पर किसानों ने टमाटर की फसल को खेतों में ही छोड़ दिया। कम कीमत की वजह से अगली फसल में टमाटर की बुवाई भी नहीं की, कुछ बारिश की मार भी पड़ गई। जिसकी वजह से पिछले एक महीने में जो भी टमाटर का स्टॉक था, वह बाजार में उतारा गया और कीमतें चढ़ती गईं। उन्होंने बताया कि सो फिलहाल टमाटर की सप्लाई पूरे भारत में है और एक हफ्ते में हिमाचल प्रदेश से आ रहा टमाटर भी खत्म होने जा रहा है। इसके बाद अब कर्नाटक के बंगलुरू की फसल आएगी लेकिन टमाटर की कमी के चलते वहीं इसकी मांग बहुत ज्यादा है, जिसके चलते उत्तर भारत के दिल्ली, पंजाब, यूपी, हरियाणा में टमाटर कम मात्रा में पहुंच रहा है। बंगलुरू के अलावा अब सोलापुर, पीपल गांव, नारायण गांव से टमाटर की फसल आएगी लेकिन ये फसल अभी एक से डेढ़ महीने तक मार्केट में पहुंचेगी।

पेट्रोल और डीजल की कीमत कई शहरों में बढ़ी

- ब्रेंट क्रूड 78.47 डॉलर प्रति बैरल

(एजेंसी), नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में रविवार को कोई बदलाव नहीं है। डब्ल्यूटीआई क्रूड 73.86 डॉलर प्रति बैरल पर बिक रहा है, वहीं ब्रेंट क्रूड 78.47 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। देश में तेल मार्केटिंग कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल के ताजा रेट जारी कर दिए हैं। भारत में हर सुबह 6 बजे ईंधन के दामों में संशोधन किया जाता है। महाराष्ट्र में पेट्रोल 57 पैसे और डीजल 54 पैसे महंगा हुआ है। पश्चिम बंगाल में पेट्रोल 44 पैसे और डीजल 41 पैसे महंगा हुआ है। हरियाणा में पेट्रोल और डीजल की कीमत में 21 पैसे की बढ़त देखने को मिल रही है। छत्तीसगढ़ में पेट्रोल 60 पैसे और डीजल 59 पैसे महंगा हुआ है। एमपी, पंजाब और उत्तर प्रदेश में भी ईंधन महंगा हुआ है। दूसरी ओर, झारखंड, हिमाचल प्रदेश, गोवा और ओडिशा में पेट्रोल और डीजल के दाम में गिरावट आई है। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.74 रुपए और डीजल 94.33 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.65 रुपए और डीजल 89.82 रुपए प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 96.58 रुपए और डीजल 89.75 रुपए प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपए और डीजल 89.76 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.24 रुपए और डीजल 94.04 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपए और डीजल 79.74 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

जूनियर महिला हॉकी हॉकी टीम को मानसिक रुप से बेहतर बनाने पर रहेगा ध्यान : कोच

बेंगलुरु । भारतीय जूनियर महिला हॉकी हॉकी टीम के नये कोच तुषार खांडेकर ने कहा है कि राष्ट्रीय शिविर के दौरान उनका ध्यान टीम की गतिशीलता और मानसिक मजबूती को बेहतर बनाने पर रहेगा। भारतीय टीम इसी साल 29 नवंबर से 10 दिसंबर तक चिली में होने वाले एफआईएच जूनियर महिला विश्व कप की तैयारियों के लिए अभी भारतीय खेल प्राधिकर परिसर में अभ्यास कर रही है। गत माह जूनियर महिला एशिया कप में जीत के साथ ही भारतीय टीम का मनोबल बढ़ा हुआ है। यह पहली बार है जब भारतीय टीम ने ये खिताब जीता है। खांडेकर ने कहा कि अगर भारत को जूनियर महिला विश्व कप जीतना है तो प्रशिक्षण शिविर में उसे पूरा ध्यान देना होगा। खांडेकर ने कहा कि हमारा ध्यान अब टीम को आने वाले प्रमुख टूर्नामेंटों में जीत दिलाने पर है। विश्व कप में कुछ ही मा समय बचा है। भारत ने जूनियर एशिया कप जीतने के आधार पर जूनियर विश्व कप के लिए सीधे प्रवेश हासिल किया है। खांडेकर ने कहा कि प्रशिक्षण शिविर टीम के लिए अपनी रणनीति को बेहतर बनाने, के साथह ही अपनी तकनीक में सुधार करने और खेल की गति बढ़ाने के लिए भी अहम रहेगा। हम इसके अलावा अनुशासन, टीम वर्क और मानसिक क्षमता बढ़ाने पर भी ध्यान देंगे। के महत्व पर जोर देंगे।

विश्व कप क्वालीफायर फाइनल में श्रीलंका ने नीदरलैंड को 128 रन से हराया

हरारे :

सहान अराच्चिगे (57) के जुझारू अर्द्धशतक और महीष तीक्षणा (31/4) की अगुवाई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत श्रीलंका ने एकदिवसीय विश्व कप क्वालीफायर (**ODI World Cup qualifier**) के फाइनल में रविवार को नीदरलैंड को 128 रन से रौंदकर खिताब अपने नाम किया। सहान के अर्द्धशतक की सहायता से श्रीलंका ने नीदरलैंड के सामने 234 रन का लक्ष्य रखा। नीदरलैंड इसके जवाब में 105 रन पर ऑलआउट हो गई। युवा ऑफ-स्पिनर तीक्षणा ने 6.3 ओवर में 31 रन देकर सर्वाधिक 4 विकेट लिए। दिलशन मदुशंका ने सात ओवर में 18 रन देकर तीन विकेट लिए जबकि वानिंदू हसरंगा ने सात ओवर में 35 रन देकर दो सफलताएं हासिल कीं। नीदरलैंड ने खिताबी मुकाबले में टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया और श्रीलंका की धीमी शुरुआत के बाद उसके दोनों सलामी बल्लेबाजों को 44 रन पर पवेलियन लौटा दिया। पथुम निसंका ने 33 गेंद पर तीन चौकों की सहायता से 23 रन बनाए जबकि सदीरा समरविक्रमा ने 23 गेंद पर 19 रन का योगदान दिया। शुरुआती झटकों के बाद कुसल मेंडिस और सहान ने पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों ने तीसरे विकेट के लिए 72 रन की साझेदारी की। मेंडिस ने 52 गेंद पर 5 चौकों और 1 छक्के की सहायता से 43 रन बनाए और उनका विकेट गिरने के बाद सहान ने चरित असलंका (36 गेंद, 36 रन) के साथ भी 5वें विकेट के लिए 64 रन जोड़े। सहान ने श्रीलंका के लिए 71 गेंद पर चार चौके लगाकर सर्वाधिक 57 रन बनाए। इसके अलावा हसरंगा (21 गेंद, 29 रन) और मतीशा पथिराना (30 गेंद, 13 रन) ने श्रीलंका को ऑलआउट होने से पहले 47.5 ओवर में 233 रन तक पहुंचाया। यह स्कोर नीदरलैंड के लिए बहुत बड़ा साबित हुआ। डच टीम के लिए सलामी बल्लेबाज मैक्स ओडाउड ने सर्वाधिक 33 रन बनाए, हालांकि इसके लिए उन्होंने 63 गेंदें भी खेलीं। लोगन वान बीक ने 20 रन का योगदान दिया जबकि 8 डच बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू सके। विश्व कप क्वालीफायर की शीर्ष दो टीमें होने के नाते श्रीलंका और नीदरलैंड अक्टूबर-नवंबर में एकदिवसीय विश्व कप 2023 में हिस्सा लेंगी।

लक्ष्य सेन कनाडा ओपन के फाइनल में पहुंचे, सिंधु हारीं

कालगैरी ।

भारत के लक्ष्य सेन कनाडा ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंच गये हैं पर पीवी सिंधु हार के साथ ही बाहर हो गयी हैं। लक्ष्य ने पुरुष एकल में जापान के केंटा निशिमोटो को सीधे गेम में 21-17 21-14 से हराकर अपने दूसरे सुपर 500 फाइनल में जगह बनाई। यह एक साल में उनका पहला बीडब्ल्यूएफ फाइनल भी होगा।। अब फाइनल में उनका मुकाबला चीन के लि शि फेंग से होगा जिसमें वह जीत के प्रबल दावेदार हैं क्योंकि उनका जीत का रिकॉर्ड 4-2 का है। लक्ष्य सेमीफाइनल के शुरु में 0-4 से पिछड़ रहे थे लेकिन जल्द ही उन्होंने 8-8 से बराबरी हासिल की। ब्रेक तक निशिमोटो 11-10 से बढ़त बनाए थे लेकिन जल्द ही भारतीय खिलाड़ी ने अपने पसंदीदा स्मैश और तेज रिटर्न से वापसी की और अपने प्रतिद्वंद्वी के लांग शॉट से गेम अपने नाम किया। दूसरे गेम में दोनों ने एक दूसरे को बराबरी की टक्कर दी लेकिन सेन की सतर्कता निशिमोटो पर भारी पड़ी। एक समय 2-2 के समान स्कोर के बाद दोनों 9-9 की बराबरी पर थे। ब्रेक तक सेन ने दो अंक की बढ़त बना ली। ब्रेक के बाद सेन 19-11 से आगे थे और निशिमोटो के फिर से नेट पर शॉट लगाने से भारतीय खिलाड़ी ने मुकाबला जीत लिया। वहीं महिला एकल के सेमीफाइनल में सिंधु को जापान की नंबर एक खिलाड़ी अकाने यामागुची ने 14-21 15-21 से हरा दिया। सिंधु इस मुकाबले में अपनी विरोधी खिलाड़ी के सामने लय में नहीं दिखीं जिससे उन्हें हार का सामना करना पड़ा।

भारत के प्रियांश ने विश्व तीरंदाजी में स्वर्ण पर निशाना लगाया

लिमेरिक । भारतीय तीरंदाज प्रियांश ने यहां जारी विश्व तीरंदाजी युवा चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीता है। प्रियांश ने पुरुष अंडर-21 व्यक्तिगत फाइनल में स्लोवेनिया के अलजाज ब्रेंक को आसानी से 147-141 से हराकर पुरुष अंडर-21 चैम्पियन खिताब अपने नाम किया। इसी के साथ ही इस चैम्पियनशिप में भारतीय टीम के अब कुल 9 पदक हो गये हैं। इससे पहले भारत की ही अदिति स्वामी ने अमेरिका की लिएन ड्रेक को हराकर अंडर-18 महिला विश्व चैम्पियन का खिताब जीता था। पिछले माह विश्व कप में अंडर-18 कम्पाउंड महिला क्वालीफाइंग रिकॉर्ड बनाने वाली अदिति ने जीत के सिलसिले को बनाये रखते हुए यहां जारी युवा विश्व चैम्पियनशिप के फाइनल में लिएन को 142-136 से हराया। अदिति ने पिछले महीने कोलंबिया में विश्वकप में टीम कांस्य पदक जीता था। अदिति ने पिछले साल शारजाह में एशिया कप के तीसरे चरण में में व्यक्तिगत रजत पदक भी हासिल किया था।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने पहले टी20 में बांग्लादेश को सात विकेट से हराया

ढाका ।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने बांग्लादेश दौरे की शुरुआत जीत से की है। कप्तान हरमनप्रीत कौर और स्मृति मंधाना की अच्छी बल्लेबाजी से भारतीय टीम ने पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में बांग्लादेश पर सात विकेट से जीत हासिल की है। हरमनप्रीत ने तेजी से खेलते हुए 35 गेंदों में नाबाद 54 रन बनाये जबकि मंधाना ने 38 रनों का योगदान दिया। इस मैच में बांग्लादेश की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए पांच विकेट पर 114 रन ही बना। इस प्रकार भारतीय टीम को जीत के लिए 115 रनों का लक्ष्य मिला। भारतीय टीम ने ये लक्ष्य 16 ओवर और दो गेंदों में तीन विकेट खोकर 118 रन बनाकर हासिल कर लिया।

भारत की ओर से दीप्ति शर्मा ने कसी हुई गेंदबाजी कर बांग्लादेशी बल्लेबाजों पर अंकुश लगाये रखा हालांकि उन्हें विकेट नहीं मिला। मीनू मणी , पूजा वस्त्रार और शैफाली वर्मा ने एक-एक विकेट लिया। बांग्लादेश की ओर से सोर्ना अख्तर ने सबसे ज्यादा 28 रन बनाये।

भारत की ओर से स्पिनर शेफाली वर्मा ने तीन ओवर में 18 रन देकर एक विकेट लिया। शमीमा सुल्ताना 17 रन बनाकर आउट हुईं। पूजा वस्त्राकर ने फिर शाथी रानी 22 रन को आउट किया। अनुभवी निगार सुल्ताना 02 रन ही बना पायी। शेफाली ने शोभना मोस्त्री को 23 रन रन पर आउट किया।

संक्षिप्त समाचार

हेड के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 5,000 रन पूरे हुए

लीड्स । ऑस्ट्रेलिया के बाएं हाथ के बल्लेबाज ट्रैविस हेड ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपने 5,000 रन पूरे कर लिए हैं। हेड ने हेडिंग्ले में इंग्लैंड के खिलाफ जारी तीसरे एशेज टेस्ट में यह उपलब्धि अपने नाम की। पहली पारी में हेड ने 74 गेंदों में 39 रन रन बनाये और मिशेल मार्श के साथ 155 रन की साझेदारी कर ऑस्ट्रेलियाई पारी को संभाला। वहीं दूसरी पारी में हेड ने मुश्किल हालात में 77 रन की पारी खेलकर अपनी टीम को संभाला। इसी दौरान वह पांच हजार के आंकड़े तक पहुंचे। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 111 मैचों में हेड ने 42.20 की औसत से अब तक 5,065 रन बनाए हैं। उनका स्ट्राइक रेट 76.55 का रहा है। उन्होंने 132 पारियों में 9 शतक और 30 अर्द्धशतक अबतक लगाये हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 175 रन रहा है। टेस्ट में वह सबसे सफल रहे हैं। उन्होंने 40 टेस्ट मैचों में 46.80 की औसत और 64.08 की स्ट्राइक रेट से अबतक 2,808 रन बनाए हैं। उन्होंने 65 पारियों में छह शतक और 16 अर्धशतक भी लगाये हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 175 रन है। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया की ओर से 54 एकदिवसीय मैचों की 51 पारियों में 40.68 की औसत और 96.81 की स्ट्राइक रेट से 1,912 रन बनाए हैं। हेड ने इस प्रारूप में तीन शतक और 14 अर्धशतक लगाये हैं जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 152 रन है। हेड ने ऑस्ट्रेलिया की ओर से 17 टी20 मैच भी खेले हैं जिसमें उन्होंने 26.53 की औसत से 345 रन बनाए हैं। इस प्रारुप में उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 48 रन और स्ट्राइक रेट 133.20 है।

डोप जांच में विफल रहे करणवीर , एशियाई एथलेटिक्स से बाहर हुए

नई दिल्ली । डोप जांच में असफल होने के कारण गोला फेंक खिलाड़ी करणवीर सिंह एशियाई एथलेटिक्स से बाहर हो गये हैं। एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप 12-16 जुलाई के बीच बैंकाक में होगी। पटियाला में राष्ट्रीय खेल संस्थान (एनआईएस) में प्रशिक्षण लेने वाले करणवीर को इस महाद्वीपीय चैंपियनशिप के लिए 54 सदस्यीय भारतीय टीम में शामिल किया गया था पर डोप जाने में पॉजिटिव पाये जाने पर बाहर हो गये। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) के अध्यक्ष आदिल सुमरिवाला ने भी करणवीर के डोप जांच में विफल होने को सही बताया है। उन्होंने कहा, ''हां, यह सही है। इस डोप जांच में हालांकि सही तारीख और प्रतिबंधित पदार्थ के नाम की जानकारी नहीं दी गयी है। करणवीर ने मई में फेडरेशन कप में 19.05 मीटर के साथ कांस्य पदक जीता था, जबकि जून में राष्ट्रीय अंतर-राज्य चैंपियनशिप में 19.78 मीटर के प्रयास के साथ वह एशियाई रिकॉर्ड धारक तजिंदरपाल सिंह तूर के बाद दूसरे स्थान पर रहे थे। वह मौजूदा सत्र की सूची में एशियाई खिलाड़ियों में छठे स्थान पर हैं। करणवीर का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 20.10 मीटर है, जो उन्होंने पिछले साल राष्ट्रीय ओपन चैंपियनशिप में किया था। कारणवीर के बाहर होने के बाद अब तूर एशियाई चैंपियनशिप में पुरुषों की गोला फेंक स्पर्धा में अकेले भारतीय होंगे। वहीं भारतीय एथलेटिक्स टीम के मुख्य कोच राधाकृष्णन नायर ने कहा, '' तूर के पास स्वर्ण पदक जीतने का सुनहरा मौका है। तूर ने दोहा में चैंपियनशिप के 2019 सत्र में 20.22 मीटर के थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता था।

कैफ ने पुजारा को वेस्टइंडीज दौरे से बाहर रखने पर नाराजगी जतायी

रहाणे को उपकप्तान बनाया जाना भी गलत

मुम्बई।

पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने वेस्टइंडीज दौरे के लिए अनुभवी बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा को शामिल नहीं किये जाने पर नाराजगी जतायी है। कैफ ने कहा कि चयन का तरीका उन्हें समझ नहीं आया। कई खिलाड़ियों ने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में रन नहीं बनाये पर केवल पुजारा को ही बाहर रखा गया। कैफ ने इस प्रकार के फैसले पर चिंता जताई है। पुजारा डब्ल्यूटीसी फाइनल की दोनो पारियों में रन नहीं बना पाये थे। इसके बाद वेस्टइंडीज दौरे के लिए चयनित टीम उन्हें जगह नहीं मिली।

कैफ ने कहा कि टीम प्रबंधन को निर्णायक विकल्प चुनने की जरूरत है। कैफ ने टीम द्वारा की गई रणनीतिक गलतियों को लेकर कहा, डब्ल्यूटीसी में केवल पुजारा ही नहीं कई अन्य खिलाड़ियों ने भी रन नहीं बनाये थे पर ऐसा लगता है कि केवल एक खिलाड़ी को ही निशाना बनाया गया है।, ऐसा लगता है कि पुजारा को हमेशा बाहर किया जा रहा है। यह समझना कठिन है कि उन्हें क्यों बाहर रखा गया है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ डब्ल्यूटीसी फाइनल में भारत ने पहले गेंदबाजी करते हुए 469 रन दिए और दोनों पारियों में 300 रन तक भी नहीं पहुंच पायी।

उन्होंने कहा, अगर पुजारा जैसा कोई व्यक्ति आपकी दीर्घकालिक योजनाओं में नहीं है, तो आपको यह निर्णय लेना होगा। यही बात अनुभवी आजिंक्या रहाणे के लिए भी लागू होती है। एक बार जब आपके पास युवा खिलाड़ी हों, तो रहाणे और पुजारा से आगे बढ़ें। उनके फॉर्म में वापस आने और फिर उन्हें वापस लाने का इंतजार न करें। यहां देखा गया कि रहाणे ने विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप में रन बनाये। इस कारण उन्हें पिछले खराब फार्म के बाद भी टीम में बनाये रखा गया। कैफ ने काउंटी प्रदर्शन के आधार पर पुजारा को वापस बुलाने और वेस्टइंडीज दौरे के लिए रहाणे को उपकप्तान बनाने को भी गलत बताया। कैफ ने कहा कि चयनकर्ताओं को अपने फैसले खिलाड़ियों को स्पष्ट रूप से बताने चाहिसे। साथ ही कहा कि एक बार विकल्प चुनने के बाद आगे बढ़ने की जरूरत होती है। उन्होंने कहा कि अनुभवी खिलाड़ी को बिना किसी स्पष्ट नीति के हटाना और वापस बुलाना भविष्य के लिए सही नहीं रहेगा।

भारतीय टीम एशिया कप के लिए नहीं आती तो पाक भी विश्वकप के लिए नहीं भेजेगा टीम : खेलमंत्री

लाहौर । पाकिस्तान के खेल मंत्री अहसान मजारी ने कहा है कि अगर भारतीय टीम एशिया कप खेलने उनके यहां नहीं आती है तो विश्वकप के लिए पाक टीम को भी भारत नहीं भेजा जाएगा। मजारी उस कमेटी में शामिल हैं जिससे ये तय करना है कि विश्वकप के लिए टीम भारत भेजी जाय या नहीं। मजारी ने कहा है कि = वर्ल्ड कप की तारीखों का ऐलान हो चुका है। सारी टीमों ने अपनी तैयारियों को आखिरी रंग देना शुरू कर इससे पहले पाक प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने टीम के भारत जाने का फैसला करने को लेकर एक कमेट बनाई है इसमें मजारी भी शामिल हैं और इसके प्रमुख बिलावल भुट्टो हैं। मजारी के अनुसार अगर भारत एशिया कप के दौरान अपने मुकाबले पाक में न खेलकर तटस्थ मैदान पर रखने की मांग करता है तो हम भी भारत में होने वाले विश्व कप के दौरान किसी तटस्थ स्थल पर खेलने की मांग करेंगे। मजारी ने कहा, पाक क्रिकेट बोर्ड खेल मंत्रालय के अधीन आता है और ये मेरी व्यक्तिगत राय है कि अगर भारत एशिया कप जिए जिस प्रकार की मांग कर रहा है उसी प्रकार की मांग हमें भी रखनी चाहिये। पाकिस्तान भी विश्व कप के दौरान ऐसी ही डिमांग रखेगा। यहां यह बताना जरूरी हो जाता है कि पाकिस्तान सरकार द्वारा गठित इस कमेटी के अध्यक्ष विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी हैं और इसमें 11 मंत्री भी शामिल हैं। समिति अपनी रिपोर्ट प्रधानमंत्री को सौंप देगी और आखिरी फैसला उन्हीं को लेना है।

सबाह बने एशिया ओलंपिक परिषद के अध्यक्ष

बैंकाक । शेख तलाल फहद अल सबाह एशियाई ओलंपिक परिषद (ओसीए) के नये अध्यक्ष बने हैं। फहद से पहले इस पद पर बैठे उनके भाई शेख अहमद को घोटाले के कारण निलंबित कर दिया गया था। फहद ने ओसीए अध्यक्ष पद के लिए हुए चुनाव को चार वोट से जीत लिया था। उनके पिता शेख फहद अल अहमद अल जबर भी साल 1980 में पहली बार इस संगठन के अध्यक्ष बने थे। वहीं उनके भाई शेख अहमद अल फहद अल सबाह साल 1991 से 2021 तक ओसीए के अध्यक्ष रहे थे पर जिनीवा में घोटाले के लिए दोषी ठहराए जाने के बाद उन्हें निलंबित कर दिया गया था। उन्होंने हालांकि आरोपों से इनकार किया और इसके खिलाफ अपील भी की थी पर आसीए ने मानने से इंकार कर दिया। ओसीए के पूर्व महासचिव रणधीर सिंह साल 2021 से ही अंतरिम आधार पर अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी संभाल रहे। आसीए में 45 देश शामिल हैं।

एकदिवसीय विश्वकप में हिस्सा नहीं लेने वाले खिलाड़ी ही एशियाई खेलों के लिए भेजे जाएंगे : बीसीसीआई

मुंबई ।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कहा है कि एशियाई खेलों के लिए उन खिलाड़ियों को भेजा जाएगा जो एकदिवसीय विश्वकप के लिए चयनित टीम में शामिल नहीं होंगे। बीसीसीई की शीर्ष परिषद ने इससे पहले एशियाई खेलों के लिए पुरुष और महिला टीम भेजने की अनुमति दे दी थी। बीसीसीआई के अनुसार विश्व कप 2023 में हिस्सा न लेने वाले खिलाड़ी ही एशिया कप के लिये चयनित किये जाएंगे। साथ ही कहा कि इन टोर्मे के स्तर में अधिक अंतर नहीं होगा। एशिया कप का आयोजन 23 सितंबर से आठ अक्टूबर के बीच होना है, जबकि विश्व कप पांच अक्टूबर से शुरु होगा। वहीं बीसीसीआई के सचिव जय शाह ने कहा कि बोर्ड संन्यास ले चुके खिलाड़ियों को विदेशी टी20 लीग में जाने से रोकने के लिए एक नीति भी तैयार करेगा। बीसीसीआई का मानना है कि विदेशी लीग के आकर्षण में खिलाड़ी समय से पहले संन्यास ले रहे हैं। वहीं बोर्ड ने घरेलू सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में आईपीएल के इम्पैक्ट प्लेयर नियम को जारी रखने का फैसला लिया है। शाह ने कहा, इसमें टीमों को टॉस से पहले अपनी एकादश और चार स्थानापन्न खिलाड़ी चुनने होंगे। टीमें मैच के किसी भी समय इम्पैक्ट प्लेयर का इस्तेमाल कर सकती हैं। वहीं सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के पिछले सीजन में एक टीम इम्पैक्ट प्लेयर को पारी के 14वें ओवर से पहले ही इस्तेमाल कर सकती थी। इसके अलावा गेंदबाजों के भी राहत मिली है। अब सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी गेंदबाज एक ओवर में दो बाउंसर फेंक सकेंगे।

यूजीन में नीया अली ने यूएसएटीएफ चैम्पियनशिप में 100 मीटर बाधा दौड़ जीती।

गुजरात भाजपा प्रमुख ने कहा- अमरनाथ यात्रा में फंसे कई गुजरातियों का रेस्क्यू किया गया

अहमदाबाद। खराब मौसम के चलते गुजरात से अमरनाथ गए कई यात्री बीच रास्ते में फंस गए हैं। जिन्हें सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने का वहां के प्रशासन द्वारा प्रयास किया जा रहा है। गुजरात प्रदेश भाजपा प्रमुख सीआर पाटील ने ट्वीट कर दावा किया है कि 19 गुजराती श्रद्धालुओं को रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा दिया गया। दूसरी ओर गुजरात कांग्रेस प्रमुख शक्तिसिंह गोहिल ने सीएमओ और पीएमओ को टेग कर गुजराती श्रद्धालुओं के उचित व्यवस्था करने की अपील की है। गुजरात समेत देशभर में भारी बारिश के चलते जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। गुजरात से अमरनाथ यात्रा के लिए निकले कई श्रद्धालु खराब मौसम के कारण फंस गए हैं। जिनमें से कई श्रद्धालुओं को रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थान पर पहुंचा दिया गया होने का गुजरात प्रदेश प्रमुख सीआर पाटील ने दावा किया है। सीआर पाटील ने अपने ट्वीट में कहा 'आज सुबह सूरत के 19 से अधिक श्रद्धालुओं का रेस्क्यू कर लिया गया है। जिसमें रीना और हितेष धारिया, कृष्णा और तेजस दोहिवाला, अस्मि और दीपेश चेवली, पिनल और निशान काचीवाला, ज्योति और समीर कापडिया, मीता और जनक दोहिवाला, भूमिका और लक्ष्मीनारायण चौक्सी, दीप्ति कबूतरवाला, पायल और विशाल कटारीवाला, निलेश और खुश्बू जरीवाला को रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थान पर पहुंचा दिया गया है। जबकि अन्य श्रद्धालुओं को रेस्क्यू करने का प्रयास जारी है। लेकिन खराब मौसम के कारण प्रभावित क्षेत्र में हेलिकॉप्टर या रेस्क्यू टीम का पहुंचना काफी मुश्किल हो रहा है। फंसे श्रद्धालुओं को जब तक रेस्क्यू नहीं किया जाता तब तक उन्हें हरसंभव सहायता उपलब्ध हो इसके लिए वहां के प्रशासन से लगातार संपर्क जारी है।' दूसरी ओर गुजरात प्रदेश कांग्रेस प्रमुख शक्तिसिंह गोहिल ने भी श्रद्धालुओं को लेकर एक ट्वीट किया है। गोहिल ने अपने ट्वीट में 'अमरनाथ यात्रा में फंसे गुजरातियों के लिए उचित व्यवस्था करने की मांग की है।' शक्तिसिंह गोहिल ने ट्वीट में सीएमओ और पीएमओ को टेग कर मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री से यह अपील की है। अमरनाथ यात्रा रूट पर पंचतरण बेज कैम्प में 4 दिन से भी अधिक समय से गुजरात के कई यात्री फंसे हुए हैं। नीचे जाने की कोई व्यवस्था ही नहीं असुविधा और कठिन परिस्थितियों में श्रद्धालु फंसे हुए हैं। कई यात्री बीमार हैं ऐसे यात्रियों का तत्काल रेस्क्यू कर नीचे ले जाने की मांग की है।

नलिया में दो घंटे के भीतर 5 ईंच बारिश, भुज का हमीरसर तालाब हुआ पानी से लबालब

कच्छ। कच्छ में पिछले दो दिनों से लगातार बारिश से ज्यादातर इलाके पानी पानी हो गए हैं। कच्छ के नलिया में दो घंटे के भीतर 5 ईंच बारिश के कारण जहां देखो वहां पानी ही पानी नजर आ रहा है। जिले के अबडासा में सुबह से अब तक 5 ईंच बारिश हो चुकी है। भारी बारिश के चलते कच्छ के नलिया, अबडासा में जगह जगह जलजमाव हो गया है। भारी बारिश के चलते भुज का हमीरसर तालाब ऑवरफ्लो हो रहा है। जिसे देखते हुए भुज की स्कूलों में कल छुट्टी घोषित कर दी गई है। बता दें कि मौसम विभाग पहले ही आज कच्छ में भारी से अतिभारी बारिश की संभावना व्यक्त कर चुका है। जिसके मुताबिक कच्छ में आज सुबह से मेघा की धमाकेदार बेटिंग जारी है। पूरे कच्छ जिले में बरसाती माहौल है। कच्छ के नलिया में सबसे अधिक 5 ईंच बारिश हुई है। नलिया में दो घंटे के भीतर 5 ईंच बारिश ने पूरे शहर को पानी पानी कर दिया है। भुज और गांधीधाम में 1-1 ईंच बारिश हुई है। कच्छ जिले के अबडासा में आज सुबह से 5 ईंच बारिश हो चुकी है। नलिया और अबडासा में जगह जगह जलजमाव की वजह से लोगों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। तेज हवा और भारी बारिश के कारण कच्छ जिले की रापर तहसील के जेसडा गांव में मकानों की छत हवा हो गई। भारी बारिश की वजह से लोगों के घरों में पानी घुस जाने से खाने-पीने का सामान खराब हो गया है। अबडासा में मूशलाधार बारिश होने से नानीबेर गांव का विजोडा डेम ऑवरफ्लो हो गया है। डेम के ऑवरफ्लो होने से स्थानीय खासकर किसानों में खुशी की लहर दौड़ गई है। वहीं अबडासा की नरेडी गांव स्थित नदी उफान पर है। भारी बारिश की वजह से नरेडी गांव से संपर्क टूट गया है। नरेडी से गढशीशा, हिंगरिया समेत चियासर मार्गों पर पानी भर जाने से आवाजाही ठप हो गई है। कच्छ में मूशलाधार बारिश की वजह से जिले के कई डेम ऑवरफ्लो हो गए हैं। जिसे देखते हुए प्रशासन सतर्क हो गया है और निचले इलाकों के गांवों को अलर्ट कर दिया है। जिला प्रशासन ने मोटी भुजपुर, गेलडा, बेराजा, रामाणिया, तुंबडी नानी इत्यादि गांव के लोगों को अलर्ट कर दिया है।

दुर्घटना में किशोर की मौत के मामले में डम्पर का ड्राइवर गिरफ्तार

अहमदाबाद। शहर के अमराईवाडी क्षेत्र में डम्पर से कुचलकर एक 13 वर्षीय किशोर की मौत हो गई थी। घटना के बाद गुस्साए लोगों ने ड्राइवर की जमकर धुनाई की और डम्पर में आग लगा दी। काफी समझाने के बाद लोगों का गुस्सा शांत हुआ। इस मामले में पुलिस ने डम्पर के चालक को गिरफ्तार कर लिया है। जबकि डम्पर मालिक परिवार समेत फरार हो गया है। जानकारी के मुताबिक अहमदाबाद के अमराईवाडी क्षेत्र की चाचानगर की चाली में रहनेवाला 13 वर्षीय पारस नंदकिशोर वैश्य शनिवार की रात अपने घर से आंटा लेने निकला था। नागरवेल हनुमान मंदिर के निकट पारस सड़क पार कर रहा था तब एक डम्पर ने उस अपनी चपेट में ले लिया। इस हादसे में पारस की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना से गुस्साए आसपास के लोगों ने डम्पर के ड्राइवर को पकड़ लिया और जमकर धुनाई कर दी। कुछ गुस्साए लोगों ने डम्पर को आग लगा दी। खबर पाते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने लोगों को बड़ी मुश्किल से समझाकर शांत करवाया। पारस के पिता नंदकिशोर वैश्य ऑटो चलाकर परिवार का जीवनयापन करते हैं। पारस की माता की पहले ही मौत हो चुकी है। परिवार में पिता नंदकिशोर वैश्य, 13 वर्षीय पारस और 16 वर्षीय बहन थी। जिसमें अब पारस भी दुनिया छोड़ गया है। पुलिस ने इस मामले में डम्पर के चालक को गिरफ्तार कर लिया है। जबकि डम्पर मालिक को जो परिवार समेत फरार हो गया है, उसकी तलाश शुरू की है।

राष्ट्रीय मत्स्य किसान दिवस : समुद्री मछली उत्पादन में देशभर में गुजरात पहले पायदान पर

गाँधीनगर । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ब्लू इकोनॉमी पर लगातार दिए जा रहे जोर और गुजरात सरकार के विभिन्न प्रोत्साहन जनक नीतियों के कारण गुजरात में मछली उत्पादन और मत्स्य किसान दिनोंदिन समृद्ध हो रहे हैं। राज्य की इस ब्लू इकोनॉमी व मत्स्य किसानों को और प्रोत्साहित करने के लिए मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल के नेतृत्व में गुजरात की सरकार राज्य में राष्ट्रीय मत्स्य किसान दिवस को सेलिब्रेट कर रही है। गौरतलब है कि राष्ट्रीय मत्स्य किसान दिवस हर साल 10 जुलाई को मनाया जाता है और देश के समुद्री किनारे पर स्थित राज्य इसे सेलिब्रेट करते हैं। गुजरात में इस वर्ष 10 जुलाई को वेरावल में और 11 जुलाई को पोरबंदर, जाफराबाद, मंगरोल और ओखा में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इस कार्यक्रम में गुजरात सरकार की ओर फिशरीज़ सेक्टर से संबंधि मॉडर्न टेक्नोलॉजी के बारे में मत्स्य किसानों को जानकारी दी जाएगी।

समुद्री मछली के उत्पादन में गुजरात देश में सबसे आगे

राष्ट्रीय मत्स्य किसान दिवस के कुछ दिन पहले हाल के आँकड़ों से यह ज्ञात हुआ है कि गुजरात समुद्री मछली के उत्पादन में देश में सबसे आगे है और वहीं सभी प्रकार के स्रोतों से कुल मछली उत्पादन में देश में पाँचवें स्थान पर है। पिछले 4 सालों की बात करें तो गुजरात में मछली उत्पादन का आंकड़ा औसतन लगभग 8.5 लाख टन प्रति वर्ष रहा है। वहीं, वर्ष 2022-23 में राज्य में प्रोविजनल समुद्री मछली उत्पादन 6,97,151 मीट्रिक टन जबकि अंतर्देशीय मछली उत्पादन 2,07,078 मीट्रिक टन रहने की संभावना है। इस प्रकार, वर्ष 2022-23 में गुजरात राज्य का कुल मछली उत्पादन लगभग 9,04,229 मीट्रिक टन रहने की संभावना है। उल्लेखनीय है कि गुजरात में देश का सबसे लंबा तटीय क्षेत्र जो कि 1600 किमी. है, मौजूद है जिसका सीधा लाभ यहाँ के मत्स्य किसान और मत्स्य उद्योग को होता है।

2018 की तुलना में मछुआरों की आय डेढ़ गुना बढ़ी

गुजरात सरकार की सकारात्मक और प्रोत्साहक नीतियों का सीधा लाभ मत्स्य किसानों की आय में देखने को मिला है। पिछले 4 सालों में मत्स्य किसानों की आय में लगभग डेढ़ गुना बढ़ोतरी हुई है। 2018 में मत्स्य किसानों की आय 6.56 लाख रुपए प्रति परिवार/प्रति वर्ष थी जो अब बढ़कर 10.89 लाख रुपए प्रति मत्स्य किसान परिवार/प्रति वर्ष हो गई है। नवीनतम आंकड़ों के अनुसार किसानों की आय इस वर्ष वार इस तरह से बढ़ी, वर्ष 2018 में 6.56 लाख, 2019 में 6.80 लाख, 2020 में 7.39 लाख, 2021 में 8.51 लाख और 2022 में 10.89 लाख प्रति परिवार/ प्रति वर्ष गई है।

प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना मछली पालन को दे रही है बढ़ावा

'प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना' के तहत वर्ष 2022-23 में गुजरात में विभिन्न घटक परियोजनाओं के लिए भारत सरकार द्वारा कुल 286.53 करोड़ रुपये की मंजूरी दी गई है। इससे राज्य में मत्स्य पालन गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2020 में प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना की शुरूआत की थी। प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना भारत सरकार की एक प्रमुख योजना है जो देश में मत्स्य पालन क्षेत्र के लिए केंद्रित और सतत विकास के लिए बनाई गई है।

इस योजना का लक्ष्य 2024-25 तक मछली उत्पादन को 70 लाख टन तक बढ़ाना है और 2024-25 तक मत्स्य उद्योग की निर्यात आय को 1,00,000 करोड़ रुपये तक बढ़ाना है। वर्तमान में भारत में मत्स्य उत्पादन 16248.27 हजार मीट्रिक टन है और निर्यात का आंकड़ा 13,69,264 मीट्रिक टन है। वहीं इस टोटल फिश क्वान्टीटी एक्स्पोर्ट में गुजरात की बात करें तो यह आँकड़ा 16.9 प्रतिशत यानी 2,32,619 मीट्रिक टन है।

गुजरातभर में आगामी 24 घंटे भारी बारिश की संभावना, मौसम की अब तक 38 प्रतिशत बारिश

अहमदाबाद। अगले 24 घंटे गुजरातभर में भारी बारिश का मौसम विभाग का पूर्वानुमान है। गुजरात में मौसम की अब तक औसत 13.21 ईंच यानी 38 फीसदी बारिश हो चुकी है। जो पिछले साल इसी अवधि के दौरान 23.50 प्रतिशत हुई थी। राज्यभर में हो रही मूशलाधार बारिश के कारण नदी-नाले छलक गए हैं। कई डेम भी ऑवरफ्लो होने लगे हैं। एक साथ तीन बरसाती सिस्टम सक्रिय होने की वजह से गुजरात में लगातार सामान्य से भारी बारिश हो रही है। अगले 24 घंटों के दौरान राज्य में भारी बारिश की संभावना है। मौसम विभाग के मुताबिक दक्षिण गुजरात, सौराष्ट्र, उत्तर और मध्य गुजरात में भारी बारिश होगी। कई इलाकों में तेज हवा के साथ बारिश की संभावना है। जामनगर, देवभूमि द्वारका, गिर सोमनाथ, मोरबी, राजकोट, पोरबंदर, अमरेली, सूरत, तापी, डांग, वलसाड, नवसारी, भरुच, पाटन, बनासकांठा, साबरकांठा, मेहसाणा इत्यादि जिलों में भारी बारिश होगी। जिसे देखते हुए मछुआरों को समुद्र में नहीं जाने की सलाह दी गई है। वहीं मौसम के जानकार अंबालाल पटेल ने कहा कि उत्तर गुजरात में बारिश का अधिक जोर रहेगा। मेहसाणा, बनासकांठा में भारी बारिश की संभावना है। कच्छ और पश्चिम सौराष्ट्र में भी भारी बारिश हो सकती है।

आगामी 15 जुलाई को बंगाल की खाड़ी में एक और डिप्रेशन सक्रिय होगा। 18 से 20 जुलाई के दौरान देशभर में बारिश हो सकती है। गौरतलब है कि इस वर्ष मानसून की अच्छी शुरुआत की वजह से राज्य में अब तक 13.21 ईंच के साथ मौसम की 38 प्रतिशत बारिश हो चुकी है। जबकि गत वर्ष 8 जुलाई तक गुजरात में 1.6। ईंच के साथ मौसम की केवल 23.50 प्रतिशत बारिश हुई थी। इसके अलावा मौजूदा मानसून में 100 प्रतिशत से ज्यादा बारिश कच्छ में हुई है। कच्छ जिले की 10 में से 4 तहसीलों में 100 प्रतिशत से भी ज्यादा बारिश दर्ज हुई है। सबसे अधिक अंजार में 188. 68 प्रतिशत, भुज में 123.69 प्रतिशत, गांधीधाम में 136.39 प्रतिशत और मुंद्रा में 126.88 प्रतिशत बारिश हुई है। जबकि कच्छ के रापर तहसील में सबसे कम 9.92 प्रतिशत से कम बारिश हुई है।

कोलकाता के डिलीवरी बॉय ने वडोदरा की शिक्षिका को लगाया 1.99 लाख का चूना

वडोदरा। मौजूदा दौर में साइबर क्राइम की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। ऐसी ही घटना में कोलकाता के डिलीवरी बॉय ने वडोदरा की एक शिक्षिका को रु. 1.99 लाख चूना लगा दिया। शिक्षिका की शिकायत के आधार पर मामले की जांच कर रही पुलिस ने आखिरकार 15 महीनों की जद्दोजहद के बाद आरोपी युवक को कोलकाता से गिरफ्तार कर पूछताछ शुरू की है। जानकारी के मुताबिक वडोदरा के छाणी में रहनेवाली हेतल मोदी बाजवा की प्राथमिक स्कूल में बतौर शिक्षिका सेवारत हैं। 9 अप्रैल 2022 की रात 9.21 बजे हेतल मोदी के मोबाइल पर कॉल आया। जिसमें सामने वाले शख्स ने अपना परिचय एसबीआई का अधिकारी राजेन्द्र प्रसाद के तौर पर दिया। राजेन्द्र प्रसाद ने हेतल मोदी से कहा कि आपके मोबाइल में एसबीआई की योनो एप बंद है, उसे अपडेट कर लो। उसके लिए आपको को क्लीक सपोर्ट एप्लिकेशन डाउनलोड करनी होगी। जिसके बाद फर्जी बैंक अधिकारी जैसे कहता गया हेतल मोदी वैसे वैसे करती गई। जिसके बाद कथित बैंक अधिकारी ने हेतल मोदी का आईडी प्राप्त किया और उनका मोबाइल कनेक्ट कर लिया। हेतल मोदी का मोबाइल कनेक्ट होते ही आरोपी ने सबसे पहले आईएमपीएस द्वारा रु. 25000 ट्रांसफर कर लिए। अचानक बैंक खाते से रु. 25000 का ट्रांसफर देख हेतल मोदी चौंक उठी। हेतल मोदी कुछ समझे उससे पहले एक के बाद एक अलग ट्रांजेक्शन के जरिए उनके खाते से रु. 1.99 लाख की रकम उड़ गई। जिसके बाद हेतल मोदी को अहसास हुआ कि सामने वाले शख्स कोई बैंक अधिकारी नहीं बल्कि कोई ठग था। हेतल मोदी ने वडोदरा साइबर क्राइम से घटना की शिकायत कर दी। साइबर क्राइम ने करीब 15 महीने की लंबी जद्दोजहद के बाद 19 वर्षीय आपी विनीत रोय नामक युवक को कोलकाता से गिरफ्तार कर लिया। कोलकाता की झुग्गी बस्ती में रहनेवाला विनीत ने केवल 12वीं तक पढ़ाई की है और वह झोमेटो में बतौर डिलीवरी बॉय काम करता है। हांलाकि डिलीवरी बॉय का काम केवल दिखावे के लिए करता है। उसका मुख्य काम ऑनलाइन लोगों को ठगना है और अब तक कई लोगों को चूना लगा चुका है। इससे पहले कोलकाता पुलिस विनीत रोय को ऐसे ही एक मामले में गिरफ्तार कर चुकी है। अब विनीत रोय वडोदरा पुलिस के शिकंजे में है पुलिस उससे पूछताछ कर रही है।

दुबई के इंडोरजेम्स को उजागर करें - भविष्य के संग्रहालयों और विरासत स्थलों से, दुबई के ग्रेट इंडोर्स की भव्यता का अनुभव करें

राष्ट्रीय । दुबई दोनों दुनियाओं की सर्वश्रेष्ठ पेशकश करता है; यह न केवल अपने बाहरी आकर्षणों के लिए जाना जाता है, बल्कि इनडोर गतिविधियों का भी दावा करता है। गर्मियों का अधिकतम लाभ उठाएँ और शहर की इनडोर गतिविधियों में डूब जाएँ। आपके सपनों के गंतव्य की अगली यात्रा के लिए यहां दुबई में कुछ मनोरम इनडोर स्थान दिए गए हैं।

डिजिटल कला का रंगमंच इस आकर्षक सांस्कृतिक आकर्षण से मंत्रमुग्ध होने के लिए खुद को तैयार करें जो कला, प्रौद्योगिकी और मल्टीमीडिया के गहन दृश्य अनुभव प्रदान करता है। यह एक ऐसी जगह है जो बच्चों सहित सभी उम्र के लोगों के लिए उपयुक्त है। डिजिटल आर्ट का थिएटर अपने शानदार प्रदर्शन, इंटैरेक्टिव इंस्टॉलेशन और विभिन्न कलात्मक रूपों की एक श्रृंखला के साथ जीवन के सभी क्षेत्रों के लोगों को मोहित और प्रेरित करेगा। कला प्रेमियों, प्रौद्योगिकी प्रेमियों और अद्वितीय सांस्कृतिक अनुभवों की तलाश करने वाले व्यक्तियों को यह निश्चित रूप से अवश्य आना चाहिए।

ला पेर्ले शो यदि आप लुभावनी कलाबाजी, अत्याधुनिक तकनीक और रोमांचक एक्शन का आनंद लेते हैं, तो आपको ड्रैगन द्वारा ला पेर्ले में एक सीट आरक्षित करनी होगी। हर साल अद्भुत 450 प्रदर्शनों के साथ, यह दुबई का पहला स्थायी शो है। जब आप बहु-प्रतिभाशाली अभिनेताओं को अपनी अनूठी प्रतिभाओं के साथ कई हवाई और जलीय कारनामे करते हुए देखते हैं, तो हम आपको बता सकते हैं कि आप उत्साह के साथ अपनी सीट के किनारे पर खड़े हो जाएंगे। 90 मिनट के इस संगीत कार्यक्रम के दौरान जादुई तरीके से समय में पीछे यात्रा करने के लिए तैयार हो जाइए। टॉप गोल्फ - टॉप गोल्फ एक तीन-स्तरीय मनोरंजन स्थल है जो एमिरेट्स गोल्फ क्लब में 60,000 वर्ग फुट में फैला हुआ है, जिसमें एक छत है।

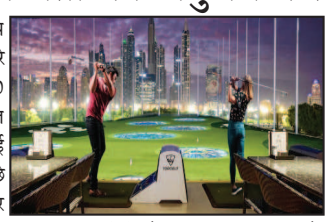

यह इंटैरेक्टिव गोल्फ गेम, लाइव संगीत, भोजन प्रदान करता है और कार्यक्रमों की मेजबानी के लिए भी तैयार है। गेमिंग से परे, टॉपगॉल्फ तीन रेस्तरां, एक खुदरा स्थान, तीन लक्जरी वीआईपी सुइट्स, खेल देखने के लिए बड़ी टीवी स्क्रीन, एक मिनी-गोल्फ कोर्स और लाइव संगीत का घर है। मोहम्मद बिन राशिद लाइब्रेरी - यह पुस्तक प्रेमियों के लिए है। दुबई में मोहम्मद बिन राशिद लाइब्रेरी नवाचार और स्थिरता का शिखर है। इसे रेहाल के विचार का उपयोग करके डिजाइन किया गया था, पारंपरिक लकड़ी की किताब का आराम पाठ के दौरान पवित्र कुरान को रखने के लिए किया जाता था। नौ पुस्तकालय हैं, और प्रत्येक के पास अलग-अलग दर्शकों के लिए विशिष्ट प्रकार के संसाधन हैं।

सूरत में उत्तम डिजिटल कॉन्टेंट रचनाकारों के साथ विशेष मीट एंड ग्रीट कार्यक्रम हुआ

सूरत। आज सूरत में एक विशेष मीट एंड ग्रीट कार्यक्रम हुआ था, जिसमें उद्योग के कुछ सबसे लोकप्रिय डिजिटल कॉन्टेंट रचनाकारों को प्रदर्शित किया गया। यह कार्यक्रम 9 जुलाई को शाम 4 बजे से 6 बजे तक हुआ और प्रशंसकों और दर्शकों के लिए निस्संदेह एक अविस्मरणीय अनुभव रहा।

इस इवेंट में शिवानी कपिला उर्फ लिटिल ग्लव हिस्सा बनी थी, जिन्होंने अपने मनमोहक कॉन्टेंट से 13.2 मिलियन फॉलोअर्स जुटाए हैं, और उनके साथ गरिमा (4.4 मिलियन), सूरज पाल सिंह और यशी टैंक (4.79 मिलियन) भी हुए थे, जिनमें से सभी ने खुद को प्रभावशाली डिजिटल कॉन्टेंट निर्माता के रूप में स्थापित किया है। इनमें से प्रत्येक व्यक्ति की एक अनोखी शैली है और उन्होंने अपनी प्रासंगिक और मनोरंजक सामग्री के माध्यम से एक वफादार प्रशंसक आधार तैयार किया है।

इस अवसर पर सूरत स्थित शिवानी कपिला और उनकी मां के नेतृत्व वाले दूरदर्शी उद्यम लिटिल ग्लव गुरुकुल की घोषणा भी करते हैं। इस असाधारण स्कूल का उद्देश्य बच्चों के समग्र विकास को बढ़ावा देना, व्यक्तित्व विकास पर भार देना और पारंपरिक पाठ्यपुस्तकों से परे सीखने के प्रति गहरे प्रेम को बढ़ावा देकर शिक्षण क्षेत्र में क्रांति लाना है। अपने नवोन्मेषी दृष्टिकोण के साथ, लिटिल ग्लव गुरुकुल शिक्षा के भविष्य को आकार देने और युवा मन को लगातार विकसित हो रही दुनिया में पनपने के लिए सशक्त बनाने के लिए तैयार है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)